शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
वर्ष : 10 | अंक : 32 | गुवाहाटी | शनिवार, 26 अगस्त, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम : विधवाओं के लिए पेंशन योजना का भुगतान 300 से बढ़ाकर 950 रुपए... पेज 3
जोहान्सबर्ग में प्रधानमंत्री मोदी ने जिनपिंग से कहा-एलएसी पर शांति से सुधरेंगे रिश्ते पेज 4
जनसहयोग से ही सफल होगी सेफ सिटी परियोजना : योगी पेज 5
सुरजेवाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने को लेकर पुलिस में दी शिकायत पेज 8

चार नए जिले और 81 उप जिले बनाए जाएंगे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि असम मंत्रिमंडल ने प्रशासनिक दक्षता में सुधार के लिए परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद चार नए जिले और 81 उप-जिले बनाने का फैसला किया है। सीएम शर्मा ने अपने मंत्रिमंडल की 100वीं बैठक की अध्यक्षता करने के बाद गुवाहाटी में मीडिया को जानकारी देते हुए यह घोषणा की। चार नए जिले बनने से असम में कुल 35 जिले हो जाएंगे। असम में जो नए चार जिले बनाए गए हैं -शेष पृष्ठ दो पर

नया रूल्स ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव बिजनेस लागू

गुवाहाटी (हि.स.)। आज से असम में नया रूल्स आफ एडमिनिस्ट्रेटिव बिजनेस लागू हो गया। अंग्रेजी जमाने से चले आ रहे शासन प्रशासन के तरीके को अब असम में बदल दिया गया है। आज असम कैबिनेट की 100वीं बैठक में नए रूल्स ऑफ़ एडमिनिस्ट्रेटिव बिजनेस को मंजूरी दी गई। अब राज्य के मुख्य सचिव, विभागों के आयुक्त सचिव, प्रधान सचिव, संयुक्त सचिव, सहसचिव, आयुक्त, उपायुक्त आदि से लेकर तमाम सरकारी अमलों के कार्यों का निर्धारण नए रूल्स आफ एडमिनिस्ट्रेटिव -शेष पृष्ठ दो पर

क्यों हो रही हैं भागचंद को बचाने की कोशिशें

खुलासा : ब्लैकमेलिंग और चंदे के धंधे में साझेदार हैं चंद्रप्रकाश और भागचंद

गुवाहाटी (विभास)। स्वतंत्रता दिवस के दिन जब महर्षि सदाफल देव विहंगम योग आश्रम को अमृत भोग भंडारे के नाम से अपनी दुकानदारी चलाने वाले भागचंद जैन नामक अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति से मुक्त करवाया जा रहा था, तब से ही आश्रम से जुड़े चंद्र प्रकाश शर्मा और योगेंद्र गुप्ता जैसे लोग उसे बचाने और उसके काले कारनामों पर पर्दा डालने के लिए सक्रिय हो गए। अपनी इस मुहिम में वे इस हद तक गिर गए कि आश्रम की पवित्रता को बहाल करने वालों को ही गुरुद्रोही कहना शुरू कर दिया। भागचंद जैन को बचाने की उनकी कोशिशों के कारणों की तह में जब जाया गया तो कई सनसनीखेज बातें सामने आईं। दरअसल, भागचंद जैन चंद्र प्रकाश शर्मा के साथ मिलकर चोरी-छिपे आश्रम में ब्लैकमेलिंग का धंधा किया करता था। उल्लेखनीय है कि आश्रम की छत पर बने कमरे में अटेच्ड बाथरूम भी है। पर्दाफाश करने वालों ने जब घटना वाले दिन कमरे को खोल कर देखा तो वहां एक पूरी तरह निर्वस्त्र महिला थी। उसने कमरा को खोलने वाले व्यक्ति को कहा कि वेलकम सर। जबकि होना तो यह चाहिए था कि किसी अनजान व्यक्ति को देखकर वह अपना तन ढकने की कोशिश करती। पर उसने ऐसा करने की बजाय संबंधित व्यक्ति का मुस्कुरा कर स्वागत किया। इससे साफ जाहिर होता है कि वह ऐसा करने की आदी थी। चंद्र प्रकाश और भागचंद ने उसे इसी तरह की ट्रेनिंग दे रखी थी। मामले की और गहराई तक पड़ताल करने पर पता चला कि चंद्र प्रकाश की शह पर भागचंद जैन आश्रम में पीने-पिलाने के शौकीनों को बुलाया करता था। हर शाम वहां शराब का दौर चलता था। जब पीने वाला पूरी तरह नशे में धुत हो जाता तो ये लोग अपने असली कारनामे को अंजाम देते। वहां मौजूद महिला के साथ नशे में धुत व्यक्ति की आपत्तिजनक अवस्था में फोटो ली जाती और फिर उसे ब्लैकमेल कर उससे ये लोग मोटी रकम वसूलते थे। पता चला हैं कि उक्त कमरे में कई मूवेबल स्पाई कैमरे भी लगे हुए थे, जिनके जरिए अपने शिकार की ये लोग वीडियोग्राफी करते थे। मिली जानकारी के मुताबिक कई लोग इनके चंगुल में फंसकर मोटी रकम का भुगतान कर चुके हैं। उपरोक्त कथन की पुष्टि इस बात से भी होती है कि तलाशी के दौरान भागचंद जैन को अवैध रूप से आवंटित आश्रम के कमरे से शराब की कई फूल बोतले बरामद हुई थीं। अगर भागचंद वहां अकेला पीने वाला होता तो कमरे में शराब का इतना स्टॉक, और वह भी अलग-अलग ब्रांड की बोतलें, रखने की क्या जरूरत थी। सभी जानते हैं कि गुवाहाटी के हर इलाके में शराब की कई-कई दुकानें हैं। गौरतलब है कि शराब की भारी मात्रा में बरामदगी की बात भागचंद जैन अपने कबूलनामे में स्वीकार कर चुका है। इस लिखित कबूलनामे में गवाह (विटनेस) के रूप में चंद्र प्रकाश शर्मा के हस्ताक्षर भी मौजूद है। यह पहला कारण है जिसके चलते चंद्र प्रकाश शर्मा भागचंद को बचाने की भरसक कोशिश कर रहा है। दूसरे, दोनों शातिरों ने अपने चंदे के धंधे को विस्तार देने के लिए विहंगम योग आश्रम का दुरुपयोग करने की ठानी। चंद्र प्रकाश शर्मा विहंगम योग के नाम पर पहले से ही अपनी दुकानदारी चला रहा था। कभी यज्ञ, कभी गौ सेवा का मुखौटा पहनकर वह लोगों की आस्था का फायदा उठाकर मोटी उगाही करता है। पहले तो वह विहंगम के नाम पर साल में एकाध अनुष्ठान किया करता था, पर एक बार फोकट की उगाही के पैसों का खून मुंह में लगने के बाद अब आए दिन उसका कोई न कोई नाटक चलते रहता है। मजे की बात यह है कि इन कार्यक्रमों का कोई हिसाब आज तक फटासिल आमबाड़ी स्थित महर्षि सदाफल देव आश्रम में नहीं दिया गया। उल्टे यज्ञ व अन्य अनुष्ठान के नाम पर बाजार से उधार में सामग्री उठाकर उनके पैसों का भी भुगतान नहीं किया जाता है। इससे आश्रम की भारी बदनामी हो रही है। पिछले दिनों चंद्र प्रकाश शर्मा ने तेजपुर के पास गोकुंभ के आयोजन के नाम पर समाज से एक करोड़ रुपए से अधिक की राशि चंदे के रूप में उठाई थी, जिसका आज तक कोई हिसाब सार्वजनिक नहीं किया गया है। अगले अंक में गोकुंभ के नाम पर हुई भारी वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित जानकारियां पाठकों को दी जाएगी। उधर, भागचंद जैन अमृत भोग भंडारा के नाम पर कोरोना काल से ही अपना एजेंडा चल रहा है। कोरोना काल में समाज के लोगों ने भागचंद जैन के भंडारे को समाज सेवा का काम मानकर उसे मुक्त हस्त से दान दिया था। इससे भागचंद को मुफ्तखोरी की लत लग गई। कोरोना को समाप्त हुए तकरीबन 2 साल बीत गए हैं, पर अमृत भोग भंडारा अभी तक चल रहा है। समाज के कई रसूखदार लोगों को अखबारों में फोटो छपवाने तथा नेता-मंत्रियों से मिलवाने का लालच देकर चालाक भागचंद ने अपने भंडारे से जोड़ लिया है। ऐसे तथाकथित संरक्षक भागचंद को चंदा उठाने में मदद करते हैं। उल्लेखनीय है कि भागचंद जैन शुरू से ही एक आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है। वह कई बार सलाखों के पीछे जा चुका है। पिछले करीब चार सालों में उसने कई बार अपने भंडारे की जगह को बदला। एक बार तो उसने अपने भंडारे के नाम पर फैंसी बाजार जेल की सरकारी जमीन तक दखल कर ली थी, जब प्रशासन को इसकी भनक लगी तो उसे वहां से बेदखल किया गया। भागचंद जैन के भंडारे का अर्थशास्त्र, भंडारे के नाम पर ट्रस्ट का गठन तथा पिछले दिनों तेजपुर में हुए तथाकथित गोकुंभ के नाम पर चंद्र प्रकाश शर्मा द्वारा उठाई गई एक करोड़ से अधिक की राशि और विहंगम योग संस्थान के नाम पर राज्य भर के प्रतिष्ठानों में रखें दान पात्र (डिब्बों) से संबंधित अनेक खुलासे अगले अंक में...

22 हजार पदों का विज्ञापन अगले माह : सीएम

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज असम में सितंबर में 22,000 सरकारी पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित करने की घोषणा की। यह कदम सालाना 20,000 से 30,000 नए पद सृजित करने के सरकार के निरंतर प्रयासों के अनुरूप है, जिससे राज्य भर में रोजगार की संभावनाओं को और बढ़ावा मिलेगा। पारदर्शिता और योग्यता-आधारित नियुक्तियों के प्रति सरकार के समर्पण को दर्शाते हुए, मुख्यमंत्री शर्मा की घोषणा एक निष्पक्ष और न्यायसंगत प्रक्रिया के माध्यम से एक लाख नौकरियां प्रदान करने की सत्तारूढ़ भाजपा की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है। यह घोषणा मई 2023 में एक प्रभावशाली विकास के बाद हुई जब असम सरकार के 47 विभागों में तृतीय श्रेणी के पदों पर नियुक्तियों के लिए कुल 11,324 उम्मीदवारों को अनंतिम रूप से चुना गया था। अध्यक्ष आशीष भूटानी के मार्गदर्शन में, राज्य स्तरीय भर्ती आयोग ने लिखित और कौशल परीक्षणों के संयुक्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया, -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में पानी की छोटी प्लास्टिक बोतल बैन

गुवाहाटी। असम स्टेट गवर्नमेंट ने एक लीटर से कम की सिंगल यूज प्लास्टिक की पानी की बोतलों पर बैन लगाने की घोषणा की है। बैन 2 अक्तूबर से प्रभावी होगा और राज्य के ग्रीन एंड हेल्दी फ्यूचर की दिशा में एक इम्पोटेंट स्टैप होगा। असम स्टेट ने प्लास्टिक कचरे और एन्वायर्नमेंट पर इसके दुष्प्रभावों को खत्म करने का संकल्प लिया है और यह बैन उसी कोशिश का एक हिस्सा है। 23 अगस्त 2023 को असम पर्यावरण और वन विभाग ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है नोटिफिकेशन में कहा गया है, की सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) वाली वस्तुएं, जिनमें कचरा फैलाने की बहुत अधिक कैपेसिटी होती है, ये बायोडिग्रेडेबल नहीं भी हैं, ये लम्बे समय तक -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयुष का बाजार सात गुणा बड़ा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे आयुष उत्पादों का बाजार वर्ष 2014 के 20 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर आज एक लाख 50 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा यहां राजधानी में एक होटल में आयोजित पूर्वोत्तर राज्यों में आयुष को लेकर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनवाल और अन्य गणमान्य भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

पारदर्शिता का उत्कृष्ट उदाहरण किया प्रस्तुत : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि उनकी सरकार ने अपने दो वर्ष चार महीने के अल्पसमय के कार्यकाल में पारदर्शिता के उत्कृष्ट मानदंडों का पालन करते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि पहले कैबिनेट की बैठकों में लिए गए निर्णय को छुपाया जाता था। लेकिन, आज कैबिनेट में लिए गए सारे के सारे निर्णय प्रकाशित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में की गई कैबिनेट की 100वीं बैठकों में लिए गए 1238 निर्णयों में से 1217 पर अमल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की इतनी बैठकें और इतने निर्णय इतने कम समय में अपने आप में एक इतिहास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 20 -शेष पृष्ठ दो पर

Door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बच्ची की आंख से निकल रहे पत्थर

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में 15 साल की बच्ची की आंखों से पत्थर निकल रहे हैं। बताया जा रहा है कि बच्ची को आई फ्लू हुआ था उसका इलाज किया लेकिन अब उसकी आंखों में से पत्थर (पत्थर जैसा ठोस पदार्थ) निकल रहा है। इस घटना से गांव में हड़कंप मचा हुआ है। लोग इसे जादू टोने से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं डॉक्टर भी इस अनोखे मामले को लेकर हैरान हैं। घटना निमहा गांव की है। परिजनों के मुताबिक उनकी 15 साल की सरस्वती को आई फ्लू इंफेक्शन हुआ था, उसका इलाज -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर हिंसा पर मामला गौहाटी हाईकोर्ट चलेगा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले पर शुक्रवार (25 अगस्त) को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि मणिपुर की कोर्ट में दूरी और सुरक्षा दोनों मुद्दों को ध्यान में रखते हुए हिंसा में आरोपी की पेशी, रिमांड, न्यायिक हिरासत, हिरासत के विस्तार और अन्य कार्यवाही के लिए सभी आवेदन ऑनलाइन मोड में आयोजित होंगे। साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया कि मणिपुर में न्यायिक हिरासत की अनुमति दी जाएगी। इसके अलावा शीर्ष कोर्ट ने कहा कि सीबीआई को ट्रांसफर हुए मणिपुर हिंसा मामलों का केस असम की राजधानी गुवाहाटी में चलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से एक या एक से अधिक जजों को जिम्मा सौंपने कहा है। मामले की सुनवाई ऑनलाइन मोड में होगी। कोर्ट ने कहा कि सभी आरोपी मणिपुर की जेल में ही रहेंगे और गवाहों के सीआरपीसी 164 बयान मणिपुर के मजिस्ट्रेट दर्ज करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
ईर्ष्या करने वाले दो समान व्यक्तियों में विरोध पैदा कर देना चाहिए।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

वायनाड में सड़क दुर्घटना, नौ महिलाओं की मौत

नई दिल्ली (हि.स.)। केरल के वायनाड के मननथावाड़ी में चाय बागान श्रमिकों को ले जा रही एक जीप पलटने से 9 महिलाओं की मौत हो गई। हादसा दोपहर 3.30 बजे मननथावाड़ी थलापुझा कन्नोथ हिल के पास हुआ। हादसे की शिकार ये सभी महिलाएं वायनाड की रहने वाली बताई गई हैं। हादसे में ड्राइवर समेत तीन घायलों की हालत बेहद गंभीर है। जिला कलेक्टर ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की है। घायलों का मननथवाड़ी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। जिस जीप में मजदूर -शेष पृष्ठ दो पर

राम मंदिर के उद्घाटन के दिन मनाई जाएगी दिवाली

प्रयागराज। अयोध्या में भगवान राम के मंदिर के उद्घाटन के दिन पूरे देश में दिवाली मनाई जाएगी। उद्घाटन के समय अयोध्या के राम मंदिर के साथ-साथ देश के सभी मंदिरों में भी पूजा-पाठ किया जाएगा। शाम के समय सभी मंदिरों में दीपोत्सव कार्यक्रम कर दीपावली मनाई जाएगी। इसके साथ ही देश के हर समाज के लोगों से भी अपने-अपने घरों के सामने कम से कम पांच दीपक जलाने की अपील की जाएगी। यह भगवान राम की अयोध्या वापसी के तौर पर देखा जाएगा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) राम मंदिर निर्माण को सांस्कृतिक स्वतंत्रता हासिल करने के तौर पर प्रचारित कर रही है। इसलिए राम मंदिर निर्माण के दिन दीपावली मना कर सांस्कृतिक स्वतंत्रता के प्रारंभ दिवस के रूप में मनाया जाएगा। विहिप का कहना रहा है कि इस देश में रहने वाले हर धर्म-समुदाय के लोग किसी न किसी रूप में हिंदू रहे हैं और उनकी पहचान भगवान राम और इस संस्कृति से रही है, संगठन हर धर्म-समुदाय के लोगों से भी इस मुहिम से जुड़ने की अपील करेगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक सदस्य ने बताया कि उद्घाटन अवसर को भव्य सांस्कृतिक-ऐतिहासिक कार्यक्रम के रूप में मनाए जाने की योजना है। उद्घाटन कार्यक्रम में एक सप्ताह तक चलेगा और इस दौरान अयोध्या में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में चप्पे-चप्पे पर लगेगा सीसीटीवी कैमरा

गुवाहाटी (हि.स.)। अब गुवाहाटी में चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरा लगेगा। यह निर्णय आज असम कैबिनेट की 100वीं बैठक में लिया गया। बैठक के बाद एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए 230 करोड रुपए का आबंटन करने का कैबिनेट में निर्णय लिया गया है। चालू वित्तीय वर्ष के अंदर गुवाहाटी के सभी नुक्कड़ पर उच्च क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे लग जाएंगे। उल्लेखनीय है कि बीते माह बंगाईगांव में संपन्न हुए पुलिस अधीक्षकों के सम्मेलन में गुवाहाटी में बढ़ रहे अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर चर्चा की गई थी।

मणिपुर में गोला-बारूद बरामद, आठ बम भी मिले

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किए हैं। सुरक्षा बलों को तलाशी अभियान के दौरान इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों से चार आग्नेयास्त्र, 38 गोला-बारूद और आठ बम मिले हैं। मणिपुर पुलिस नियंत्रण कक्ष द्वारा गुरुवार रात जारी एक बयान में कहा गया कि इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, काकचिंग, कांगपोकपी और थौबल जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके -शेष पृष्ठ दो पर

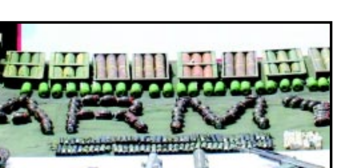

मणिपुर में हिंसा के बावजूद हौसला जारी

कोलकाता। मणिपुर की हिंसा को लेकर हर भारतीय चिंतित है, लेकिन एक ऐसे भी वैज्ञानिक हैं, जिन्होंने इस चिंता को मन में रख देशहित को सबसे आगे रखा। हम बात कर रहे हैं रॉकेट वैज्ञानिक निंगथौजम रघु सिंह की जो अपने काम के प्रति प्रेम के कारण दो साल से अधिक समय से मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में अपने घर तक नहीं गए। बिष्णुपुर जिले के थांगा गांव के चाओबा सिंह और एन याइमाबी देवी के पुत्र रघु सिंह एक साधारण मछली पकड़ने वाले परिवार से आते हैं, जो लोकटक झील से घिरी पहाड़ियों में स्थित है। वह -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पंजाब में राष्ट्रपति शासन के संकेत देकर राज्यपाल ने दी सीएम को चेतावनी

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच छिड़ा विवाद गहरा गया है। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने विभिन्न मुद्दों पर पत्र लिखकर मांगी गई जानकारी नहीं देने पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को अंतिम पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने पूरा मामला राष्ट्रपति के समक्ष उठाने तथा आपराधिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। राज्यपाल ने एक अगस्त को भी इसी तरह का पत्र लिखा था। प्रत्येक पत्र में उनकी भाषा बदल रही है और उनके संकेत राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की तरफ बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को लिखे पत्र में राज्यपाल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 167 के स्पष्ट प्रावधानों के अन्तर्गत मुख्यमंत्री के लिए राज्य के प्रशासनिक मामलों संबंधी मांगी गई सभी जानकारी उपलब्ध कराना अनिवार्य होता है। राज्यपाल ने कहा कि मांगी गई जानकारी देना तो दूर, सीएम ने अनावश्यक और अनुचित टिप्पणियां करके अशालीनता का प्रदर्शन किया है, जिसे न केवल मेरे व्यक्तिगत, बल्कि राज्यपाल कार्यालय के प्रति अत्यधिक शत्रुता और प्रहार के रूप में वर्णित किया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि पंजाब में नशीले पदार्थों की बड़े पैमाने पर उपलब्धता और उपयोग के संबंध में विभिन्न एजेंसियों से रिपोर्ट मिली हैं। यह आम बात हो गई है कि वे दवा की दुकानों में उपलब्ध हैं और एक नया चलन अब यह देखा गया है कि वे सरकार नियंत्रित शराब की दुकानों में भी बेचे जा रहे हैं। हाल ही में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और चंडीगढ़ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए लुधियाना में ड्रग्स बेचने वाले 66 शराब के ठेकों को सील किया है। पंजाब में कानून व्यवस्था के चरमराने की ओर इस हद तक इशारा कर रहे हैं कि अब ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है और खुद को नशे से बचाने के लिए अपनी ग्राम रक्षा समितियां स्थापित करने का फैसला किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि राज्य में नशीले पदार्थों की समस्या के संबंध में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों संबंधी जानकारी भेजी जाए। ऐसा न करने पर मेरे पास कानून और संविधान के अनुसार कार्रवाई करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा।

यूनिवर्सिटीज में रैगिंग रोकेगा इसरो

इमेज मैचिंग और रिमोट सेंसिंग टेक्नोलॉजी का होगा इस्तेमाल

कोलकाता। चंद्रयान मिशन की सफलता के बाद अब इसरो ने पश्चिम बंगाल में विश्वविद्यालय परिसरों में रैगिंग को रोकने के लिए उन्नत तकनीक के समर्थन की पेशकश की है। राजभवन द्वारा जारी एक प्रेस नोट के अनुसार, राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने विश्वविद्यालयों में रैगिंग के खतरे को प्रभावी ढंग से रोकने और खत्म करने के लिए उचित तकनीक की पहचान करने के लिए इसरो अध्यक्ष सोमनाथ से संपर्क किया। राज्यपाल बोस राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं। उन्होंने हैदराबाद स्थित एडीआरआईएन (एडवांस्ड डेटा प्रोसेसिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) के साथ रैगिंग के मुद्दे पर भी चर्चा की है। वे वीडियो एनालिटिक्स, छवि मिलान स्वचालित लक्ष्य पहचान और रिमोट सेंसिंग जैसे कई स्रोतों का उपयोग करके एक उपयुक्त प्रौद्योगिकी समाधान विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। जेयू वी-सी को मामले को आगे बढ़ाने के लिए अधिकृत किया गया है। यह घटनाक्रम जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रथम वर्ष के एक छात्र की विश्वविद्यालय के छात्रावास में कथित तौर पर बालकनी से गिरने के बाद मौत के कुछ दिनों बाद आया है। बंगाली ऑनर्स प्रथम वर्ष का एक छात्र कथित तौर पर 9 अगस्त को मुख्य छात्रावास भवन की दूसरी मंजिल की बालकनी से गिर गया और अगले दिन अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। आरोप है कि प्रथम वर्ष के छात्र की रैगिंग और उत्पीड़न के कारण उसकी मौत हो गई। छात्र की मौत के मामले में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार किए गए लोगों में विश्वविद्यालय के वर्तमान और पूर्व छात्र भी शामिल हैं, जिन्होंने छात्र की मौत में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

परशुराम कुंड में एक ही परिवार के तीन सदस्य डूबे

तिनसुकिया (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड में नहाने के दौरान एक ही परिवार के तीन लोग डूग गए। डूबे लोगों की खोज के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है। बताया गया कि तिनसुकिया के काकोपथार के रहने वाले मनोज शाह, उनकी पत्नी शुभा देवी और शुभा देवी की मां शुक्रवार को परशुराम कुंड में नहाने के लिए आए थे। कुंड में नहाते के दौरान तीनों लापता हो गए। उनका कोई पता नहीं चल सका है। आशंका जताई जा रही है कि वे नहाते समय पानी में डूब गए। लापता लोगों का पता लगाने के लिए तलाशी और बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

लमडिंग रेलवे स्टेशन पर बर्मीज सुपारी जब्त

होजाई (हिंस)। राज्य अभी भी बर्मीज सुपारी की तस्करी का केंद्र बना हुआ है। होजाई जिला अंतर्गत लमडिंग रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने लाखों रुपए मूल्य की बर्मीज (म्यांमार) सुपारी जब्त की है। आरपीएफ द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार सीआईबी टीम और रेलवे पुलिस ने गुरुवार की रात एक संयुक्त अभियान में सुपारी जब्त की। अभियान का नेतृत्व लमडिंग आरपीएफ के सीआईबी विभाग के प्रभारी नंदेश्वर दास ने किया। लमडिंग रेलवे पुलिस ने अगरतला सियालदह कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन के पट्टे पर ली गई सीआर /031850 पार्सल वैन डोबा से लगभग 180 बोरी सुपारी जब्त की। जब्त बर्मीज सुपारी की बाजार में कीमत करीब 50 लाख रुपए आंकी गई है।

झोपड़ी में मिला युवक का शव

कामरूप (हिंस)। जिले के गरैमारी में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। घोड़ामारा गांव के एक खेत से मृत युवक का शव बरामद हुआ। यह शव आज सुबह बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार शव की पहचान फखरुद्दीन अली नाम के शख्स के रूप में हुई है। मृतक फखरुद्दीन गुरुवार की दोपहर बाइक से घर से निकला था। फखरुद्दीन की बाइक को भलुकाबाड़ी के एक व्यक्ति के घर से बरामद कर लिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मिजोरम रेलवे पुल हादसा : मलबे से एक और शव मिला

एजल (हिंस)। मिजोरम के साइरंग में निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज हादसा में मरने वालों की संख्या अब 23 हो गई है, जबकि तीन घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रथम वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने शुक्रवार को दुर्घटनास्थल से एक और शव को बरामद किया गया। गुरुवार को चार शव बरामद किए गए थे। दरअसल, 23 अगस्त को मिजोरम के आइजोल के साइरंग में निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज ढह गया था। पुल के मलबे में 26 मजदूर दब गए थे। 5वीं आईआरबीएन लुंगवेरह, आइजोल में तैनात पहली बटालियन एनडीआरएफ की टीम इंस्पेक्टर अजय कुमार यादव के नेतृत्व में घटनास्थल पर बचाव अभियान चलाया गया। बचाव अभियान में सामान्य नागरिक प्रशासन, एसडीआरएफ, बीएसएफ और स्थानीय संगठन के साथ ही एनडीआरएफ की टीम ने सामूहिक प्रयासों से 23 शवों को निकाला गया और जबकि गंभीर रूप से घायलों को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। मलबा हटाने के दौरान एनडीआरएफ ने शुक्रवार को एक और शव बरामद किया। उल्लेखनीय है कि साइरंग में बन रहा रेलवे ब्रिज मिजोरम राज्य की यातायात व्यवस्था को जहां एक नई गति प्रदान करेगा, वहीं राज्य की अर्थव्यवस्था को भी एक बड़ा आधार प्रदान करेगा।

2024 में विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी हों पीएम पद का चेहरा : बघेल

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इंडिया (आई.एन.डी.आई.ए) गठबंधन में प्रधानमंत्री पद की दावेदारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। भूपेश बघेल ने कहा कि 2024 राहुल गांधी को पीएम पद का चेहरा होना चाहिए। उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (आई.एन.डी.आई.ए) की अगली बैठक से कुछ दिन पहले शुक्रवार को कहा कि एक कांग्रेसी के रूप में वह चाहते है कि राहुल गांधी विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हों। उन्होंने दावा किया कि *इंडिया* गठबंधन बनने के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूरी तरह घबरा गई है। इंडिया की अगली बैठक 31 अगस्त और एक सितंबर को मुंबई में होने वाली है। बघेल का यह भी कहना था कि वह कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को संसद में देखना चाहते हैं। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों के बीच कुछ राज्यों में मतभेद से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस के बड़े नेता ऐसे मुद्दों का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि आज सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि उन लोगों को सत्ता से बाहर किया जाए जो तानाशाही कर रहे हैं। बघेल ने कहा कि इंडिया के गठन से राजग में घबराहट शुरू हो गई है। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री और भाजपा के कई नेताओ ने जो बयान दिए हैं, उनसे साफ है कि वे घबराए हुए हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी विपक्ष की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देंगे, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल जी जो पहले थे, वही आज हैं। जनता ने अब जाना है। सबसे बड़ी बात है कि राहुल गांधी की लोकप्रियता से भाजपा बहुत घबराई हुई है। इसीलिए उनकी सदस्यता रद्द करवाई, बंगला खाली कराया। घबराहट बहुत ज्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस होने के नाते मैं कहूंगा कि राहुल जी प्रधानमंत्री पद का चेहरा हों। यह पूछे जाने पर कि क्या वह प्रियंका गांधी को संसद में देखना चाहेंगे, तो उन्होंने कहा कि क्यों नहीं देखना चाहेंगे? वह लगातार सक्रिय रहती हैं। लोग उनसे लगातार प्रभावित रहते हैं। हम हमारी स्टार प्रचारक हैं। इससे पहले राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बार फिर चीन के मुद्दे को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस बात पर जोर देना कि एक इंच जमीन भी नहीं गई कि बिलकुल गलत है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बुधवार को जोहानिसबर्ग में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के मौके पर बातचीत हुई। यह बातचीत पहले से तय औपचारिक द्विपक्षीय बैठक नहीं थी, बल्कि अनौपचारिक थी। राहुल गांधी ने लद्दाख के अपने नौ दिवसीय दौरे के आखिरी दिन एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने पिछले सप्ताह अपनी मोटरसाइकिल पर पूरे लद्दाख का दौरा कियाज्लद्दाख एक रणनीतिक स्थान है और जब मैं पैंगोंग झील क्षेत्र में था, तो एक बात स्पष्ट थी कि चीन ने हजारों किलोमीटर भारतीय भूमि पर कब्जा कर लिया है। दुर्भाग्य से, प्रधानमंत्री एक बैठक के दौरान बयान देते हैं कि हमारी एक इंच भी जमीन नहीं छीनी गई, जो *बिलकुल झूठ* है। उन्होंने आरोप लगाया कि लद्दाख का हर व्यक्ति जानता है कि चीन ने हमारी जमीन छीन ली है और प्रधानमंत्री सच नहीं बोल रहे हैं। यह दूसरी बार है जब कांग्रेस नेता गांधी ने अपने लद्दाख दौरे के दौरान चीन सीमा मुद्दे को उठाया है। पिछले रविवार को गांधी ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कथन कि लद्दाख की एक इंच जमीन पर भी चीन ने कब्जा नहीं किया है, सच नहीं है।

टेट की डिग्री को प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति में मिलेगी प्राथमिकता

गुवाहाटी (हिंस)। अब असम में प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति के सिलसिले में एकेडमिक सर्टिफिकेट या फिर बीएड की डिग्री से भी अधिक महत्व टेट सर्टिफिकेट की होगी। बल्कि यूं कहिए कि टेट परीक्षा उत्तीर्ण छात्रों को ही असम में प्राथमिक शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया में प्राथमिकता दी जाएगी। आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा कैबिनेट की हुई 100वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि नई नियुक्तियों में 85 फीसदी महत्व टेट के मार्कशीट को दिया जाएगा। जबकि, 10 से 15 फीसदी के अन्य एकेडमिक सर्टिफिकेट और बीएड की डिग्री को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे असम में पढ़ने वाले गरीब छात्रों को लाभ मिलेगा।

जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत नहीं जाएंगे पुतिन

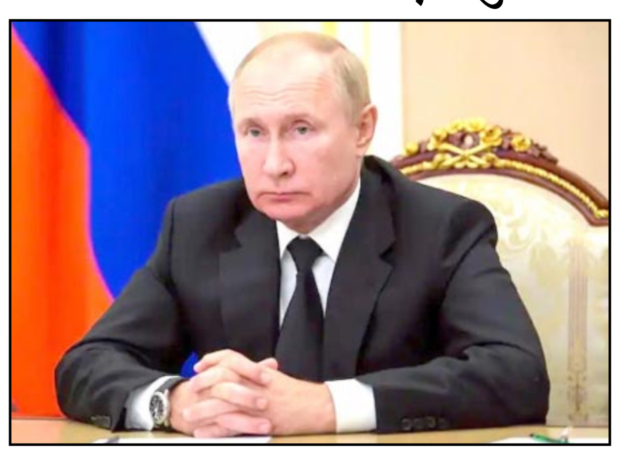

मॉस्को (हि.स.)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन अगले माह भारत में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। अगले महीने, नौ व दस सितंबर को भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। भारत के पास इस वर्ष जी-20 की अध्यक्षता का जिम्मा है। भारत इस समय जी-20 की मेजबानी कर रहा है। रूस की ओर से शुक्रवार को औपचारिक घोषणा की गई कि अगले महीने भारत में होने वाले जी-20 सम्मेलन में राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन शामिल नहीं होंगे। पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन भारत में सितंबर में होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए यात्रा की योजना नहीं बना रहे हैं। फिलहाल उनका मुख्य जोर एक विशेष सैन्य अभियान पर है। दरअसल, भारत में इस समय जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। सम्मेलन को लेकर भारत ने सभी जी-20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं को निमंत्रण भेजा था। अमेरिका सहित कई राष्ट्राध्यक्षों की ओर से सम्मेलन में भारत जाने की पुष्टि हो चुकी है, किन्तु इस बात की पुष्टि नहीं हो पा रही थी कि पुतिन शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे या नहीं। यह समूह दुनिया की प्रमुख बीस विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर सरकारी मंच है।

पृष्ठ एक का शेष

चार नए जिले ...

उनमें होजाई, विश्वनाथ, तामुलपुर और बजाली शामिल हैं। सीएम शर्मा ने कहा कि हमने चार नए जिलों का पुनर्गठन किया है और यह परिसीमन के तहत चुनाव आयोग द्वारा घोषित विधानसभा क्षेत्रों के साथ सह-टर्मिनस है। होजाई जिले में लमडिंग, होजाई और बिन्नाकांदी विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। वहीं, विश्वनाथ जिले में बिहाली, विश्वनाथ और गोहपुर विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। तामुलपुर जिले में तामुलपुर और गोरेश्वर विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। बजाली जिले में बजाली और भवानीपुर-सोरभोग विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इससे पहले असम सरकार ने पिछले साल दिसंबर में राज्य में परिसीमन अभ्यास शुरू होने से ठीक पहले, इन चार जिलों को चार अन्य में मिला दिया था और कुछ गांवों के प्रशासनिक क्षेत्राधिकार को बदल दिया था। विश्वनाथ जिले को शोणितपुर में मिला दिया गया था, इसी तरह होजई को नगांव में, बजाली को बारपेटा में और तामुलपुर को बक्सा में मिला दिया गया था।

22 हजार पदों ...

जिसके परिणामस्वरूप 11,510 पदों के लिए अंतिम मेरिट सूची तैयार की गई। आयोग का कार्य व्यापक था, मार्च 2022 में प्रकाशित एक विज्ञापन के बाद 47 विभागों से मांगें प्राप्त हुईं और आश्चर्यजनक रूप से 9,21,634 ऑनलाइन आवेदन आकर्षित हुए। इन आवेदकों में से, प्रभावशाली 8,28,860 उम्मीदवारों ने लिखित परीक्षा में भाग लिया, जो कि उत्सुकता का एक प्रमाण है। सार्वजनिक सेवा भूमिकाएं। कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया में योग्यता के तीन अलग-अलग स्तरों के अनुरूप लिखित परीक्षाएं शामिल थीं: स्नातक, एचएसएसएलसी, और एचएसएलसी। लिखित परीक्षा चरण के बाद, शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवार पद की आवश्यकताओं के अनुसार कंप्यूटर कौशल परीक्षण, स्टेनोग्राफी कौशल परीक्षण या ड्राइविंग कौशल परीक्षण में आगे बढ़े।

राज्य में पानी की ...

एन्वायर्नमेंट को नुकसान पहुंचाने का कारण बनती हैं और एन्वायर्नमेंट हेल्द के लिए खतरनाक होती हैं। इसलिए इन्हें बैन किया जाता है, इन्हें बनाने, खरीदने,बेचने और स्टॉक करने पर रोक लगाई जाती है। यह नोटिफिकेशन 2 अक्तूबर, 2023 से लागू होगा। और इसका प्रभाव शहरी और ग्रामीण क्षेत्र, स्थानीय प्रशासन, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग और असम के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में लागू होगा। यह नोटिफिकेशन असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा द्वारा एक लीटर से कम कैपेसिटी वाली सिंगल यूज प्लास्टिक पानी की बोतलों पर बैन लगाने की घोषणा के बाद जारी हुआ है। स्टेट गवर्नमेंट ने प्लास्टिक कचरे और पर्यावरण पर इसके दुष्प्रभावों को खत्म करने का संकल्प लिया है और ये बैन उसी कोशिश का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व ...

ने कहा कि केंद्रीय मंत्री सोनवाल के नेतृत्व और प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से आयुष का महत्व बढ़ा है। इसके साथ ही हमारे पूर्वोत्तर राज्यों को भारत की पारंपरिक औषधीय प्रथाओं के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभरने का एक सुनहरा अवसर मिला है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी के विजन को केंद्रीय मंत्री सोनवाल के मूर्तरूप देने की भी चर्चा की।

पारदर्शिता का...

वर्षों में कैबिनेट की कुल 264 बैठकें आयोजित हुई थी। जबकि, उनके कार्यकाल में सिर्फ दो वर्ष में 100 कैबिनेट की बैठकें आयोजित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अपने पूरे कार्यकाल में 20 वर्षों के कैबिनेट की बैठकों का रिकॉर्ड तोड़ेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज अपने कैबिनेट की 100वीं बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनता भवन में कही। पत्रकार सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठकों में लिए गए निर्णयों से संबंधित बुकलेट भी जारी किया। पत्रकार सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने आज की कैबिनेट की बैठक में लिए गए निर्णय की संक्षिप्त जानकारी भी दी।

बच्ची की आंख...

लिया लेकिन उसके बाद से अब उसकी आंख में पत्थर निकल रहा है, उसकी आंख को दबाते ही ये ठोस पदार्थ बाहर निकल रहा है। परिजनों ने आगे बताया कि उन्होंने लोगों के कहने पर इसे जादू टोना समझकर झाड़ फूंक भी करवाई लेकिन मामला बीमारी से जुड़ा था तो झाड़ फूंक का कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद सरस्वती को वे अस्पताल ले गए। नेत्र रोग विशेषज्ञ ने सरस्वती का चैक अप किया और फिर उसका इलाज शुरू किया, आई स्पेशलिस्ट डॉ जनक का कहना है कि जो पत्थरनुमा पदार्थ परिजन दिखा रहे हैं उसका आंख से कोई संबंध नहीं है। हम बच्ची का इलाज कर रहे हैं, जरूरी टेस्ट करवाये जा रहे हैं। जांच करने के बाद ही कुछ कह पाएंगे। डॉक्टर के मुताबिक ये आंख आने की एलर्जी है, कभी-कभी कुछ केसों में आंख से निकलने वाला पदार्थ ठोस हो जाता है जिसे लोग पत्थर निकलना मान लेते है, घबराने की कोई बात नहीं है।

मणिपुर हिंसा पर...

हाई कोर्ट के कार्यवाहक चीफ जस्टिस को गवाहों के बयान दर्ज करने के लिए एक या एक से अधिक मजिस्ट्रेट नामित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट मणिपुर सरकार को गौहाटी कोर्ट में ऑनलाइन मोड के माध्यम से सीबीआई मामलों की सुनवाई की सुविधा के लिए बेहतर इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। शीर्ष कोर्ट ने 21 अगस्त को मणिपुर में जातीय हिंसा के पीड़ितों के राहत और पुनर्वास की निगरानी के लिए जस्टिस गीता मित्तल समिति की नियुक्ति की थी।

नया रूल्स ऑफ ...

बिजनेस के जरिए होगा। कैबिनेट की बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में शासन और प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए बिजनेस एडवाइजरी को बदलना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में बहुत कुछ बदल चुका है, इसलिए व्यवस्था में परिवर्तन अत्यावश्यक हो जाता है। कैबिनेट की बैठक में खेल महारण की तरह संगीत महारण शुरू करने के साथ ही 100 करोड़ रुपए की मोदी स्वच्छ जिला पुरस्कार तथा सेमी कंडक्टर पॉलिसी पर भी मोहर लगा दी गई।

राम मंदिर के उद्घाटन...

इसमें सामान्य लोगों के साथ-साथ विशिष्ट लोगों की भागीदारी सुनिश्चित किए जाने की पूरी तैयारी की जा रही है। इसे यादगार बनाने के लिए सभी लोगों से इस दिन दीपावली मना कर इसमें सहभागिता करने की अपील की जाएगी। अब दीपावली के दिन इलेक्ट्रॉनिक सजावटी लाइट्स से मंदिरों-घरों को सजाने का चलन बढ़ चला है। लेकिन मंदिर के उद्घाटन के दिन लोगों से ज्यादा से ज्यादा पारंपरिक दिवाली मनाने की अपील की जाएगी। इसमें दीपक जलाकर घरों को सजाना और गौ उत्पादों से निर्मित वस्तुओं से पूजा-पाठ करना शामिल रहेगा।

मणिपुर में गोला-बारूद...

दौरान सुरक्षा बलों ने आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद और बम बरामद किए। बयान में कहा गया, पिछले 24 घंटों के दौरान, प्रदर्शनकारियों के एकत्र होने की छिटपुट घटनाओं से राज्य में स्थिति तनावपूर्ण थी। मणिपुर के पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों में कुल 123 *नाके* (चौकियां) स्थापित किए गए और पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों में उल्लंघन के सिलसिले में 1,581 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस ने आम जनता से अफवाहों पर विश्वास न करने और झूठे वीडियो से सावधान रहने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि किसी भी निराधार वीडियो के प्रसार की पुष्टि केंद्रीय नियंत्रण कक्ष के अफवाह-मुक्त नंबर 9233522822 से की जा सकती है। पुलिस ने जनता से लूटे गए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों को निकटतम सुरक्षा बलों को तुरंत लौटाने की भी अपील की।

मणिपुर में हिंसा ...

आईआईएससी बैंगलोर के पूर्व छात्र हैं। सिंह ने आईआईटी-गुवाहाटी से फिजिक्स में स्नातकोत्तर (स्वर्ण पदक विजेता) पूरा किया और डीएम कॉलेज ऑफ साइंस इंफाल से फिजिक्स में स्नातक किया। वह 2006 में वैज्ञानिक के रूप में इसरो में शामिल हुए। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिक निंगथौजम सिंह उन अहम लोगों में शामिल थे, जो चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर भेजने के लिए जिम्मेदार लोगों में से एक थे। निंगथौजम ने कहा कि मुझे घर की याद आती है, लेकिन अपने काम की महत्वता के कारण लगभग दो साल से वहां नहीं गया हूं। अभी तक यह तय नहीं किया है कि अगली बार घर कब जाना है। लेकिन, मुझे अपने माता-पिता के साथ लगभग हर दिन बातचीत करने में मदद करने के लिए व्हाट्सएप और फेसबुक जैसी तकनीक को धन्यवाद देना चाहिए। वैज्ञानिक ने कहा कि चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर लैंडिंग भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के अधिक महत्वाकांक्षी अगले अध्याय की शुरुआत है, जो सूर्य का अध्ययन करेगा और गगनयान कार्यक्रम के तहत भारतीयों को अंतरिक्ष में भेजेगा। उन्होंने कहा कि अब हम मिशन गगनयान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसमें तीन दिवसीय मिशन के लिए तीन सदस्यों के चालक दल को 400 किमी की कक्षा में लॉन्च करेंगे। अब तक विंग कमांडर राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले एकमात्र भारतीय हैं। 1984 में, वह भारत-सोवियत संघ के संयुक्त मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष में गए और सैल्युट 7 अंतरिक्ष स्टेशन पर आठ दिन बिताए। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर कहा कि यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि मणिपुर के एक वैज्ञानिक, डॉ. रघु निंगथौजम, थंगा, बिष्णुपुर से चंद्रयान चंद्रमा लैंडिंग मिशन का हिस्सा थे। उन्होंने इसी के साथ हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि मणिपुर के लोग हमेशा मजबूती से वापसी करते हैं और आगे भी करेंगे।

वायनाड में सड़क ...

यात्रा कर रहे थे, वह अनियंत्रित होकर पलट गई। जीप 30 मीटर की गहरे खड्ड में जा गिरी। जीप में 12 लोग सवार थे। ड्राइवर को छोड़कर सभी महिलाएं थीं। वन मंत्री ने कहा कि घायलों का उपचार आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ चिकित्सक कर रहे हैं। कांग्रेस नेता एवं वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने जीप हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उनकी जिले के संबन्धित अधिकारियों से बात हुई है और उन्होंने पीड़ितों को शीघ्र सहायता मुहैया कराने का आग्रह किया है। उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। राहुल ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

स्वर्वेद भाष्य

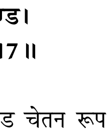

पंचम मंडल **तृतीय अध्याय अध्याय**

अथर्ववेद कांड-10, सूक्त-7 स्कम्भ का स्वरूप विषयक प्रश्नों के उत्तर

(8)

कनिष्ठ व मध्यम परम जो, विश्व रूप ब्रह्माण्ड।
रचे प्रजापति जाहि बल, चेतन रूप हेमाण्ड॥ 17॥

शब्दार्थ : (बल) शक्ति (हेमाण्ड) तेजोमय अंड।

भाष्य : उत्तम, मध्यम एवं कनिष्ठ समस्त विश्व-ब्रह्मांड चेतन रूप तेजोमय अंड को प्रजापति जिसके आधार पर रचता है।

एक भार परविष्ट है, धारक है अस्कम्भ।
तीन भाग सो अलग है, शुद्ध न धार अरम्भ॥ 18॥

शब्दार्थ : (परविष्ट) प्रवेश (आरम्भ) प्रारंभ।

भाष्य : उक्त दोहे का भाव इस दोहे में स्पष्ट हो जाता है। उस धाक स्कंभ का एक भाग सृष्टि में प्रवष्टि है और तीन भाग अलग शुद्ध है, जिसका प्रकृति-आरंभ से संबंध नहीं है।

असम : विधवाओं के लिए पेंशन योजना का भुगतान 300 से बढ़ाकर 950 रुपए किया जाएगा : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि लगभग 98 प्रतिशत निर्णय या तो पूरी तरह या आंशिक रूप से लागू किए गए हैं। गुवाहाटी में आयोजित 100वीं कैबिनेट बैठक के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि अब तक 1238 कैबिनेट फैसले लिए गए हैं, जिनमें से 1217 को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। सीएम शर्मा ने आगे घोषणा की कि राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना का भुगतान 300 रुपए से बढ़ाकर 950 रुपए करने की तैयारी है। इस महत्वपूर्ण उन्नयन का उद्देश्य विधवाओं को बेहतर समर्थन देना है, उन्हें संशोधित योजना के तहत कुल 1250 रुपए की पेंशन प्रदान करना है। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान की गई प्रमुख घोषणाओं में से एक असम में एक नई सेमीकंडक्टर नीति की शुरूआत थी। विभिन्न क्षेत्रों में सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व के साथ, इस नीति का लक्ष्य इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देना है। शहरी सुरक्षा को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री शर्मा ने खुलासा किया कि गुवाहाटी में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना के लिए 230 करोड़ रुपए का पर्याप्त आवंटन निर्धारित किया गया है। स्वच्छता और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए, *मोदी स्वच्छ जिला पुरस्कार* नामक एक नई पहल का अनावरण किया गया। जो जिले असाधारण स्वच्छता मानकों का प्रदर्शन करेंगे और दूसरों के लिए मॉडल बनेंगे, उन्हें 100 करोड़ रुपए के बड़े पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री शर्मा ने असम में कार्यकारी व्यवसाय के नए नियमों की आगामी शुरूआत का खुलासा करते हुए, सुव्यवस्थित शासन के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। प्रेस कांफ्रेंस में सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के प्रशासनिक मानचित्र में नए आयाम जोड़ते हुए चार नए जिलों के गठन की भी घोषणा की। चार नए जिले होजाई, विश्वनाथ, तामुलपुर और बजाली हैं। यह निर्णय, जो 31 दिसंबर को लागू हुआ, क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देने और राज्य की उभरती जरूरतों को संबोधित करने की दिशा में एक सक्रिय कदम है। भविष्य की आशा करते हुए, मुख्यमंत्री शर्मा ने अगले महीने असम में 22,000 सरकारी पदों के लिए आगामी विज्ञापन की घोषणा की। यह भर्ती अभियान राज्य भर में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने, 20,000 से 30,000 नए पद सृजित करने की सरकार की वार्षिक प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

नए ओवरब्रिज का नाम कामेश्वरी सेतु रखने की पीपीएफए की मांग

गुवाहाटी (हिंस)। कामाख्या मंदिर के प्रवेश द्वार से मालीगांव की ओर जाने वाले नए ओवरब्रिज को पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों और एजेंसियों को बधाई देते हुए पैट्रियटिक पीपुल्स फ्रंट असम (पीपीएफए) ने असम के मुख्यमंत्री डा हिमंत विश्व शर्मा से आग्रह किया है कि वे इस फ्लाईओवर का नाम उर्वरता, इच्छा और रचनात्मक शक्ति की देवी कामाख्या के नाम पर रखें। राष्ट्रवादी नागरिकों के मंच ने कहा कि 420 करोड़ रुपए के खर्च से निर्मित 2.6 किलोमीटर लंबे दो-लेन वाले फ्लाईओवर का उद्घाटन राखी पूर्णिमा (30 अगस्त) पर होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मां देवी कामाख्या (जिन्हें कामेश्वरी या कात्यायनी के नाम से भी जाना जाता है) का निवास गुवाहाटी के अंदर नीलाचल पर्वत पर है, जो भारत के इस हिस्से के लिए एक महत्वपूर्ण पहचान बनी हुई है।

पान मसाला : गौहाटी उच्च न्यायालय का असम सरकार को नोटिस

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संदिप मेहता एवं सुस्मिता खाउंड की खंडपीठ ने एक जनहितयाचिका की सुनवाई करते हुए आज असम सरकार सहित डायरेक्टर हेल्थ सर्विस, ज्वाइंट डायरेक्टर पेल्थ सर्विस एवं कमिश्नर, फूड सफ्टी को नोटिस जारी कर पूछा है कि याचिकाकर्ता द्वारा दिए आवेदन पर क्या कार्रवाई हुई। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अमित गोयल के अनुसार याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय द्वारा दिए आदेश के मद्देनजर मुख्य सचिव सहित कई उच्च पदस्थ अधिकारी को आवेदन कर असम राज्य में धड़ल्ले से बिक रहे विभिन्न ब्रांड के पान मसाला जिसमें कि मैगनेसियम कार्बोनेट पाया गया पर प्रतिबंध लगाने की गुजारिश की परंतु याचिकाकर्ता के आवेदन पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। उच्च न्यायालय में दो याचिकाकर्ता ने अपने स्तर पर कई ब्रांडों के पान मसाला की केमिकल एक्जामिनेशन कराकर पाया कि इन पान मसालाओं में मैगनेसियम कार्बोनेट मौजूद है जो कि फूड सेफ्टी कानून के तहत प्रतिबंधित है। न्यायालय में याचिकाकर्ता की तरफ से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता अमित गोयल ने न्यायालय को बताया कि पान मसालों में मौजूद मैगनेसियम कार्बोनेट कैंसर का एक महत्वपूर्ण कारण है। श्री गोयल की दलील सुनने के पश्चात मुख्य न्यायाधीश की दो जजों की पीठ राज्य के महाधिवक्ता को राज्य सरकार से समुचित जानकारी मुहैया कराने को कहा है तथा मामले की सुनवाई 12 सितंबर मुर्करकर दिया है। मालूम हो कि कमिश्नर, फूढ सेफ्टी ने न्यायालय में हलफनामा दायरकर कहा है कि राज्य में कुल 43 पान मसाला ब्रांडों में मैगनेसियम कार्बोनेट पाया गया है।

व्यापारी विनोद जैन पर हमला करने वाले को गिरफ्तार करने की मांग

नगांव (निसं)। मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा के एक प्रतिनिधि मंडल ने वृहस्पतिवार की घटना में घायल हुए विनोद जैन (बोरड) के निवास स्थान पर जाकर उनसे व उनके परिजनों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली व उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस प्रतिनिधि मंडल में सम्मेलन के अध्यक्ष प्रदीप सोभासरिया, पूर्व अध्यक्ष पवन गाड़ोदिया, उपाध्यक्ष अजित माहेश्वरी, सचिव अजय मित्तल, सह सचिव अरुण नागरका, विनोद बोथरा, वरुण सोभासरिया शामिल थे। तत्पश्चात इस प्रतिनिधि मंडल ने हैबरगांव पुलिस चौकी के प्रभारी जगदीश कलिता से मुलाकात की तथा इस मुद्दे विचार विमर्श किया और जल्द से जल्द आरोपी को सलाखों के पीछे लाने की अपील की। साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने थाना प्रभारी से शाम 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक अतिरिक्त पुलिस गश्त लगाने की मांग की। तत्पश्चात प्रतिनिधि मंडल ने जैन तेरापंथ सभा के प्रतिनिधि मंडल के साथ पुलिस आयुक्त कार्यालय में जाकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रणब ज्योति कलिता से मुलाकात की एवं इस पूरे मामले को गंभीरता से लेने हेतु आग्रह किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि हम जल्द से जल्द अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सक्षम होंगे। उन्होंने अपना नंबर देते हुए कहा की आप लोगों को भी अगर कोई सुराग मिले तो मुझे तुरंत फोन पर जानकारी प्रदान करें।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में में मिला गैंडे का शव

काजीरंगा (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में एक सींग कटे अवस्था में गैंडे का शव बरामद हुआ है। राष्ट्रीय उद्यान के कहंरा वन क्षेत्र में मिठुनमारी वन शिविर क्षेत्र के झील में तैरता हुआ गैंडे का शव मिला। बरामद किए गए गैंडे के शव का सींग कटा हुआ है। जिसे वन विभाग द्वारा बरामद नहीं किया जा सका है। वन विभाग के अनुसार गैंडे की स्वाभाविक मौत हुई है। आशंका जताई जा रही है कि वह झील के पानी में गिर गया होगा। सींग की तलाश में वन विभाग का सर्च ऑपरेशन जारी है।

राज्य सरकार की उपलब्धियों को उजागर करने की एजेपी ने दी चुनौती

गुवाहाटी। असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने 25 अगस्त को राज्य सरकार को हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के तहत पहली कैबिनेट बैठक की उपलब्धियों को उजागर करने और इसे एक नोटिस बोर्ड पर लगाने की चुनौती दी। इसके अलावा, एजेपी ने दावा किया कि 100वीं राज्य कैबिनेट बैठक का कोई महत्व नहीं है। 100वीं कैबिनेट बैठक आयोजित करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना करते हुए लुरिनज्योति ने दावा किया कि सरकार पहली ही बैठक में लिए गए अपने निर्णयों पर कायम रहने में विफल रहेगी। एजेपी नेता ने कहा कि मैं चाहूंगा कि सरकार दिखाए कि क्या पहली बैठक में लिए गए कैबिनेट फैसलों को 100वीं बैठक में 100

प्रतिशत लागू किया गया था। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, असम जातीय परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के नकारात्मक प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। एजेपी नेता ने कहा कि राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) के कार्यान्वयन के बाद राज्य के कर्मचारियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है और इस योजना को कॉर्पोरेट समर्थक योजना की ओर मोड़ दिया गया है। भारत के संविधान का हवाला देते हुए एजेपी नेता ने दावा किया कि पेंशन सरकारी कर्मचारी का अधिकार है। भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए, गोगोई ने कहा कि भारत में ऐसे कई राज्य हैं जहां कांग्रेस सरकार या फिर तृणमूल कांग्रेस की सरकार है, जो पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) का पालन कर रहे हैं, लेकिन अटल बिहारी वाजपेई के दिन से भगवा पार्टी एनपीएस के लिए अभियान चला रही है, जो वापस चली जाती है। एजेपी नेता ने यह भी दावा किया कि पीएम मोदी के निर्देश के अनुसार केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने 2019 में असम राज्य को एनपीएस के बारे में सूचित किया और राज्य सरकार से इस संबंध में उचित कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि केंद्र के पत्र में सुझाव दिया गया है कि असम सरकार एनपीएस को लागू करने या ओपीएस के साथ जाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करे, हालांकि, राज्य सरकार ने कहा कि राज्य केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है। एजेपी नेता ने दावा किया कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं पर करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन राज्य के कर्मचारियों की देखभाल करने में असमर्थ है, जिन्होंने 30 वर्षों तक राज्य की सेवा में अपना खून-पसीना बहाया है। कृषि विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और आरोप लगाते हुए, एजेपी नेता ने दावा किया कि राज्य सरकार ने अमरूद के पौधे खरीदे थे, जिनकी कीमत लगभग 18 रुपए थी, उन्हें 400 रुपए में खरीदा गया था।

कोकराझाड़ में कांग्रेस की बैठक में कई नेताओं ने ली पार्टी की सदस्यता

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ में आज असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसी) की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान कई नेताओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान यूपीपीएल के उपाध्यक्ष मोइनुल हक सहित सैकड़ों की संख्या में लोग कांग्रेस की नीतियों और आदर्शों से आकर्षित होकर कांग्रेस में शामिल हुए। बैठक में एपीसीसी अध्यक्ष भूपेन बोरा भी मौजूद थे। बोरा की उपस्थिति में हक सहित सैकड़ों की संख्या में लोनों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। एपीसीसी अध्यक्ष बोरा ने सभी नए सदस्यों का कांग्रेस में जोरदार स्वागत किया। इस दौरान बोरा ने बीटीसी के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो पर निशाना साधते हुए कहा कि जब मैं यहां पहुंचा तो लोगों की जुबान पर एक ही बात था कि जब प्रमोद बोड़ो छात्र नेता थे तो कहते थें डिवाइड असम 50 /50 और अब कहते हैं डिवाइड माने कोकराझाड़ में आने वाले धन का आधा हिस्सा स्वयं रखते हैं और आधा दिसपुर (राजधानी) को दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कहा कि भष्टाचार का बीटीआर में बुरा असर पड़ा है।

केंद्रीय गृहमंत्री से मिले असम राइफल्स के महानिदेशक

इंफाल (हिंस)। असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पीसी नैयर ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। असम राइफल्स द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गुरुवार की रात हुई इस मुलाकात के दौरान महानिदेशक नैयर ने पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों में असम राइफल्स की गतिविधियों के साथ ही मिजोरम, मणिपुर, असम आदि के सीमावर्ती इलाकों में चलाए जा रहे अभियान के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इस मुलाकात के दौरान महानिदेशक ने केंद्रीय गृह मंत्री को बताया कि मणिपुर के अशांत क्षेत्रों के साथ ही मिजोरम तथा नगालैंड में किस प्रकार असम राइफल्स स्वास्थ्य शिविर आदि का आयोजन इन दिनों कर रही है। असम राइफल्स द्वारा सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति भी किए जा रहे कार्यों को लोग काफी सराह रहे हैं। उन्होंने बताया कि किस प्रकार असम राइफल्स को अभियान के दौरान सफलता मिल रही है। बैठक के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने महानिदेशक को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

मायुमं, बिलासीपाड़ा शाखा ने किया सावन मेला का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच बिलासीपाड़ा शाखा द्वारा स्थानीय प्रार्थना भवन में सावन मेला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में समाज बंधुओ द्वारा तरह-तरह के स्टॉल्स लगाए गए। जिसमें कपड़ों के खाने के राखी के, कोल्डरिंग के, पानी के स्टॉल लगाए गए थे। कार्यक्रम की शुरुआत विशिष्ट समाजसेवी विनोद छाजेड़, अध्यक्ष विजय लुणावत एवं पूर्व अध्यक्षों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद मंच सदस्य पिंकी कोचर ने गणेश वंदना की। तत्पश्चात अध्यक्ष विजय लुणावत ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। साथ ही शाखा के सभी पूर्व अध्यक्ष एवं मौजूदा मंडलीय सहायक मंत्री गुलाब लुणावत का भी स्वागत एवं अभिनंदन किया। सावन मेला के इस कार्यक्रम में एक डांस प्रतियोगिता भी रखी गई थी। जिसमें समाज के बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसके साथ ही बिगत कुछ दिन पहले आयोजित समर कैंप के पुरस्कार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन सुखबीर चौधरी ने किया एवं अंत में सभी को धन्यवाद दिया कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए।

शुद्ध पीने का पानी के लिए जूझ रहे पूर्वी महचरा के लोग

नगरबेड़ा (विभास)। केंद्र सरकार ने देश के हर घर को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल जीवन मिशन योजना नामक एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। केंद्र सरकार ने इस योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए पहले ही पर्याप्त धन आवंटित कर दिया है। लेकिन विभाग के गैर जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के एक वर्ग की उदासीनता, आयोग की गुप्त समझ आदि के कारण ऐसी कई महत्वाकांक्षी योजनाएं जगह-जगह खस्ताहाल हो गई हैं। इसके अलावा, गंभीर आरोप लगाए गए हैं कि योजनाओं के लिए निविदा करने वाले कुछ ठेकेदार खराब गुणवत्ता के काम के कारण योजना को सफलतापूर्वक लागू नहीं कर रहे हैं, योजना का काम पूरा नहीं कर रहे हैं। वहीं, बरपेटा उपमंडल के पूर्वी महचरा में जन स्वास्थ्य तकनीकी विभाग और चेंगा

निर्वाचन क्षेत्र के तहत विभाग स्थापित है। ऐसे गंभीर आरोप लगते रहे हैं कि यह महत्वाकांक्षी योजना केवल भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कारण घोटाले में तब्दील हो गई है। यह पता चला है कि पूर्वी महचरा में, 2019-2020 में लगभग करोड़ रुपए की लागत से सौर ऊर्जा संचालित जलापूर्ति योजना का निर्माण कार्य शुरू किया गया। लेकिन आज भी जलापूर्ति योजना पर काम पूरा नहीं हो पाया है। आरोप है कि योजना के निर्माण का प्रभारी ठेकेदार बेहद घटिया क्वालिटी का काम कर रहा है। योजना की चार चारदीवारी के सामने के हिस्से को पेंट किया गया है, लेकिन अंदर प्लास्टर नहीं किया गया है। घटिया सामग्री के उपयोग के कारण पानी के पाइप कनेक्शन ख़राब हो गए हैं। यह भी आरोप लगाया गया है कि काम के प्रभारी ठेकेदार काम पूरा किए बिना गायब हो गए। पिछले चार वर्षों में, क्षेत्र के सैकड़ों लोग स्वच्छ पेयजल से वंचित रह गए हैं क्योंकि जल आपूर्ति योजना कार्यात्मक नहीं हुई है। नतीजतन, यह भी बताया गया है कि क्षेत्र के कुछ लोग विभिन्न स्थानों के पानी का सेवन करने से विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हो गए हैं। सफेद हाथी बन चुकी उक्त जलापूर्ति योजना को पूरा करने और उसे क्रियाशील बनाने के लिए संबंधित विभाग ने आवश्यक कदम नहीं उठाए हैं और न ही इसे क्रियाशील बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। यदि योजना का कार्य जल्द से जल्द पूरा नहीं हुआ तो यह लगभग तय है कि सरकार की करोड़ों की योजना एक समय पानी में डूब जाएगी। जन स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पूर्वी महचरा क्षेत्र के लोगों की एकमात्र शुद्ध पेयजल आपूर्ति योजना का कार्य सरकार व विभागीय अधिकारियों से जल्द से जल्द शुद्ध पेयजल का कार्य पूरा करने व स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

स्वर्गीय चंद्रकला सिंघानिया को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

नलबाड़ी। हमारी मां चंद्रकला सिंघानिया (नलबाड़ी निवासी तथा गुवाहाटी प्रवासी)15 अगस्त 2023 को गुवाहाटी में इस अलौकिक दुनिया से बिदा लेकर एक भरा पूरा परिवार छोड़ कर स्वर्ग सिधार गई। कहां से शुरू करूं कहां पर खत्म करूं, त्याग और प्रेम उस मां का भला कैसे में बयान करूं। मां की पूर्ति इस दुनिया में कोई भी नहीं कर सकता है। मां है तो सब कुछ मुमकिन है और पिता है तो कुछ भी कठिन नहीं है। मां की कमी उस समय अधिक महसूस होती है जब वह हमारे बीच नहीं होती है। हमारी मां धर्म परायण ही नहीं थी बल्कि परिवार के सभी सदस्यों के प्रति बहुत ही नरम दिल की थी। करीबन 5 साल पहले हमारे पिता स्वर्गीय प्रहलाद राय सिंघानिया के स्वर्ग सिधारने के पश्चात मां ने हम सभी पांच भाई बहनों को इतना स्नेह दिया कि हम उसे कभी भूल नहीं सकते। हमारे माता-पिता को पढ़ाई का इतना लगाव था कि करीबन चालीस वर्षों पहले उस जमाने में हम सब भाई बहनों को बचपन में ही करीबन 8-9 साल की उम्र में ही असम के बाहर बनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान तथा देहरादून आदि जगहों पर पढ़ने भेज दिया था।

द्वितीय ऑल असम इंटर-स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 में भाग लेंगे 750 से अधिक छात्र

गुवाहाटी। ऑल असम ताइक्वांडो एसोसिएशन के समर्थन से मॉडर्न इंग्लिश स्कूल ने साल के बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम, द्वितीय ऑल असम इंटर-स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 की घोषणा की है। इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट में 750 से अधिक छात्रों ने भाग लिया है। यह कार्यक्रम बुधवार, 25 अगस्त, 2023 को शुरू हुआ है और रविवार, 27 अगस्त, 2023 को समाप्त होने वाला है। चैंपियनशिप और इसके लाभ के बारे में बोलते हुए, मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की प्रिंसिपल जोनाली दास ने कहा कि हम द्वितीय ऑल असम इंटर-स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 की मेजबानी करके गर्व महसूस कर रहे हैं। मैं ऑल असम ताइक्वांडो एसोसिएशन को उनके निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहती हूं। किसी भी प्रतियोगिता से परे, यह आयोजन

सौहार्द की भावना और उत्कृष्टता की खोज का प्रतीक है। पिछले साल उद्घाटन कार्यक्रम की शानदार सफलता की तरह, हम इस बार भी सभी प्रतिभागियों, कोचों और उपस्थित लोगों के लिए एक और यादगार और प्रभावशाली अनुभव बनाने के लिए तैयार हैं। अनुशासन और सम्मान पर जोर देने के अलावा, ताइक्वांडो हमारे स्कूल के मर्यादा के साथ पूरी तरह से संरेखित है, और हम कौशल तथा दृढ़ संकल्प के प्रदर्शन को देखने के लिए उत्साहित हैं। यह चैंपियनशिप हमारे क्षेत्र के युवाओं के बीच शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और खेल भावना को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के पीजीटी-फिजिकल एजुकेशन और ताइक्वांडो कोच अभिजीत गोगोई ने कहा कि मैं दूसरी ऑल असम इंटर-स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 को लेकर रोमांचित हूं। पिछले साल की तुलना में प्रतिभागियों की बढ़ी हुई संख्या वास्तव में प्रेरणादायक है। यह छात्रों के बीच ताइक्वांडो के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाता है। मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, गुवाहाटी द्वारा आयोजित किया गया और ऑल असम ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा समर्थित, द्वितीय ऑल असम इंटर-स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023, हमारे उभरते एथलीटों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच का प्रतीक है। यह आयोजन अनुशासन, टीम वर्क और दृढ़ता को बढ़ावा देती है, जो न केवल ताइक्वांडो के लिए बल्कि हमारे जीवन के लिए भी महत्वपूर्ण है। द्वितीय ऑल असम इंटर-स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 में विभिन्न आयु समूहों और कौशल स्तरों के लिए विभिन्न श्रेणियां होंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक प्रतिभागी को चमकने का अवसर मिले। यह आयोजन न केवल खेलकूद का जश्न मनाएगा, बल्कि एकता और स्वस्थ प्रतियोगिता के महत्व की भी याद दिलाएगा। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के आईओएफएस और रक्षा मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र (गुवाहाटी) के उप निदेशक श्री प्राणजीत भगवती, अंतर्राष्ट्रीय रेफरी श्री अली अहमद जाफरी, श्री दिनेश गुप्ता और मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के निदेशक श्री पंकज दास उपस्थित थे।

जोहान्सबर्ग में प्रधानमंत्री मोदी ने जिनपिंग से कहा- एलएसी पर शांति से सुधरेंगे रिश्ते

- पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के सैन्य अधिकारियों ने लगातार 6 दिन तक की मैराथन वार्ता
- दोनों पक्ष एलएसी के सीमावर्ती क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर शांति बनाए रखने पर हुए सहमत

नई दिल्ली, (हि.स.)। साउथ अफ्रीका में तीन दिन चले ब्रिक्स सम्मेलन के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सीधी बातचीत हुई। इधर, पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर तनाव घटाने के लिए भारत और चीन ने लगातार 6 दिन तक मेजर जनरल स्तर की मैराथन वार्ता करके गुरुवार देर रात खत्म की है। दोनों पक्ष सीमावर्ती क्षेत्रों में जमीन पर शांति बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। भारत और चीन के बीच 19 वें दौर की सैन्य वार्ता 13-14 अगस्त को भारतीय सीमा पर चुशुल-मोल्डो में हुई थी। साढ़े तीन साल से चल रहे गतिरोध के बीच यह बैठक सबसे ज्यादा 70 घंटे तक चली, जिसमें कई मुद्दों पर सहमति बनती नजर आई थीं। उस समय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि दोनों पक्षों के बीच पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी पर शेष मुद्दों के समाधान पर सकारात्मक, रचनात्मक और गहन चर्चा हुई। दोनों पक्ष शेष मुद्दों को शीघ्रता से हल करने और सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से बातचीत की गति को बनाए रखने पर सहमत हुए। बयान में यह भी कहा गया था कि दोनों पक्ष सीमावर्ती क्षेत्रों में जमीन पर शांति बनाए रखने पर सहमत हुए हैं। इसके बाद भारतीय और चीनी सेना ने दौलत बेग ओल्डी और चुशूल सेक्टर में एक बार फिर मेजर जनरल स्तर की वार्ता 19 अगस्त को शुरू की। इस सैन्य बैठक को इतना गोपनीय रखा गया कि किसी को इस मैराथन कवायद की भनक तक नहीं लग सकी। दोनों देशों के बीच लगातार हुई बैठक का खुलासा गुरुवार देर रात को तब हुआ, जब भारत और चीन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने डेप्सांग और डेमचोक क्षेत्र में लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए अपनी छह दिवसीय मैराथन वार्ता समाप्त कर ली। दोनों देशों के बीच मेजर जनरल स्तर की वार्ता उस दिन संपन्न हुई, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रिक्स के आखिरी दिन शिखर सम्मेलन से इतर दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सीमा मुद्दों पर वार्ता की। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने जोहान्सबर्ग में मीडिया को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत में भारत-चीन सीमा के पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी पर अनसुलझे मुद्दों पर भारत की चिंताओं पर प्रकाश डाला। चीनी राष्ट्रपति के सामने प्रधानमंत्री मोदी ने रेखांकित किया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और एलएसी का सम्मान करना भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए आवश्यक है। विदेश सचिव ने कहा कि इस संबंध में दोनों नेता अपने-अपने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र विघटन और तनाव कम करने के प्रयासों को तेज करने का निर्देश देने पर सहमत हुए। दोनों सेनाएं अब बातचीत पर अपने वरिष्ठ नेतृत्व से निर्देश मांगेंगी और जल्द ही अंतिम निर्णय लेंगी। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं ने वर्तमान चीन-भारत संबंधों और साझा हित के अन्य सवालों पर स्पष्ट और गहन विचारों पर चर्चा की। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन-भारत संबंधों में सुधार दोनों देशों और लोगों के साझा हितों को पूरा करता है और दुनिया और क्षेत्र की शांति, स्थिरता और विकास के लिए भी अनुकूल है। दोनों पक्षों को अपने द्विपक्षीय संबंधों के समग्र हितों को ध्यान में रखना चाहिए और सीमा मुद्दे को ठीक से संभालना चाहिए, जिससे संयुक्त रूप से सीमा क्षेत्र में शांति की रक्षा की जा सके।

राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारी की पूर्व प्रमुख दादी प्रकाशमणि की स्मृति में डाक टिकट जारी किया

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की पूर्व प्रमुख दादी प्रकाशमणि की स्मृति में एक डाक टिकट जारी किया। यह डाक टिकट दादी प्रकाशमणि की 16वीं पुण्यतिथि पर डाक विभाग की 'माई स्टैम्प' पहल के तहत जारी किया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि दादी प्रकाशमणि ने आध्यात्मिकता के माध्यम से भारतीय मूल्यों और संस्कृति को भारत और विदेशों में फैलाया। उनके नेतृत्व में ब्रह्माकुमारी दुनिया में महिलाओं के नेतृत्व वाला सबसे बड़ा आध्यात्मिक संगठन बन गया। एक सच्चे नेता की तरह वह चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी विश्वास और साहस के साथ ब्रह्माकुमारी परिवार के साथ खड़ी रहीं और हमेशा उनका मार्गदर्शन किया। राष्ट्रपति ने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा सत्य है कि जीवन अस्थायी है और व्यक्ति को उसके कर्मों के कारण ही याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को लोक कल्याण की भावना से नेक कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दादी भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आध्यात्मिक एवं मिलनसार व्यक्तित्व और मानव कल्याण के उनके संदेश की यादें हमेशा हमारे बीच जीवित रहेंगी और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। चंद्रयान-3 मिशन की हालिया सफलता के बारे में राष्ट्रपति ने कहा कि हम सभी ने भारतीय वैज्ञानिकों की अभूतपूर्व सफलता देखी है। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि चंद्रयान-3 मिशन के जरिए चंद्रमा की धरती से नई जानकारी हासिल होगी जिससे पूरी दुनिया को फायदा होगा।

आईआईटी, मुंबई को अज्ञात शख्स ने दिया 160 करोड़ रुपये का दान, जलवायु चुनौतियों पर खर्च होंगे

मुंबई, (हि.स.)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई (आईआईटी) को अज्ञात शख्स ने 160 करोड़ रुपये का दान दिया है। इस दान राशि का उपयोग ग्रीन एनर्जी एंड सस्टेनेबिलिटी रिसर्च हब की स्थापना के लिए किया जाएगा। इससे आधुनिक तकनीकों की मदद से जलवायु चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। आईआईटी मुंबई के निदेशक सुभाशिष चौधरी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि यह दान देने वाले शख्स ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं की है। अज्ञात दानदाता इसी आईआईटी का पूर्व छात्र है। चौधरी ने बताया कि आईआईटी, मुंबई भारत के शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों की सूची में तीसरे स्थान पर है। वैश्विक प्रदर्शन के मामले में क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2023-24 में 149वां स्थान मिला है। कैंपस प्लेसमेंट और फैकल्टी के लिए आईआईटी मुंबई को शीर्ष पर माना जाता है। इसी वजह से इस संस्था के पूर्व छात्र संस्थान को समय-समय पर दान देकर मदद करते रहते हैं। इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि भी आईआईटी, मुंबई को अब तक दो बार में 400 करोड़ रुपये दान दे चुके हैं। उन्होंने पिछले साल जून महीने में आईआईटी, मुंबई को 315 करोड़ रुपये का दान दिया था। इससे पहले उन्होंने आईआईटी, मुंबई को 85 करोड़ रुपये का दान दिया था। नंदन नीलेकणि ने 1973 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री के लिए आईआईटी बॉम्बे में प्रवेश लिया था। आज शीर्ष स्थान पर पहुंचने के बाद भी नंदन नीलेकणि कहते हैं कि आईआईटी नामक संस्था उनके जीवन का आधार है। इसी वजह से वह आईआईटी, मुंबई को हर तरह की मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत 1 सितम्बर तक बढ़ाई

अजय कुमार

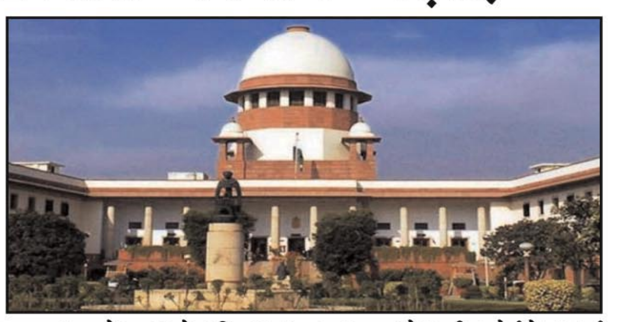

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को राहत देते हुए उनकी अंतरिम जमानत बढ़ा दी है। जस्टिस एएस बोपन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने सत्येंद्र जैन की अंतरिम जमानत 1 सितंबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट जैन की मुख्य जमानत याचिका पर 1 सितंबर को सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि जैन की स्पाइनल सर्जरी हुई है और उन्हें आराम की जरूरत है। सिंघवी ने जैन की अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की। सिंघवी की दलील का ईडी ने विरोध करते हुए कहा कि जैन को सरेंडर करने का आदेश दिया जाना चाहिए। उनकी अंतरिम जमानत एक दिन भी नहीं बढ़ाई जानी चाहिए। जैन को आम कैदी की तरह समझा जाना चाहिए। कोर्ट ने 24 जुलाई को जैन को मिली अंतरिम जमानत एक महीने के लिए बढ़ा दी थी। 10 जुलाई को कोर्ट ने 24 जुलाई तक की अंतरिम जमानत बढ़ाने का आदेश दिया था। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई को सत्येंद्र जैन को छह हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी। कोर्ट ने सत्येंद्र जैन को अपनी पसंद के निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दी थी। सुनवाई से पहले ईडी ने जवाब दाखिल कर कहा कि सत्येंद्र जैन अपने प्रभाव के चलते बीमारी के बारे में गलत रिपोर्ट हासिल करते रहे हैं। ईडी ने कहा कि दिल्ली हाई कोर्ट ने लोकनायक जयप्रकाश हॉस्पिटल की रिपोर्ट ठुकरा दी थी। ईडी ने कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत तभी मिलती है, जब बीमारी से जान का खतरा हो। सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया था। जैन की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने जैन के खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया था और कहा कि जेल में जैन का वजन 35 किलोग्राम कम हो गया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 6 अप्रैल को सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि सत्येंद्र जैन एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और वो गवाहों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। ईडी ने सत्येंद्र जैन को 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया था।

कांग्रेस शांति और सुरक्षा पर हमें न दे व्याख्यान : भाजपा

नई दिल्ली, (हि.स.)। राहुल गांधी के चीन पर दिए गए बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए कांग्रेस को शांति और सुरक्षा पर व्याख्यान नहीं देने की सलाह दी है। शुक्रवार को भाजपा प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस कम से कम शांति और सुरक्षा पर हमें व्याख्यान न दे। कांग्रेस की नीति रही है कि पाकिस्तान के साथ शांति वार्ता चलाती रहे और आतंकवाद भी पलता रहे। हमारी नीति है कि शांति वार्ता और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हम चीन के साथ कांग्रेस के रिश्ते और चीन के साथ अपने रिश्ते को साफ करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार आने के बाद 2020 में बीजिंग के एक थिंक टैंक ने कहा कि तियानमेन चौक के बाद चीन अपने सबसे खराब कूटनीतिक अलगाव से गुजर रहा है। यह समझ से परे है कि बार-बार कांग्रेस सांसद राहुल गांधी चीन की बातचीत पर प्यार क्यों बरसाते हैं। डोकलाम के दौरान उन्होंने चीनी राजदूत के साथ जो खाना खाया था, उसका उनके द्वारा खुलासा नहीं किया गया लेकिन चीन द्वारा एक तस्वीर साझा की गई।

ईवीएम व वीवीपैट के प्रथम चरण की जांच को चुनौती वाली याचिका पर सुनवाई से हाई कोर्ट का इनकार

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से 2024 लोकसभा चुनाव के लिए दिल्ली के 11 जिलों में ईवीएम और वीवीपैट के प्रथम चरण की जांच को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है।। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिककर्ता को याचिका में सुधार करके दोबारा याचिका दायर करने की अनुमति दे दी। यह याचिका दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल कुमार ने दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वकील ने कहा कि दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग का आम चुनाव आयोजित कराने में कोई भूमिका नहीं है। ये याचिका जल्दबाजी में राज्य निर्वाचन आयोग के खिलाफ दायर कर दी गई है। तब कोर्ट ने याचिकाकर्ता अनिल कुमार की ओर से पेश वकील सलमान खुर्शीद से कहा कि आप याचिका में देखिए। सारे तथ्य राज्य निर्वाचन आयोग के खिलाफ हैं। बेहतर होगा कि आप याचिका वापस लें और नई याचिका दायर करें। याचिकाकर्ता की ओर से वकील अल्जो के जोसेफ और सुनील कुमार ने कहा था कि दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ने ईवीएम और वीवीपैट के पहले चरण की जांच के पहले राजनीतिक दलों को पर्याप्त नोटिस नहीं दिया गया। आयोग की ओर से राजनीतिक दलों को जारी नोटिस में ईवीएम की विस्तृत जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसे में पहले चरण की जांच का मकसद निष्फल हो जाता है। याचिका में मांग की गई थी कि दिल्ली राज्य निर्वाचन आयोग ईवीएम और वीवीपैट के पहले चरण की जांच दोबारा करे। याचिका में कहा गया था कि राज्य निर्वाचन आयोग ईवीएम और वीवीपैट की जांच से पहले राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पर्याप्त नोटिस जारी करे, ताकि दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी भी इस प्रक्रिया में शामिल हो सके।

जी-20 सम्मेलन में ट्रैफिक पुलिस तैयारियां पूरी, 8-10 सितंबर के बीच आवाजाही रहेगी प्रभावित

नई दिल्ली, 25 अगस्त (हि.स.)। भारत इस बार 18वें जी- 20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। सम्मेलन को लेकर कर हर स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में दिल्ली यातायात पुलिस ने भी अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। यातायात पुलिस का कहना है कि जी20 शिखर सम्मेलन में सुरक्षा के साथ ही जहां-जहां मेहमानों की रुकने की व्यवस्था व आने-जाने का मार्ग है उसकी जिम्मेवारी दिल्ली यातायात पुलिस की है। यातायात पुलिस ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर 8 से 10 सितंबर के बीच विभिन्न मार्गों से होने वाली आवाजाही से संबंधित जानकारी दी।

ट्रैफिक नियम : नई दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में सड़कों व लेन पर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा। दिल्ली के गैर- गंतव्य वाहनों को ईस्टर्न एवं वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे और अन्य वैकल्पिक मार्गों पर अनिवार्य रूप से मोड़ा जाएगा। इन वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं है। भारी माल वाहन, मध्यम माल वाहन और हल्के माल वाहन को भी दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, आवश्यक वस्तुएं जैसे दूध, सब्जियां, फल, चिकित्सा आपूर्ति आदि ले जाने वाले मालवाहक वाहनों को वैध 'नो एन्ट्री परमिशन' के साथ दिल्ली में प्रवेश की अनुमति होगी। अंतर्राज्यीय बसों को भी दिल्ली में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। ऐसी सभी बसों का समापन गंतव्य रिंग रोड पर ही रहेगा। वहीं दिल्ली में पहले से मौजूद बसें, रिंग रोड और रिंग रोड से आगे दिल्ली की सीमाओं की ओर के सड़क नेटवर्क पर संचालित होंगी। इन बसों को दिल्ली से बाहर निकलने की अनुमति होगी। दिल्ली में पहले से मौजूद सभी प्रकार के वाणिज्यिक वाहनों और बसों सहित सामान्य यातायात को रिंग रोड और रिंग रोड से आगे दिल्ली की सीमाओं की ओर के सड़क नेटवर्क पर अनुमति दी जाएगी। टी.एस.आर. (ऑटो) और टैक्सियों को नई दिल्ली जिले के बाहर सड़क नेटवर्क पर चलने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, नई दिल्ली जिले के स्थानीय निवासियों और नई दिल्ली जिले की सीमा के अंदर स्थित होटलों में और वैध बुकिंग वाले पर्यटकों को ले जाने वाली टैक्सियों को नई दिल्ली जिले की सीमा के अंदर के सड़क नेटवर्क पर चलने की अनुमति दी जाएगी। हवाई अड्डे, नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशनों तक यात्रियों की आवाजाही की अनुमति रहेगी। हालांकि, ऐसे यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे सुझाए गए वैकल्पिक मार्गों को ही चुनें और अपनी यात्रा के लिए पर्याप्त समय से चलें। नई दिल्ली जिले में प्रवेश करने वाले यातायात की आवाजाही को नियंत्रित किया जाएगा।

स्थानीय निवासियों और अधिकृत वाहनों को नई दिल्ली जिले भीतर आने-जाने के लिए सुविधा प्रदान की जायगी। नई दिल्ली जिले में होटलों, अस्पतालों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के लिए हाउसकीपिंग, खानपान, अपशिष्ट प्रबंधन आदि से जुड़े वाहनों को सत्यापन के बाद प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही स्थानीय निवासियों, अधिकृत वाहनों और उपरोक्त आवश्यक सेवा प्रदाताओं को अपनी पहचान साबित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज साथ में रखने होंगे। मालवाहक वाहनों और बसों को छोड़कर सामान्य यातायात को रजोकरी सीमा से दिल्ली में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके अलावा, इस यातायात को अनिवार्य रूप से एनएच-48 से राव तुला राम मार्ग ओलोफ पाल्मे मार्ग पर परावर्तित किया जाएगा। एनएच-48 पर धौला कुआं की और किसी भी वाहन की आवाजाही की अनुमति नहीं होगी। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, 7-8 की मध्यरात्रि से 10 को रात 12 बजे तक सभी प्रकार के माल वाहन, वाणिज्यिक वाहन, अंतरराज्यीय बसे और स्थानीय सिटी बसें जैसे दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बसें और दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी मॉडल ट्रांजिट सिस्टम (डी.आई.एम.टी.एस) बसों को मथुरा रोड (आश्रम चौक से आगे) भैरों रोड, पुराना किला रोड और प्रगति मैदान सुरंग के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नई दिल्ली जिले के संपूर्ण क्षेत्र को दिनांक आठ सितबर की सुबह पांच बजे से 10 सितंबर की रात 12 बजे तक "नियंत्रित क्षेत्र- " माना जाएगा। हालांकि, स्थानीय निवासियों, अधिकृत वाहनों और आपातकालीन वाहनों को नई दिल्ली जिले की सड़कों पर यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। रिंग रोड (महात्मा गांधी मार्ग) के अंदर के पूरे क्षेत्र को आठ सितंबर की सुबह पांच बजे से 10 सितंबर की रात 12 बजे तक "विनियमित क्षेत्र" माना जाएगा। केवल स्थानीय निवासियों, अधिकृत वाहनों, आपातकालीन वाहनों और हवाई अड्डे, पुरानी दिल्ली और नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों की ओर जाने वाले यात्रियों के वाहनों को रिंग रोड से आगे नई दिल्ली जिले की तरफ सड़कों पर जाने की अनुमति होगी।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एएआई की कॉफी टेबल बुक जारी की

नई दिल्ली, (हि.स.)। नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विभिन्न टर्मिनल भवनों की पारंपरिक और स्थानीय वास्तुकला पर भारतीय विमान प्राधिकरण

(एएआई) की एक कॉफी टेबल बुक शुक्रवार को जारी की। यह कॉफी टेबल बुक देश के 19 हवाई अड्डों के टर्मिनल के बारे में रूबरू कराती है। इस कॉफी टेबल बुक का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और इसे वैश्विक मानचित्र पर लाने का प्रयास है। ये टर्मिनल इमारतें विरासत की भावना से ओत-प्रोत हैं, जो न केवल यादगार संरचनाएं बनाती हैं बल्कि देश की पहचान की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति भी करती हैं। टर्मिनल की इमारतें केवल भौतिक संस्थाओं के रूप में नहीं बल्कि एक विचार के अवतार के रूप में खड़ी हैं, जो भारत की संस्कृति, परंपरा और कला को दशार्ती हैं। ये टर्मिनल स्थानीय समुदायों के गौरव का प्रतीक और राष्ट्रीय प्रेरणा का स्रोत बनने के लिए तैयार हैं। इस मौके पर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव राजीव बंसल, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के ओएसडी चंचल कुमार, बीसीएएस के महानिदेशक जुल्फिकार हसन, डीजीसीए के विक्रम देव दत्त और एएआई के अध्यक्ष संजीव कुमार मौजूद रहे।

तमिलनाडु सरकार ने निशुल्क नाश्ता योजना को दिया विस्तार, 15.75 लाख प्राथमिक छात्रों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली, (हि.स.)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को चेन्नई में सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए मुफ्त ब्रेकफास्ट योजना को विस्तार दिया है। इस दौरान स्टालिन ने स्कूल के बच्चों को खाना परोसा और उनके साथ बैठकर खाना भी खाया। इस मौके पर उनके साथ उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन भी थे। बच्चों के साथ खाना खाते वक्त स्टालिन ने बच्चों से बातचीत भी की और उनसे उनकी पसंद जानी। उन्होंने बच्चों को अपना परिचय भी दिया। इस योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बच्चों को शिक्षा के साथ पोषक आहार भी उपलब्ध कराना है। इस योजना से राज्य के 15.75 लाख बच्चों को निशुल्क भोजन मिल सकेगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री नाश्ता योजना के पहले चरण में कक्षा एक से पांच तक के 1.14 लाख सरकारी प्राथमिक स्कूली छात्रों को सभी कार्यदिवस पर नाश्ता दिया जा रहा था। योजना के विस्तार के बाद तमिलनाडु के सभी 31,008 सरकारी प्राथमिक स्कूलों में नाश्ता योजना शुरू की गई है।

राकांपा में विभाजन को लेकर राजनीति गरमाई, अब चाचा और भतीजी आमने-सामने

मुंबई, (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में विभाजन को लेकर राजनीति गरमा गई है। एक तरफ राकांपा सांसद सुप्रिया सुले पार्टी में किसी भी विभाजन से इनकार करती हैं, तो अब उनके चाचा शरद पवार ने सुले के बयान का समर्थन करने से इनकार कर दिया है, जिससे महाविकास आघाड़ी में भ्रम बढ़ गया है। राजनीतिक तौर पर देखा जाए तो अब चाचा और भतीजी आमने-सामने हैं। राकांपा सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया था कि उनकी पार्टी में किसी भी तरह का विभाजन नहीं हुआ है, लेकिन अजीत पवार ने पार्टी विरोधी काम किया है। इसकी शिकायत विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष की गई है। इसके बाद राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को पत्रकारों को बताया कि वे सुप्रिया सुले के बयान का वे समर्थन नहीं करते हैं। अजीत पवार और सुप्रिया सुले भाई-बहन हैं, वे उनकी बात को महत्व नहीं देते हैं। उन्होंने अपने बारे में साफ किया कि उनकी भूमिका किसी भी कीमत पर भाजपा को समर्थन देने की नहीं है। दूसरी तरफ, सुप्रिया सुले के बयान के बाद राकांपा की भूमिका को लेकर सवाल खड़ा किया जाने लगा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता संजय राऊत ने कहा कि सुप्रिया सुले का बयान गुमराह करने वाला है। जिस तरह से शिवसेना में विधायकों ने पार्टी नेतृत्व की विचारधारा के विरुद्ध काम किया, ठीक उसी तरह राकांपा से भी विधायक टूटे और पार्टी की विचारधारा के विरुद्ध काम किया है। यह फूट नहीं, तो और क्या है। कोई कुछ भी कहे, जनता इस फूट का मतलब अच्छी तरह जानती है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने भी कहा कि राकांपा में फूट हुई है। इस फूट का मामला चुनाव आयोग के समक्ष चल रहा है। इतना ही नहीं, राकांपा के कई विधायकों पर कार्रवाई करने की मांग विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष की गई है। इसके बाद अगर पार्टी की ओर से कहा जा रहा है कि उनकी पार्टी में फूट नहीं है, तो यह उनकी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि शरद पवार बहुत ही सुलझे हुए नेता हैं। उनका धीरे-धीरे मत परिवर्तन होगा और वे बहुत जल्द भाजपा को समर्थन देंगे।

जी-20: सीडब्ल्यूजी बैठक में मीनाक्षी लेखी भी हुईं शामिल, आज मुख्यमंत्री योगी रहेंगे मौजूद

वाराणसी, (हि.स.)। केंद्रीय संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में चल रही जी-20 के संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की बैठक में शुक्रवार को शामिल हुईं। शनिवार को मंत्री स्तरीय बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। वाराणसी के नदेसर स्थित ताज होटल में गुरुवार से शुरू हुई तीन दिवसीय बैठक में जी-20 के सदस्य देशों, आमंत्रित देशों एवं अंतरराष्ट्रीय संगठनों के 170 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। शुक्रवार को बैठक के एक सत्र को केंद्रीय संस्कृति राज्यमंत्री लेखी ने संबोधित किया। बैठक में सभी प्रतिनिधियों की मौजूदगी में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अफसरों ने मसौदा घोषणा पर मंथन किया। बैठक में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के सचिव एवं जी-20 सीडब्ल्यूजी के अध्यक्ष गोविंद मोहन,

संयुक्त सचिव एवं सीडब्ल्यूजी की सह अध्यक्ष लिली पाण्डेय भी मौजूद हैं। इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपीय संघ, जर्मनी, फ्रांस, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्किये, यूनाइटेड किंगडम और यूएसए के प्रतिनिधि भी मौजूद हैं। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में 4 मुद्दों पर प्रस्ताव तैयार किए जाएंगे। संस्कृति विभागों के प्रतिनिधि प्रस्तावों पर चर्चा करेंगे। इस बैठक में अंतिम दिन शनिवार को 20 देशों के संस्कृति मंत्री के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग सेवा संस्था के पदाधिकारी सम्मानित

बिजनौर, (हि.सं.) जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा आज कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में निःशुल्क रूप से जिले में प्राकृतिक चिकित्सा एवं योगा की सेवा उपलब्ध कराने वाली स्वयंसेवी संस्थाओं इन्टरनेशनल नेचुरोपैथी जेशन एवं योगी अनंत प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र भेंट एवं शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. नरेन्द्र सिंह प्रदेशाध्यक्ष योगी अनंत प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, इन्टरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन पदाधिकारी ओपी शर्मा, उपाध्यक्ष रामनाथ सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। जिलाधिकारी मिश्रा को डॉ. नरेन्द्र सिंह, प्रदेशाध्यक्ष, योगी अनंत प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके द्वारा पूरे जिले में कैम्पों का आयोजन कर जन सामान्य को प्राकृतिक चिकित्सा एवं योगा की सेवा उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि शहर बिजनौर में देवलोक कॉलोनी स्थित शिव मंदिर परिसर में नियमित रूप से प्रति रविवार को कैम्प का आयोजन कर जनसामान्य को निःशुल्क रूप से योगासन एवं प्राकृतिक चिकित्सा के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराई जाती है तथा जनसामान्य को उक्त दोनों पद्धतियों को अपने जीवन में अंगीकार करने के लिए प्रेरित किया जाता है। उन्होंने बताया कि उक्त संस्थानों के अंतर्गत जिला कारागार, बिजनौर, विदुर कुटी एवं गंगा घाटों पर भी कैम्पों का आयोजन कर जन सामान्य को योगासन कराते हुए प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में अपेक्षित जानकारी उपलब्ध कराते हुए दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित भी किया जाता है। जिलाधिकारी मिश्रा ने जनसामान्य को उनके द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया और उन्हें उक्त सेवाएं जारी रखने की अपेक्षा की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विवि निरंतर सक्रिय : प्रो. सीमा सिंह

प्रयागराज/अयोध्या, (हि.स.)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। इसके अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। अब 30 सितम्बर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला में मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कही। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं। कुलपति ने कहा कि मुक्त विवि प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श, अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग आदि सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधाओं का तेजी से विस्तार करके व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने में सफलता प्राप्त की है।

एमआरएमसीएच की दुर्दशा के खिलाफ पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी का धरना

पलामू, (हि.स.)। मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल मेदिनीनगर की दुर्दशा के खिलाफ शुक्रवार की सुबह पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी अस्पताल परिसर में ही धरना पर बैठ गए। उन्होंने अस्पताल की पूरी व्यवस्था पर सवाल उठाया और इसके लिए नीचे से लेकर ऊपर स्तर के कर्मियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि ऊंची-ऊंची बिल्डिंग बना दी गई हैं लेकिन सुविधा और जिम्मेवारी नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।

डॉक्टर, नर्स और चिकित्साकर्मी कोरम पूरा करते हैं। नतीजा मरीज को सुविधा नहीं मिल पाती। मरीज तड़पते रह जाते हैं। ऐसी व्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जिले के चैनपुर प्रखंड के चांदो के 45 वर्षीय भूपेंद्र नाथ सिंह को गुरुवार को हार्ड अटैक आया था। उसे एमआरएमसीएच में भर्ती कराया गया लेकिन मरीज को रेफर कर दिया गया। परिजनों ने जब 108 पर कॉल किया तो एंबुलेंस भी नहीं आई। इससे मरीज की स्थिति बिगड़ने लगी। इसकी जानकारी पूर्व मंत्री केंद्र त्रिपाठी को गुरुवार की रात में हुई। सूचना मिलने के बाद पूर्व मंत्री कांग्रेस कार्यकताओं के साथ अस्पताल पहुंचे और मुख्य गेट पर धरना पर बैठ गए। उन्होंने व्यवस्था में बदलाव की मांग की। मौके पर पहुंचे सिविल सर्जन डॉ अनिल सिंह, अस्पताल अधीक्षक डॉ आरके रंजन ने पूर्व मंत्री को भरोसा दिलाया कि लापरवाह डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद त्रिपाठी ने धरना खत्म किया।

लालू यादव को जानबूझकर केंद्र सरकार कर रही तंग : नीतीश

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को कहा कि लालू यादव ही नहीं विपक्ष में बैठे तमाम नेताओं को केंद्र सरकार तंग कर रही है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के लिए आज का दिन काफी अहम होने वाला है। क्योंकि, आज चारा घोटाला मामले में उनकी जमानत पर फैसला होना है। सुप्रीम कोर्ट में लालू के जवाबी हलफनामे पर आज सुनवाई होगी। इसी को लेकर जब बिहार के सीएम नीतीश कुमार से सवाल किया गया तो उन्होंने दो टूक अंदाज में इसके लिए केंद्र सरकार को गलत ठहराया। नीतीश ने कहा कि बेचारे को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। सभी लोग जानते है की लालू को परेशान किया जा रहा है। आप देखते नहीं है, जो सेंट्रल में आजकल है, वो सबको तंग ही न कर रहा है। नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों के अगली गठबंधन को लेकर कहा कि 31 अगस्त को हम सभी विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होने मुंबई जाएंगे। यह बैठक एक सितंबर को होनी है। इसमें हम जरूर शामिल होंगे। रही बात राज्यों में अलग-अलग

संयोजक बनने की तो इसको लेकर जो फैसला होगा सभी को बताया जाएगा। बिहार में हो रही जाति आधारित गणना को लेकर सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि हम सबका जाति आधारित गणना पूरे देश में रोल मॉडल बनेगा। अब तो आप देख ही रहे हैं बिहार को देख कर कई राज्यों में जातीय गणना करवाने की मांग उठाई जा रही है। रही बात आकड़ों को सार्वजनिक करने की तो इसपर मीटिंग किया जाएगा। इसके बाद आकड़े को सार्वजनिक किया जाएगा। हालांकि, कुछ लोगों ने जाति आधारित गणना में रोड़े अटकाने का काम किया है। यह बातें सभी को मालूम हैं और आजकल केंद्र वाले क्या कर रहे हैं ये भी सभी को पता है। बिहार लोक सेवा आयोग के तरफ से आयोजित टीचर बहाली परीक्षा को लेकर सीएम ने कहा कि अच्छे तरीके से परीक्षा का आयोजन हो रहा है। इसके जरिए बड़े पैमाने पर बहाली होगी, जिसका सभी को फायदा मिलेगा। सीएम ने राजभवन और सरकार के बीच टकराव पर साफ किया कि किसी तरह का कोई टकराव नहीं है। सीएम ने कहा कि हमने खुद जाकर मुलाकात की है। कहीं कोई कोई अड़चन नहीं है।

जनसहयोग से ही सफल होगी सेफ सिटी परियोजना : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'सेफ सिटी परियोजना' की सफलता में जनसहयोग का आह्वान किया है। शुक्रवार को 'सेफ सिटी परियोजना' के प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, चौक-चौराहों, सरकारी व निजी अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों में अनिवार्य रूप से सीसीटीवी लगाए जाएं। आम जन, व्यापारियों, संस्थान संचालकों को जागरूक कर उन्हें क्राइम कंट्रोल में सीसीटीवी के महत्व को बताया जाए और सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए प्रेरित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग अपनी सुविधानुसार अपने सीसीटीवी फुटेज का डेटा अपने पास ही सुरक्षित रख सकते हैं, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि आवश्यकता पड़ने पर फुटेज केवल पुलिस को ही उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, जहां आवश्यकता हो, वहां नगर निगम, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अथवा स्थानीय प्रशासन व पुलिस द्वारा सीसीटीवी लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अगले 01 सप्ताह के भीतर सभी पुलिस थानों को सीसीटीवी से लैस करने के निर्देश भी दिए हैं। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन सुनिश्चित करने के संकल्प की पूर्ति में "सेफ सिटी

परियोजना" अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। प्रदेश में इस परियोजना के माध्यम से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मॉडर्न कंट्रोल रूम, पिंक पुलिस बूथ, आशा ज्योति केंद्र, सीसीटीवी कैमरे, महिला थानों में परामर्शदाताओं के लिए हेल्प डेस्क, बसों में पैनिक बटन व अन्य सुरक्षा उपायों को लागू करने में सहायता मिली है। अब हमें इसे और विस्तार देना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतर्विभागीय समन्वय के साथ कन्वर्जेंस के माध्यम से वित्तीय प्रबंधन करते हुए प्रथम चरण में सभी 17 नगर निगमों और गौतमबुद्ध नगर को 'सेफ सिटी' के रूप में विकसित किया जाना है। जबकि दूसरे चरण में 57 जनपद मुख्यालयों की नगर पालिकाओं और फिर तीसरे चरण में 143 नगर पालिकाओं को सेफ सिटी परियोजना से जोड़ा जाए। ऐसे सभी नगरों के प्रवेश द्वार पर 'सेफ सिटी' का बोर्ड लगा कर इसकी विशिष्ट ब्रांडिंग भी की जानी चाहिए। इस प्रकार, उत्तर प्रदेश सर्वाधिक सेफ सिटी वाला देश पहला राज्य हो सकेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सेफ सिटी परियोजना महिलाओं की सुरक्षा पर केंद्रित है। हमें इसे विस्तार देते हुए बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांग जनों की सुरक्षा से भी जोड़ना चाहिए। सेफ सिटी के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों व दिव्यांग जनों के लिए एक सुरक्षित, संरक्षित एवं सशक्त वातावरण बनाने की मुहिम को आवश्यक तेजी मिलेगी। बैठक में विभिन्न संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव गणों ने सेफ सिटी परियोजना को लेकर अब तक की प्रगति की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि अब तक आगरा, अलीगढ़, बरेली, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर व वाराणसी स्मार्ट सिटी में पुलिस ने 9396 स्थानों को सीसीटीवी लगाए जाने के लिए चिन्हित किया है, इसमें से अब तक 3489 जगहों पर कैमरे लगाए जा चुके हैं। अयोध्या, गोरखपुर, फिरोजाबाद, मथुरा-वृंदावन, शाहजहांपुर, मेरठ और गाजियाबाद में चिन्हित 7600 से अधिक जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हैं। इसके लिए एजेंसी चयन की प्रक्रिया चल रही है। बैठक में मुख्यमंत्री ने 'यूपी सेफ सिटी एप' के बारे में एक प्रस्तुतिकरण भी देखा और इसे व्यावहारिक बनाए जाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक माह में एक बार जनपद स्तर पर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों व दिव्यांगजन के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करें। उनकी समस्याएं सुनें, यथोचित समाधान करें। सफल महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांगजन की पहचान कर उन्हें रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत करें। यह प्रयास अन्य लोगों के लिए प्रेरक होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेफ सिटी की परिकल्पना को साकार करने के लिए सार्वजनिक परिवहन वाले वाहन के चालकों का सत्यापन आवश्यक है। ऐसे में, टैक्सी, ई-रिक्शा, ऑटो, टेम्पो आदि वाहन के चालकों का विधिवत पुलिस वेरिफिकेशन किया जाए।

वर्तमान सत्र 2023-24 में भी नहीं बढ़ेगी निजी आईटीआई की फीस : कपिल देव अग्रवाल

लखनऊ, (हि.स.)। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को बताया कि अभिभावकों एवं युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2023-24 में भी निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में फीस वृद्धि नहीं किये जाने का निर्णय किया है। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों से अधिकांश अभिभावकों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो जाने के कारण हो रही परेशानियां के दृष्टिगत वर्ष 2018 के लिए निर्धारित निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के लिए मानक शुल्क को यथास्थिति रखा गया था। वर्तमान सत्र में भी वर्ष 2018 मे निर्धारित निजी आईटीआई की फीस को ही जारी रखने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि इस सम्बन्ध में विशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग अभिषेक सिंह की ओर से आवश्यक शासनादेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने शासनादेश में निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन उप्र लखनऊ को आगामी सत्र 2024-25 के लिए फीस नियतन का प्रस्ताव ससमय माह अप्रैल, 2024 तक उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए हैं।

सेवानिवृत्त अधिकारी रवि शंकर पर होगी विभागीय कार्रवाई

रांची, (हि.स.)। झारखंड प्रशासनिक सेवा (झाप्रसे) से सेवानिवृत अधिकारी रवि शंकर पर पेंशन नियमावली के तहत विभागीय कार्रवाई होगी। उनके ऊपर संयुक्त सचिव जलसंसाधन विभाग सह आंतरिक वित्तीय सलाहकार के पद पर रहते हुए गंभीर आरोप लगे थे। गुमला जिला अंतर्गत कतरी जलाशय योजना के जीर्णोद्धार कार्य से संबंधित निविदा निस्तारण, कार्य आवंटन में अनियमितता बरतने संबंधी आरोप है। पूरे मामले पर जलसंसाधन विभाग ने 10 जून, 2019 को प्रपत्र-क गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। प्रथम दृष्टया जांच में आरोप प्रमाणित पाये गये। राज्य सरकार ने अब उनके ऊपर विभागीय कार्रवाई चलाने का निर्णय लिया है। जांच संचालन पदाधिकारी रिटायर आईएएस अधिकारी रमाकांत सिंह को बनाया गया है। इस संबंध में शुक्रवार को कार्मिक विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

मुख्य पार्षद पर अचल संपत्ति-मुकदमा छुपाने का लगा आरोप

किशनगंज, (हि.स.)। जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत नगर पंचायत ठाकुरगंज के अध्यक्ष द्वारा अचल संपत्ति और आपराधिक मामला छुपाने पर जिला प्रशासन द्वारा नगर अध्यक्ष कृष्णा सिंह (सिकंदर पटेल) मुख्य पार्षद नगर पंचायत ठाकुरगंज को नोटिस दिया गया है। लिखित नोटिस के अनुसार आलोक कुमार पिता नवीन यादव सा०-कृष्णापुरी वार्ड नंबर 12 नगर पंचायत ठाकुरगंज द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग बिहार पटना में परिवाद पत्र दाखिल किया गया है कि आपके द्वारा अपने नाम निर्देशन प्रपत्र में अचल संपत्ति, मुकदमा और अन्य अनिवार्य तत्वों की जानकारी छुपाई गई है। परिवाद पत्र की प्रति भेजते हुए परिवाद पत्र के कंडिकाओं का कंडिकावार अपना पक्ष लिखित रूप में रखने हेतु 28 अगस्त को पूर्वाह्न 11 बजे उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध मे सिकंदर पटेल द्वारा सोशल मीडिया मे एक पोस्ट किया गया है कि यह आरोप किसने लगाए हैं, एक हारे हुए उम्मीदवार बेबी देवी के पुत्र आलोक यादव ने। जिन्होंने निर्वाचन आयोग को इस संबंध में अपनी शिकायत भेजी थी। उन्होंने अपनी अपुष्ट जानकारी के हिसाब से शिकायत की। जमीन और पेट्रोल पंप छिपाने के साथ ही एक आपराधिक मुकदमा भी छिपाने का

आरोप लगाया गया है मुझ पर। लेकिन इसे इस तरह से प्रस्तुत किया जा रहा है जैसे चुनाव आयोग ने इसे सही पाकर डीएम को जांच रिपोर्ट भेजने को कहा है। और वे इसमें देर कर रहें हैं और जैसे मेरी सदस्यता बस रद्द होने ही वाली है। जबकि आज प्राप्त पत्र के अनुसार लगाए गए आरोपों पर मुझे अपना पक्ष चुनाव आयोग के पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करना है। लगाए गए आरोप कितना सही और कितना गलत हैं, मुझे मालूम हैं। और इस संबंध में मैं अपने तथ्य और आरोपों के विरुद्ध साक्ष्य सक्षम पदाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर दूंगा। मुख्य पार्षद ने कहा कि वास्तव में खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं।

अखिलेश ट्वीट वाले नेता और सपा गुंडों को संरक्षण देने वाली पार्टी : ब्रजेश पाठक

झांसी, (हि.स.)। नगर निगम सभासदों के प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में बतौर मुख्य वक्ता पहुंचे प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को पत्रकारवार्ता की। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव के पास अब ट्वीट के अलावा कुछ नहीं बचा। सपा माफिया, गुंडों को संरक्षण देने वाली पार्टी है, इसीलिए चुनावों में जनता ने उन्हें नकार दिया है। अब सपा पार्टी रसातल में जा रही है। विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियाह्न पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलने वाली पार्टी है। जबकि कांग्रेस, सपा, शिवसेना, राजद, नेशनल कांग्रेस आदि पार्टियों में एक ही परिवार हावी रहता

है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे भी खुद फैसला नहीं ले सकते, उन्हें नकली गांधी परिवार से पूछना पड़ता है। वहीं एक विवाह घर में आयोजित दो दिवसीय सभासदों के प्रशिक्षण वर्ग में झांसी व कानपुर के भाजपा सभासदों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पार्षद जनता की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जन-जन को अपनी विचारधारा से जोड़ने में उनकी अहम भूमिका है। सरकार की योजनाओं व पार्टी की नीतियों का प्रसार पार्षद ही बेहतर ढंग से कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल लोकसभा चुनाव के लिए गोटियां सेट करने में लगे हैं, जबकि भाजपा के कार्यकर्ता जनता की सेवा कर रहे हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम में सांसद अनुराग शर्मा, महापौर बिहारी लाल आर्य,क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा सहित अन्य भाजपा मौजूद रहे।

रांची में डाक विभाग ने अब तक रक्षा बंधन स्पेशल छह हजार लिफाफे बेचे

रांची, (हि.स.)। रक्षा बंधन पर्व के मद्देनजर डाक विभाग ने राखी को सुरक्षित पहुंचाने के लिए विशेष लिफाफा बनाई है। झारखंड में भी डाक विभाग के कार्यालयों में विशेष लिफाफे की बिक्री हो रही है। पोस्ट ऑफिस में यह रक्षा बंधन स्पेशल लिफाफा दस रुपये में मिल रहा है। यह लिफाफा वाटरप्रूफ भी है। साथ ही डाक विभाग ने पोस्ट ऑफिस के कर्मचारियों को यह आदेश भी दिया इस विशेष लिफाफे को विशेष तवज्जो दी जाए। इस संबंध में डोरंडा पोस्ट ऑफिस के पोस्ट मास्टर अरुण कुमार सिंह ने बताया कि अब तक सिर्फ डोरंडा सर्कल से 1500 स्पेशल लिफाफे बेचे गए हैं। डाक विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारी डिप्टी सुप्रीटेंडेंट ऑफ पोस्ट ऑफिस राजीव रंजन के मुताबिक पूरे रांची में लगभग छह हजार रक्षा बंधन के लिए बनाए गए स्पेशल लिफाफे अब तक बिक चुके हैं। राज्य में 25 से 30 हजार लिफाफे बेचने का लक्ष्य है जो करीब पूरा हो चुका है। डाक पदाधिकारियों ने बताया कि सभी डाकघरों में राज्य के अंदर

जाने वाली पोस्टकार्ड के लिए अलग से बास्केट बनाया गया है जबकि राज्य के बाहर जाने वाले लिफाफे के लिए अलग से बास्केट बनाए गए हैं। यह व्यवस्था इसलिए की गई है ताकि राखी वाले पोस्टल आर्डर को तुरंत ही शॉट आउट कर संबंधित स्थान पर भेजने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। रांची जीपीओ के वरीय डाकपाल एस गराईं बताते हैं कि रक्षा बंधन के मौके पर जो विशेष लिफाफे से राखी भेज रहे हैं और जो साधारण पोस्टल जैसे स्पीड पोस्ट या रजिस्ट्री के माध्यम राखी भेज रहे हैं, उन सभी लोगों के लिए डाक विभाग की तरफ से काउंटर साधारण दिनों की तुलना में ज्यादा समय तक खोले जा रहे हैं। अमूमन डाक विभाग का काउंटर शाम चार बजे तक लोगों के लिए खुला रहता था लेकिन रक्षा बंधन को देखते हुए विभाग ने काउंटर खोलने के समय में एक्सटेंशन कर दिया जो कि देर शाम आठ बजे तक खुली रह रही है। भाइयों को राखी भेजने पोस्ट ऑफिस पहुंची महिलाओं ने भी सरकार के इस व्यवस्था की प्रशंसा की।

मेमू ट्रेन के पहिए से अचानक निकलने लगी चिंगारी, तत्परता से टला हादसा

बेगूसराय, (हि.स.)। बरौनी-कटिहार रेलखंड के तिलरथ स्टेशन के समीप शुक्रवार को चालक एवं गार्ड की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। घटना तिलरथ-जमालपुर मेमू स्पेशल ट्रेन की है। अचानक ही ट्रेन के चक्का से चिंगारी निकलने से ट्रेन पर सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि सुबह करीब सात बजकर 10 मिनट पर तिलरथ-जमालपुर मेमू स्पेशल ट्रेन तिलरथ स्टेशन से खुली। ट्रेन के खुलते ही गार्ड बॉगी और ट्रेन के पिछले इंजन के दो पहिए से तेज चिंगारी निकलने लगी। इसका आभास होते ही ट्रेन तिलरथ पूर्वी रेलवे गुमटी के समीप ही रोक दी गई। इसके बाद चालक दल एवं गार्ड द्वारा विभाग एवं स्थानीय स्टेशन मास्टर को सूचना दिया गया है। इसके बाद चालक एवं स्टेशन से आए कर्मियों ने काफी कोशिश के बाद स्थिति को सामान्य कर ट्रेन को आगे से लिए रवाना किया। इस दौरान

लगातार चिंगारी निकलने से रेल पटरी पर गड्ढे का गहरा निशान बन गया, जिसे बाद में ठीक कर दिया गया है। तिलरथ मालगोदाम के समीप ट्रेन के काफी देर खराब रहने से उसे पर सवार बीपीएससी की शिक्षक भर्ती परीक्षा देने मुंगेर जाने वाले परीक्षार्थियों में अफरातफरी मची रही। वहीं, रेलवे गुमटी पर लम्बे समय तक बंद रहने से राहगीरों में खासकर रिफाइनरी, हर्ल, एनटीपीसी सहित जगहों के कामगारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस संबंध में मौके पर पहुंचे रेल कर्मियों ने कुछ विशेष बातें कहने से बचते रहे। स्थानीय रेल कर्मचारियों ने सिर्फ इतना बताया कि ब्रेक ब्लॉक हो गया था। जिसके कारण गाड़ी रिलीज कर रहा था। चालक एवं गार्ड की तत्परता से गाड़ी तुरंत रोक दी गई। सब कुछ सामान्य कर ट्रेन गंतव्य के लिए रवाना किया गया है।

संपादकीय

चांद पर 'प्रथम' भारत

वाह! कितने खूबसूरत और ऐतिहासिक लम्हे हैं ये!! अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अनूठी, अप्रत्याशित और अविस्मरणीय उपलब्धि है कि भारत चांद पर पहुंच चुका है। अपने ही अनुसंधान और प्रयोगों के बल पर आज भारत चांद के उस हिस्से पर मौजूद है, जहां कोई भी देश पहुंच नहीं सका। 'चंद्रयान-3' बेहद सफल मिशन रहा है, क्योंकि उसके 'विक्रम लैंडर' ने चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर सफल लैंडिंग की है और अब 'प्रज्ञान रोवर' भी बाहर आकर, चांद के आंगन में ही, घुमक्कड़ी कर रहा है। भारत और इसरो ने ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है, क्योंकि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला प्रथम मिशन 'भारतीय' है। आज अमरीका, रूस, चीन और यूरोपीय देशों की आंखें फैल गई होंगी, क्योंकि भारत के ऐसे सामथ्र्य की कल्पना तक उन्होंने नहीं की थी। वे हमारी वैज्ञानिकता और मिशनों का उपहास उड़ाया करते थे। सिर्फ तीन दिन पहले ही रूस का 'लूना-25' मिशन दक्षिणी ध्रुव पर उतरने में नाकाम रहा और वह विनष्ट हो गया। अंतरिक्ष और चांद को खंगालने में सोवियत संघ (रूस) के मिशन सर्वप्रथम और अतुलनीय रहे हैं, लेकिन आज वह भी भारत से पिछड़ गया। भारत और इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों ने वह उपलब्धि हासिल की है, जो अनन्य है। आज चांद तो क्या, आसमान भी हमारे लिए आंगन महसूस हो रहा है। वह असीम और अनंत नहीं रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही टिप्पणी की है कि अब चंदा मामा दूर के नहीं रहे, बल्कि वह टूर के हो गए हैं। यानी ऐसे दिन भी आने वाले हैं, जब लोगों के टूर चांद पर जाया करेंगे! इस चंद्रविजय के बाद कहानियों के तमाम पुराने मिथक और कथानक बदल जाएंगे। नए भारत की नई पीढ़ी नई कहावतें पढ़ेगी। हम चांद को सपनों, कल्पनाओं और रूपक-उपमाओं में ही जीते थे अथवा मां थाली में पानी डाल कर, उसमें चांद की परछाईं दिखा कर, हमें दुलारती थी कि चंदा मामा यहां हैं। वाकई मानवीय प्रयोग, वैज्ञानिक अनुसंधान और इंजीनियरिंग के कौशल ने साबित कर दिया है कि आज भारत चांद पर है। चांद की सतह पर हमारा 'अशोक चक्र' और इसरो का प्रतीक चिह्न छाप दिया गया है। ये भारत की ऐतिहासिक विजय के साक्ष्य हैं। बधाइयों और शुभकामनाओं के अंबार लगे हैं। अब नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसियों ने भारत के इसरो के साथ काम करने, मिशन भेजने की इच्छाएं व्यक्त की हैं, पेशकश दी हैं, यकीनन हम विचार करेंगे। शाबाश!! इसरो के वैज्ञानिको! कर्मचारियो!! आपने संकल्प जमीन पर लिया और चांद पर उसे साकार किया। प्रधानमंत्री ने भी चंद्रविजय पर ऐसे ही भाव व्यक्त किए हैं। वह 26 अगस्त को बेंगलुरु जाकर इसरो के दफ्तर में सभी विजेताओं से रूबरू होंगे। बहरहाल हमने टीवी पर लैंडर की लैंडिंग का सीधा प्रसारण देखा था। लैंडर ने 20 फीसदी, फिर आधा सफर, फिर 50 फीसदी और उसके बाद 80 फीसदी यात्रा सफलता से तय की, तो धडक़नें तेज होने लगीं। लैंडर और चांद की सतह के बीच की दूरी सिमटने लगी, तो आंखें पनिया गईं। अचानक तालियां की गूंज सुनाई दी, 'जय हो' के उद्घोष गूंजने लगे, तो खुशी से उछल पड़े। देश की प्रतिक्रिया भी यही होगी, क्योंकि एक असंभव-सा लक्ष्य हासिल कर लिया गया था। यह ऐतिहासिक, वैज्ञानिक उपलब्धि यहीं तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अंतरिक्ष के आयाम बदलेंगे। दुनिया को एक निश्चित रास्ता मिलेगा कि चांद कहां और कैसा है? वहां तक पहुंचना कैसे संभव है? दरअसल हमारा सुझाव है कि 15 अगस्त और 26 जनवरी की तरह 23 अगस्त को भी 'राष्ट्रीय दिवस एवं पर्व' घोषित किया जाए, क्योंकि यह मिशन भी भारत की संप्रभुता और स्वतंत्रता का प्रतीक है। चांद पर हीलियम-3 ज्यादा मात्रा में उपलब्ध है। परमाणु कार्यक्रम के लिए यह अहम माना जाता है। यह ऊर्जा का स्वच्छ स्रोत भी है। चांद की चट्टानों पर सल्फर मिलने के संकेत हैं। मूल्यवान धातु प्लेटिनम, प्लाडियम, मैगनीशियम और सिलिकॉन भी प्रचुर मात्रा में बताई जा रही हैं। अब लैंडर और रोवर चांद की स्थितियों का अध्ययन करेंगे। वहां की भूकंपीय हलचलों और तापमान का भी अध्ययन किया जाएगा और वे तमाम सूचनाएं इसरो तक पहुंचाई जाएंगी। चांद पर पानी के अन्य स्रोत भी पता चलेंगे और अंततः वहां इनसानी जिंदगी की संभावनाओं के भी आयाम खुलेंगे। बहरहाल यह तो शुरुआत भर है। अभी तो इसरो को सूर्य और शुक्र पर भी जाना है। आशा की जानी चाहिए कि भारत सूर्य और शुक्र पर भी तिरंगा फहराएगा।

भारत और इसरो ने ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है, क्योंकि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला प्रथम मिशन 'भारतीय' है। आज अमरीका, रूस, चीन और यूरोपीय देशों की आंखें फैल गई होंगी, क्योंकि भारत के ऐसे सामथ्र्य की कल्पना तक उन्होंने नहीं की थी। वे हमारी वैज्ञानिकता और मिशनों का उपहास उड़ाया करते थे। सिर्फ तीन दिन पहले ही रूस का 'लूना-25' मिशन दक्षिणी ध्रुव पर उतरने में नाकाम रहा और वह विनष्ट हो गया। अंतरिक्ष और चांद को खंगालने में सोवियत संघ (रूस) के मिशन सर्वप्रथम और अतुलनीय रहे हैं, लेकिन आज वह भी भारत से पिछड़ गया। भारत और इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों ने वह उपलब्धि हासिल की है, जो अनन्य है। आज चांद तो क्या, आसमान भी हमारे लिए आंगन महसूस हो रहा है। वह असीम और अनंत नहीं रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही टिप्पणी की है कि अब चंदा मामा दूर के नहीं रहे, बल्कि वह टूर के हो गए हैं। यानी ऐसे दिन भी आने वाले हैं, जब लोगों के टूर चांद पर जाया करेंगे! इस चंद्रविजय के बाद कहानियों के तमाम पुराने मिथक और कथानक बदल जाएंगे। नए भारत की नई पीढ़ी नई कहावतें पढ़ेगी।

कुछ अलग

विश्व विजेता भारत

धरती से चांद के सपने मानव सभ्यता के संदर्भों को भरते रहे हैं, लेकिन विज्ञान के कदमों ने सारी दूरियां व कल्पनाएं मिटा दीं। चंदा मामा न तो दूर के रहे और न ही किसी और के रहे, बल्कि भारत के समीप आज एक ऐसा चांद है, जो विज्ञान की अभिलाषा, महत्त्वाकांक्षा और चेतना को सराबोर कर देता है। एक बड़े अभियान की परिकल्पना, छोटे-छोटे कदम और कुछ ठोकरें भी रहीं, लेकिन 23 अगस्त सायं 6 बजकर चार मिनट पर भारत के तिरंगे ने देश की सीमा और संभावना को विश्व बिरादरी की असीम आशाओं से भर दिया। चांद पर चौथे देश की उपस्थिति में भारत का सिक्का दक्षिण धुरव में अलग से अलंकृत है, क्योंकि यहां हमारे निशान केवल हमारे ही कारण हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की उपलब्धि ने देश की वैश्विक गणना और प्रमाणिकता को अंगीकार करते हुए हमें ऐसा तमगा पहनाया है, जो हमें इस वजह से विकसित देशों की पांत में आगे कर देता है। आज जहां हम हैं, वहां कोई यूरोपीय देश या जापान व कोरिया तक नहीं हैं। चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने जिस खूबसूरती, जिस स्पष्टता, जिस शुद्धता, जिस विश्वास और जिस कर्मठता से दक्षिण धुरव की दुरुहता पर कब्जा किया है, उसके कारण भारत के वैज्ञानिक आज पुनः विश्व विजेता की तरह अंगीकार हुए हैं। यूं तो भारतीय वैज्ञानिक इसरो के साथ-साथ नासा के तमाम अभियानों में भी अहम किरदार में रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज के साथ चंद्र पथ पर उनका मुकाम अब भविष्य की साइंस को आश्वस्त कर रहा है। यहां विज्ञान की विजय में भारत का डंका बज रहा है, इसलिए इसे किसी सियासत का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं। हमने 1962 में जब इसरो की स्थापना की थी, तो देश की कंगाली में ऐसी प्राथमिकता चुन लेना तब एक वर्ग को पागलपन जैसा ही लगा था, लेकिन जब 1975 में पहला राकेट 'आर्यभट्ट' लांच किया, तो हम अपने इर्द-गिर्द से बाहर ब्रह्मांड को जीतने निकल चुके थे। हमें अंतरिक्ष प्रोग्राम किसी की खैरात से नहीं मिला, बल्कि चांद पर उतरा लैंडर विक्रम लोहा मनवा रहा है कि भारत ने अपने दम, हुनर और क्षमता से विज्ञान का सर्वश्रेष्ठ सृजित किया है। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय विज्ञान जगत मान चुका है कि हमारा चंद्रयान-3, रूस से दस गुना बेहतर तकनीक पर आधारित है और अमरीका से पंद्रह गुना सस्ता विश्वसनीय हस्तक्षेप है। निश्चित रूप से अब अंतरिक्ष विज्ञान के आगामी हर पथ पर भारत की भूमिका, एक विकासशील और वैज्ञानिक देश के रूप में होगी। भले ही हम पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और आगे चल कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे, लेकिन प्रति व्यक्ति आय में हम इसी तरह शक्तिमान हो जाएं तो आने वाली सदियां पूरी तरह हम ही लिखेंगे। बहरहाल चंद्रयान-3 की सफलता ने भारतीय विज्ञान की चेतना और महत्त्वकांक्षा को मीलों आगे पहुंचा दिया है और अगर युवाओं की क्षमता देश पहचान पाया, तो सारी करवटें विश्व की संभावनाओं को हमारे नजदीक ले आएंगी, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वर्तमान में हर साल दो से ढाई लाख पढ़े लिखे मेहनती, ईमानदार तथा बुद्धिमानी युवा बाहर पलायन कर रहे हैं। जिस राष्ट्रीय भावना का उद्घोष 1984 में चांद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा ने, 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तान हमारा' कह कर किया था, आज पुनः राष्ट्रीय भावना का वैसा ही उफान चांद से मुलाकात कर रहा है।

उत्तर प्रदेश के निवेशक छा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में डीमैट अकाउंट का आंकड़ा करीब 12 करोड़ हो चुका है

उत्तर प्रदेश की बदल रही है तसवीर...लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी

उमेश चतुर्वेदी

इसे बिडंबना नहीं तो क्या कहेंगे कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गंगा-यमुना और घाघरा जैसी सदानीरा नदियों का उपजाऊ मैदानों के बावजूद उत्तर प्रदेश की ख्याति बीमारू यानी रोगी राज्य के रूप में रही। उत्तर प्रदेश राजनीतिक रूप से बेहद सचेत लोगों का भी राज्य रहा है। माना जाता है कि जिस इलाके की जनता राजनीतिक रूप से ज्यादा सचेत होती है, वहां विकास की धारा बहती रहती है। माना तो यह भी जाता है कि प्रभावी राजनीति जिस इलाके का प्रतिनिधित्व करती है, उस इलाके में विकास की गति अपने आप तेज हो जाती है। उत्तर प्रदेश प्रभावी राजनीति का भी केंद्र रहा है। देश को उसने आठ प्रधानमंत्री दिए, जिनमें से छह की जन्मभूमि भी उत्तर प्रदेश की माटी रही है, इसके बावजूद उत्तर प्रदेश अपनी अराजक संस्कृति और भ्रष्टाचारी शासन व्यवस्था के लिए ज्यादा जाना जाता रहा है। लेकिन अब इसी उत्तर प्रदेश की छवि बदलने लगी है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच को दिया जा सकता है। जिसकी वजह से ना सिर्फ यहां के अराजक माहौल में बदलाव आने लगा है, बल्कि इस राज्य को अब उद्योग और कारोबार के लिए मुफीद माना जाने लगा है। अस्सी के दशक में जब उत्तर प्रदेश के ही संसदीय नुमाइंदे राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तब अर्थशास्त्री आशीष बोस ने बीमारू राज्य की परिकल्पना पेश की थी। बीमार यानी रूग्ण से प्रेरित यह बीमारू शब्द बुनियादी रूप से चार राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहा था। इन्हीं में से तीन राज्य अलग होकर अब सात राज्य हो गए हैं। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ और झारखंड के अपने मूल राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और बिहार से अलग होने के बावजूद जितनी तेज तरक्की की उम्मीद की जा रही थी, वैसी नजर नहीं आ रही है। लेकिन उत्तर प्रदेश इनमें से अलग राह पर चलता दिख रहा है। निश्चित तौर पर इसके लिए योगी आदित्यनाथ की कड़क और कुशल शासन व्यवस्था को श्रेय दिया जा सकता है। किसी भी राज्य में कारोबार और उद्योग कब पनपता है, जब वहां की कानून-व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त होती है, वहां बुनियादी ढांचा मसलन सड़क, बिजली और पानी की सहूलियत होती है। इसके साथ ही मेडिकल यानी चिकित्सा सुविधा भी बेहतर होनी चाहिए। कुछ साल पहले तक उत्तर प्रदेश में बिजली छोड़ सारे संसाधन थे, लेकिन कानून-व्यवस्था बेहद लचर थी। अराजक व्यक्तियों और समूहों के इशारे पर ही जैसे राज्य की कानून-व्यवस्था चलती थी। राजनीति एक तरह से उनकी पिछलग्गू थी। बिजली राज्य की राजधानी लखनऊ और कुछ-एक वीआईपी माने जाने वाले शहरों में ही होती थी। बाकी

देश को उसने आठ प्रधानमंत्री दिए, जिनमें से छह की जन्मभूमि भी उत्तर प्रदेश की माटी रही है, इसके बावजूद उत्तर प्रदेश अपनी अराजक संस्कृति और भ्रष्टाचारी शासन व्यवस्था के लिए ज्यादा जाना जाता रहा है। लेकिन अब इसी उत्तर प्रदेश की छवि बदलने लगी है। इसका श्रेय निश्चित तौर पर मौजूदा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच को दिया जा सकता है। जिसकी वजह से ना सिर्फ यहां के अराजक माहौल में बदलाव आने लगा है, बल्कि इस राज्य को अब उद्योग और कारोबार के लिए मुफीद माना जाने लगा है। अस्सी के दशक में जब उत्तर प्रदेश के ही संसदीय नुमाइंदे राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तब अर्थशास्त्री आशीष बोस ने बीमारू राज्य की परिकल्पना पेश की थी।

समूचा राज्य बिजली की आंख-मिचौनी देखता था। सरकारी दफ्तरों में बाबुओं की मनमानी चलती थी। लेकिन साल 2017 में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले कानून-व्यवस्था की हालत की तरफ ध्यान दिया। ऐसा नहीं कि योगी के प्रयासों से कानून- व्यवस्था के मामले में उत्तर प्रदेश स्वर्ग बन गया है। लेकिन यह भी सच है कि कानून का भय अब अराजक समूहों में आया है। सड़कें दुरुस्त हुईं हैं। हालांकि छोटे इलाकों और गांवों को जोड़ने वाली सड़कों पर अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बिजली की हालत भी ठीक हुई है। अब समूचे प्रदेश में बिजली है। इसका असर जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। अब शेयर बाजार में उत्तर प्रदेश के निवेशक छा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में डीमैट अकाउंट का आंकड़ा करीब 12 करोड़ हो चुका है। 23 करोड़ की जनसंख्या वाले राज्य में 12 करोड़ खातों के जरिए शेयर बाजारों में दस्तक देना मामूली बदलाव नहीं है। बीते अप्रैल तक के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में इक्विटी ट्रेंड की वजह से 1.26 लाख नए निवेश जुड़े हैं। दिलचस्प यह है कि यह आंकड़ा शेयर कारोबारियों की राजधानी मुंबई वाले महाराष्ट्र राज्य के मुकाबले ज्यादा हो चुका है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो बीते अप्रैल में महाराष्ट्र में जहां 1.18 लाख नए निवेशक ही जुड़े, वहीं उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा करीब 1.26 लाख रहा। राज्य के बदलते बुनियादी ढांचे और बेहतर होती कानून-व्यवस्था का ही असर कहा जाएगा कि बीती फरवरी में हुए निवेशक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश को 36 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। कभी इलाहाबाद, आगरा, काशी हिंदू विश्वविद्यालय समेत राज्य के तमाम विश्वविद्यालय अराजकता के पर्याय माने जाते थे। हालांकि इनका गौरवशाली अतीत रहा है। भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में इन विश्वविद्यालयों का सार्थक हस्तक्षेप रहा है। लेकिन राजनीतिक संस्कृति बदलने से बाद के दिनों में उत्तर प्रदेश शैक्षिक रूप से पिछड़ता जा रहा था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश का शैक्षिक परिदृश्य बदलने लगा है। स्कूली स्तर पर भी पढ़ाई की रेल पटरी पर आने लगी है। इसका असर इस साल की नीट की परीक्षाओं के नतीजे पर भी दिखा। इस बार इस परीक्षा में सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश के ही विद्यार्थी कामयाब हुए हैं, जिनकी संख्या करीब 1.39 लाख है, जबकि महाराष्ट्र के 1.31 लाख और राजस्थान के एक लाख से कुछ ही अधिक छात्र सफल रहे। योगी राज के छह सालों में राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में 60 लाख विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है। उत्तर प्रदेश में पहले गिने-चुने मेडिकल कॉलेज ही थे। लेकिन योगी शासन में एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना की गई और वह अब साकार होती नजर आ रही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, विशेषकर गोरखपुर के आसपास हर साल दिमागी बुखार से सैकड़ों बच्चों की हृदयद्रावक मौत होती थी। लेकिन योगी शासन में इस पर काबू पाने की कोशिशें तेज हुईं और अब स्थिति बेहद काबू में है। आज हालात यह है कि दिमागी बुखार पर 98 फीसदी तक काबू करके बहुमूल्य जीवन बचाने में सफलता हासिल की जा चुकी है। उत्तर प्रदेश गंगा-यमुना और घाघरा जैसी सदानीरा नदियों का मैदान है। ये नदियां राज्य की जीवन रेखा ही नहीं, खेती-किसानी का सांस्कृतिक जरिया भी हैं। जनसंख्या घनत्व ज्यादा और प्रति व्यक्ति जोत कम होने के बावजूद आज स्थिति यह है कि राज्य देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन 20 फीसद अकेले कर रहा है। इसकी बड़ी वजह है, राज्य में कृषि उपज के मूल्यों में डेढ़ गुना की बढ़ोतरी। 2017 में योगी सरकार के शासन में आने के बाद एमएसपी के तहत किसानों की कृषि लागत का डेढ़ गुना रकम दिया जा रहा है। राज्य की खेती-किसानी सदियों से मशहूर रही है। विशेषकर गन्ना की खेती के मामले में राज्य एक दौर में शीर्ष पर रहता था। हालांकि बाद के दिनों में हालात बदलते गए। लेकिन इस मामले में राज्य ने एक बार फिर बाजी मारी है। इसकी वजह है कि राज्य में गन्ना खरीद नीतियों में बदलाव लाया गया। जिसका फायदा किसानों को मिल रहा है। यही वजह है कि राज्य देश के कुल गन्ने का 44.50 प्रतिशत की पैदावार कर रहा है। इस मामले में भी महाराष्ट्र 25.45 प्रतिशत पैदावार के चलते दूसरे नंबर पर जा पहुंचा है। बुनियादी ढांचा के मामले में भी पिछले छह सालों में राज्य ने काफी कुछ हासिल किया है। राज्य में पांच एक्सप्रेसवे बन चुके हैं। वहीं 13 एक्सप्रेसवे का निर्माण जारी है। साल 2017 में राज्य में सिर्फ दो लखनऊ और वाराणसी हवाई अड्डे ही संचालित हो रहे थे, लेकिन आज राज्य के नौ शहर हवाई मार्ग से जुड़ गए हैं। केंद्र सरकार की योजना के अनुसार मौजूदा वर्ष यानी साल 2023-24 के आखिर तक राज्य में पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को चालू करने की तैयारी है। नोएडा का जेवर हवाई अड्डा भी तेजी से बनाया जा रहा है।

नकली खेल सामग्री खरीदना बंद करें

खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गयी आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपये का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और सामग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देखे जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम्म एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपये का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान को खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महविद्यालय को दी जा रही, जहां भी खेल सामान खरीदना हो वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिन के पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं, वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधाएं मुहैया हैं।

हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है।

देश दुनीया से

नहीं कराना सम्मान!

चार दशक की साहित्य साधना के बाद मुझे होश आया कि सम्मान तो करवाया ही नहीं। मैंने भागा-दौड़ी की तो लोग कहने लगे कि अब तक कहां थे? हमने तो अपने खेमे के सबको निपटा दिया, किसी और किसी को पकड़ो! सूखा सा उत्तर पाकर मैं दूसरों के पास गया, दूसरों ने भी टरका दिया। फिर हारकर मैं भ्रमर जी के पास पहुंचा। साहित्य के घाघ हैं। सारी ऊंच-नीच का पता है उन्हें। मुझे देखते ही बोले- 'शर्मा धूप में बाल सफेद कर लिये। कागज काले करते रहे। लेखन के बूते पर सम्मान की आस लगाये बैठे रहे। पहले मिल लेते तो अब तक तो यह सम्मान की धारा भी पार कर लेते। खैर कोई बात नहीं, जागे वहीं सवेरा। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है। चलो तुम्हारा अमृत सम्मान करवा देंगे। बस थोड़ा सा पेंच है, वह तुम्हें ही भुगतना है।' भ्रमर जी की अंतिम बात मैं समझा नहीं, सो मैंने पूछा- 'क्या भुगतना है? इतना विपुल लिखने के बाद भी मुझे क्या करना पड़ेगा?' भ्रमर जी हंसने लगे, बोले- 'शर्मा, सम्मान-पुरस्कार जोड़-तोड़ के जुगाड़ हैं। तुम साहित्य साधना में लीन रहे, यही तुम्हारा माइनस पाइंट है। लिखने से कुछ नहीं होता। लिखने से किताब छप जायेगी, लेकिन सम्मान के लिए लोगों से लगाकर खाना पड़ता है। लिखने का नशा उतर जाये तो मैं तुम्हें एक पते की बात बताऊं?' 'हां....हां बताइये। मैं आप जो कहेंगे, वह करने को तैयार हूं। साहित्य का सम्मान लिखने से ही तो मिलता है। ग्यारसी लाल जी और कजोड़मल जी जब सम्मान ले सकते हैं तो मैंने कोई घास थोड़े ही खोदी है।' मैंने कहा तो भ्रमर जी बोले- 'तुमने घास ही खोदी है शर्मा, जिनका तुम उदाहरण दे रहे हो, उन्होंने रोकड़ा खर्च करके सम्मान लिया है। अब पहले वाली बात नहीं है कि वर्क देखा और सम्मान दे दिया। आजकल तो सम्मान-पुरस्कार खुद के जुगाड़ हैं। तुम्हें लेना है तो अपना बजट बताओ, अपनी संस्था के बैनर तले तुम्हारा भी गंगा स्नान हो जायेगा। ग्यारसीलाल और कजोड़मल ने सम्मान के लिए तन-मन और धन तीनों लगा दिये थे। उनकी भक्ति भावना (चमचागिरी) को तुम क्या जानो भैया। भक्ति भावना व पैसे के बूते पर आज वे साहित्य शिरोमणि प्राप्त कर सके हैं। मूल्य बदल गये हैं, युग बदल गया है। अभी देखा नहीं, रामलाल जी जिस अकादमी के अध्यक्ष हैं, उसी से अपना सम्मान करवा लिया। उन्हें पता है, विलंब किया और सम्मान के लिए पापड़ बेलो कार्यक्रम शुरू हो जावेगा। इसलिए मेरी संस्था को धन देवो और सार्वजनिक मंच पर मालाएं पहनकर चहकते फिरो।' भ्रमर जी की बातों से मेरी आंखें खुली की खुली रह गईं, लेकिन समस्या धन की थी। सम्मान के लिए धन कहां से लाऊं। गृहस्थी की गाड़ी ही जब इस महंगाई में नहीं चल पा रही तो यह महंगा सम्मान कैसे प्राप्त करूंगा। मैंने भ्रमर जी से कहा- 'मैं एक-दो दिन में आपसे मिलता हूं।' यह कहकर मैं सीधा किचन में पत्नी की शरण में पहुंचा। पत्नी बोली- 'क्यों क्या बात है, मुंह लटकाये क्यों खड़े हो?' मैं बोला- 'सम्मान तो बहुत महंगे हो गये। जरा सी लापरवाही से अब पैनल्टी अलग लगेगी। मेरा मतलब सम्मान के लिए धन चाहिए।' पत्नी बोली- 'क्या करोगे सम्मान का। इससे बढिया तो बच्चों की फीस चुकाओ। पोते-पोती क्या सोचते होंगे कि बाबा उनके लिए कुछ नहीं करते। सम्मान से कुछ नहीं होता। लिखते-पढ़ते हो, यह कोई कम सम्मान की बात है।' एक ही क्षण में पत्नी ने सम्मान की खुजली मिटा दी। मैं बोला- 'तुम सही कहती हो। ऐसे सम्मान का क्या करेंगे, जो पैसों से मिलते हैं। मैं तो अपनी नयी किताब तैयार करता हूं।' पत्नी ने कहा- 'मस्त रहो, काम करो। सम्मान तो अब गधों के होने लगे हैं।

पहले मिल लेते तो अब तक तो यह सम्मान की धारा भी पार कर लेते। खैर कोई बात नहीं, जागे वहीं सवेरा। अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है। चलो तुम्हारा अमृत सम्मान करवा देंगे। बस थोड़ा सा पेंच है, वह तुम्हें ही भुगतना है।' भ्रमर जी की अंतिम बात मैं समझा नहीं, सो मैंने पूछा- 'क्या भुगतना है? इतना विपुल लिखने के बाद भी मुझे क्या करना पड़ेगा?' भ्रमर जी हंसने लगे, बोले- 'शर्मा, सम्मान-पुरस्कार जोड़-तोड़ के जुगाड़ हैं। तुम साहित्य साधना में लीन रहे, यही तुम्हारा माइनस पाइंट है। लिखने से कुछ नहीं होता। लिखने से किताब छप जायेगी, लेकिन सम्मान के लिए लोगों से लगाकर खाना पड़ता है। लिखने का नशा उतर जाये तो मैं तुम्हें एक पते की बात बताऊं?' 'हां....हां बताइये। मैं आप जो कहेंगे, वह करने को तैयार हूं। साहित्य का सम्मान लिखने से ही तो मिलता है। ग्यारसी लाल जी और कजोड़मल जी जब सम्मान ले सकते हैं तो मैंने कोई घास थोड़े ही खोदी है।'

दृष्टिकोण

कश्मीर में विकाश के साथ लौटता अमन चैन

जब 5 अगस्त 2019 को भारतीय संसद ने जम्मू – कश्मीर से धारा 370 को ख़त्म करने रूपी विधेयक को मंजूरी दी तो ऐसा लगा कि पूरे भारतीय राजनीति में भूचाल आ गया। हर कोई इस बात को लेकर चिंतित था कि जम्मू – कश्मीर में कही कोई अप्रिय घटना न घटित हो, लेकिन सरकार की दृढ इच्छा शक्ति और दूरदर्शी सोच ने इसे सिरे से ख़ारिज कर दिया। इस दौरान जम्मू – कश्मीर की जम्हूरियत ने एक नये केन्द्रशासित प्रदेश का उदय होते देखा। आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू – कश्मीर के लोगो ने कई बदलाव देखे। लगभग दो दशक के अंतराल के बाद स्वतंत्रता दिवस समारोह में हजारों कश्मीरी उमड़े। हर वर्ष की भांति इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के दिन सडकों पर न ही कटीले तार दिखे न ही बैरकेटिंग इस साल लोगों की आवाजाही या इंटरनेट सेवाओं पर कोई प्रतिबंध नहीं था, जैसा कि आतंकी खतरे के मद्देनजर अतीत में लगता रहा है। इस दौरान पूरे केंद्र शासित प्रदेश में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घाटी में अमन चैन कायम रहा। जम्मू-कश्मीर में कितना बदलाव हुआ है यह सरकार के आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 26 जुलाई को राज्यसभा में एक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। इस रिपोर्ट में बताया गया कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से लगभग 30,000 युवाओं को नौकरियां दी गई हैं। इस दौरान जम्मू-कश्मीर सरकार ने 29,295 रिक्तियां भरी हैं। साथ ही केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में कई योजनाएं शुरू की हैं।। अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रहने वालों के लिए सेवाओं और शैक्षणिक संस्थानों में 3 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी किया गया है। मालूम हो कि अनुच्छेद 370 हटने से पहले देश के अन्य राज्यों के लोगों के पास यहां जमीन खरीदने का अधिकार नहीं था। लेकिन अनुच्छेद 370 हटाने के बाद लोगों को यह अधिकार प्राप्त हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से जम्मू-कश्मीर में 188 बड़े निवेशकों ने जमीन ली है। इसी साल मार्च में प्रदेश को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का पहला प्रोजेक्ट मिला है। यह प्रोजेक्ट लगभग 500 करोड़ रुपये का है और इसके पूरा होने पर केंद्र शासित प्रदेश में 10,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। यह प्रोजेक्ट संयुक्त अरब अमीरात के 'एमआर' ग्रुप का है. कभी पत्थरबाजी के चलते सुर्खियों में रहने वाले जम्मू-कश्मीर में अब यह बीती बात हो गई है। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद आतंकी घटनाओं में भी कमी देखने को मिली है। इसके साथ ही अलगाववादियों का समर्थन भी अब खत्म होता जा रहा है। पिछले साल के आंकड़ों के अनुसार 5 अगस्त 2016 से 4 अगस्त 2019 के बीच 900 आतंकी घटनाएं हुई थीं, जिसमें 290 जवान शहीद हुए और 191 आम लोग मारे गए थे। वहीं 5 अगस्त 2019 से 4 अगस्त 2022 के बीच 617 आतंकी घटनाओं में 174 जवान शहीद हुए और 110 नागरिकों की मौत हुई। यह आंकड़ें इस बात की गवाही देते हैं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कमी देखने को मिली है। धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में भी विकास हुआ है। बीते 4 सालों में जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई है। भयमुक्त माहौल ने पर्यटकों को यहां आने की वजह दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार साल 2022 में 1.88 करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आए और यहां के खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठाया। जम्मू-कश्मीर बीते साल प्रधानमंत्री डेवलपमेंट पैकेज के तहत 58,477 करोड़ रुपए की लागत की 53 परियोजनाएं शुरू की गई थीं। ये प्रोजेक्ट्स रोड, पावर, हेल्थ, एजुकेशन, टूरिज्म, फार्मिंग और स्किल डेवलपमेंट जैसे सेक्टर्स में शुरू हुए थे। केंद्र शासित प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए नई केंद्रीय योजना के तहत 2037 तक 28,400 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी।

राष्ट्रपति चुनाव में धोखाधड़ी के आरोप में ट्रम्प का सरेंडर : 20 मिनट जेल में रहे, पहली बार किसी पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की आरोपी की तरह फोटो खिंची

एटलांटा।
अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में धोखाधड़ी के मामले में डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार सुबह फुल्टन काउंटी पुलिस के सामने सरेंडर किया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें अरेस्ट कर लिया और फुल्टन काउंटी जेल ले गई। ट्रम्प की आरोपी की तरह तस्वीर खींची गई (मगशॉट)। 20 मिनट बाद वो जेल से बाहर आ गए। इसी के साथ ट्रम्प अमेरिका के पहले ऐसे राष्ट्रपति बन गए हैं, जिनका कैदियों की तरह मगशॉट लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प ने रिहाई के पहले शर्तों के साथ 2 लाख डॉलर का बॉन्ड भरा। जेल से बाहर आने के बाद ट्रम्प ने पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, मैंने कुछ भी गलत नहीं किया। ट्रम्प पर जॉर्जिया में राष्ट्रपति चुनाव नतीजों को पलटने के लिए धोखाधड़ी, धमकी देने और जालसाजी के आरोप हैं। उनके अलावा इस मामले में 18 और लोगों को आरोपी ठहराया गया है।

ट्रम्प की 2 साल बाद ट्विटर की वापसी, मगशॉट शेयर किया - एटलांटा में मगशॉट और दूसरी प्रोसीडिंग्स पूरी होने के बाद ट्रम्प ने सोशल मीडिया साइट ट्विटर पर पोस्ट किया। यहां उन्होंने अपना मगशॉट शेयर करते हुए लिखा- इलेक्शन इंटरफेरेंस, नेवर सरेंडर। ट्रम्प ने 2021 के बाद अब पहली बार ट्विटर पर कोई पोस्ट किया है। ट्रम्प के इस पोस्ट पर ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने भी रिएक्ट किया। उन्होंने इसे नेक्स्ट लेवल बताया।

पुलिस रिकॉर्ड में ट्रम्प के फिंगरप्रिंट्स - ट्रम्प को एक कमरे में ले जाकर उनके फिंगरप्रिंट्स भी लिए गए। ये डॉक्यूमेंट्स कोर्ट और पुलिस रिकॉर्ड्स का हिस्सा बनेंगे। ट्रम्प के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज ने भी सरेंडर किया। 15 अगस्त को एटलांटा की कोर्ट ने चार्जशीट जमा की थी। चार्जशीट में शामिल 41 में से 13 चार्ज में ट्रम्प का नाम शामिल है।

ट्रम्प पर 5 महीने में 4 क्रिमिनल केस दर्ज - कोर्ट ने ट्रम्प को 25 अगस्त तक सरेंडर करने का समय दिया था। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति पर 5 महीने में चार क्रिमिनल केस दर्ज हुए हैं। उनके साथ न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रुडॉल्फ गिउलियानी के ऊपर भी केस दर्ज किया गया है। चार्जशीट में कहा गया है कि ट्रम्प और उनके साथियों ने जानबूझकर चुनाव के नतीजों को अपने पक्ष में करवाने की कोशिश की।

ट्रम्प पर जालसाजी, धोखाधड़ी के आरोप - सभी आरोपियों को एक आपराधिक संगठन बताया गया है और उन पर झूठे बयान देने, जालसाजी, गवाहों को प्रभावित करने, राज्य को धोखा देने की साजिश करने, चोरी और झूठी गवाही के चार्ज लगाए गए हैं। इनमें से सबसे गंभीर चार्ज रैकेटियर और करप्शन ऑर्गेनाइजेशन एक्ट के उल्लंघन का है, जिसमें ट्रम्प को 20 साल जेल की सजा भी हो सकती है।

क्या है जॉर्जिया क्रिमिनल केस - 2020 में राष्ट्रपति चुनाव के बाद ट्रम्प पर नतीजों को पलटने की कोशिश करने के आरोप लगे थे। 2 जनवरी 2021 को ट्रम्प और जॉर्जिया के इलेक्शन ऑफिसर ब्रैड रैफेंसपर्गर के बीच कॉल पर करीब एक घंटे बात हुई। व्हाइट हाउस के ऑफिस से यह कॉल 3 जनवरी दोपहर 2:41 पर की गई थी। ट्रम्प ने रैफेंसपर्गर से फोन पर कहा कि उन्हें वोटों की दोबारा गिनती करनी चाहिए, ताकि राज्य के 16 इलेक्टोरल वोट उनके हिस्से में आएं। कॉल रिकॉर्डिंग वॉशिंगटन पोस्ट ने सबसे पहले पब्लिश की थी।

न्यूज ब्रीफ

पुतिन ने वैगनर चीफ की मौत पर दुख जताया: कहा- वो टैलेंटेड बिजनेसमैन थे, उन्होंने कुछ गलतियां जरूर की थीं

मॉस्को। रूस के राष्टपति व्लादिमिर पुतिन ने जून में अपने खिलाफ बगावत करने वाले वैगनर ग्रुप के चीफ येवगेनी प्रिगोजिन की मौत पर अफसोस जताया है। रूसी राष्टपति ने गुरुवार शाम कहा- प्रिगोजिन टैलेंटेड कारोबारी थे। मुझे उनकी प्लेन क्रैश में मौत का अफसोस है। हां, ये जरूर है कि उन्होंने कुछ गलतियां की थीं। प्रिगोजिन की बुधवार देर रात एक प्लेन क्रैश में मौत हो गई थी। वो प्राइवेट आर्मी वैगनर ग्रुप के चीफ थे। क्रैश में 10 लोग मारे गए थे। यह एयरक्राफ्ट मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा था। प्रिगोजिन के अलावा इस प्लेन में प्राइवेट आर्मी के को-फाउंडर और पूर्व रूसी स्पेशल फोर्स कमांडर दिमित्री उत्किन भी सवार थे। वैगनर के और भी अधिकारी विमान में मौजूद थे। एक वक्त पुतिन के शेफ कहे जाने वाले प्रिगोजिन की प्लेन क्रैश में मौत के करीब 24 घंटे बाद रूसी राष्टपति ने टीवी पर रिएक्शन दिया। कहा- मैं उन्हें काफी लंबे वक्त से जानता था। पहली बार 1990 के आसपास उनसे मुलाकात हुई थी। उनको लेकर कुछ दिक्कतें जरूर थीं। प्रिगोजिन ने जिंदगी में कुछ गंभीर और बड़ी गलतियां की थीं। लेकिन, कई अच्छे काम भी किए। कई बार मैंने उनसे कुछ काम करने को कहा। पुतिन ने आगे कहा- जहां तक मुझे जानकारी है, प्रिगोजिन बुधवार को ही अफ्रीका से वापस मॉस्को आए थे। अफ्रीका में उन्होंने कुछ खास लोगों से मुलाकात की थी। यूक्रेन में वैगनर ने जो किया, उसे हम भूल नहीं सकते। इस प्लेन क्रैश की जांच में कुछ वक्त लगेगा।

राष्ट्रपति चुनाव की डिबेट के बाद बढ़ी विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता, जमकर बरसा चंदे का पैसा

वॉशिंगटन। हाल ही में अमेरिका के अगले राष्टपति चुनाव में दावेदारी के लिए रिपब्लिकन पार्टी की पहली डिबेट हुई। इस डिबेट के बाद भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता में जबरदस्त उछाल आया है। रिपब्लिकन पार्टी की इस डिबेट में रामास्वामी छा गए और डिबेट के बाद उन्हें मिले चंदे में भी जबरदस्त उछाल आया है। बता दें कि विवेक रामास्वामी ने बुधवार को डिबेट के बाद करीब 4,50,000 डॉलर चंदे की उगाही की। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पहली डिबेट में डोनाल्ड ट्रंप की गैरमौजूदगी में रामास्वामी मजबूती से उभरे। इस दौरान उन पर रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्टपति पद के अन्य दावेदार क्रिस क्रिस्टीज, माइक पेंस और निक्की हेली ने जोरदार हमला बोला। हालांकि इसका रामास्वामी को फायदा मिलता दिख रहा है क्योंकि पहले पोल में 504 प्रतिभागियों में से 28 प्रतिशत ने रामास्वामी का समर्थन किया है। 27 प्रतिशत ने रोन देसांतिस और माइक पेंस को 13 प्रतिशत और निक्की हेली को सात प्रतिशत वोट मिले हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पहली डिबेट के बाद रिपब्लिकन उम्मीदवारों में रामास्वामी के बारे में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया गया। उनके बाद निक्की हेली के बारे में लोग जानना चाहते थे। हालांकि अभी भी रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप का ही दावा सबसे मजबूत है और वह अन्य प्रतिद्वंदियों से काफी आगे हैं। विवेक रामास्वामी ने दावा किया है कि आने वाले दिनों में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्टपति चुनाव की रेस में सिर्फ वह और डोनाल्ड ट्रंप ही रह जाएंगे। विवेक रामास्वामी रोइवेंट साइंसेज नामक बायोटेक कंपनी के संस्थापक हैं। भारतीय मूल के विवेक रामास्वामी की कुल संपत्ति 950 मिलियन यूएस डॉलर आंकी गई है।

कैलिफोर्निया के डॉक्टर ने कॉस्मेटिक दवाओं की गलत ब्रांडिंग करने का स्वीकारा अपराध, रॉक स्टार के नाम थे मशहूर

सैन डिएगो। रॉक स्टार के नाम से मशहूर हुए कैलिफोर्निया के एक डॉक्टर ने कॉस्मेटिक दवाओं की गलत ब्रांडिंग करने का अपराध स्वीकार किया है। बता दें कि इस डॉक्टर ने कोरोना महामारी की शुरुआती महीनों में हजारों लोगों का कोविड टेस्ट किया था। संघीय अभियोजकों के अनुसार, डॉक्टर टीएन टैन वो ने एक याचिका समझौते में अपना अपराध स्वीकार किया है। डॉक्टर ने बताया कि नवंबर 2016 से अक्टूबर 2020 तक उनके इंपीरियल वैली क्लीनिक द्वारा उपयोग किए जाने वाले किसी भी इंजेक्टेबल बॉटलिनियम टॉक्सिन या लिप फिलर्स को अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया था। डॉक्टर वो ने मेक्सिको के मेक्सिकैली में एक मेड स्पा से अधिकांश कॉस्मेटिक दवाएं खरीदने की बात स्वीकार की है। ये सभी दवाइयां अमेरिका को बिना सूचित किए तस्करी की जाती थी। वो ने बताया की उसे अस्वीकृत दवाओं की सर्विसेज के लिए 100,767 डॉलर मिलते थे।

इमरान को नहीं मिली राहत

पाकिस्तानी अदालत में दोषसिद्धि के खिलाफ याचिका पर सुनवाई फिर स्थगित

इस्लामाबाद।
इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) ने शुक्रवार को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में एक सत्र अदालत द्वारा सुनाई गई सजा और अपनी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की याचिका पर सुनवाई 28 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। इमरान खान फिलहाल जेल में बंद हैं।

उच्च न्यायालय 22 अगस्त से इमरान की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। इससे पहले उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आमेर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की पीठ ने गुरुवार को एक दिन के लिए सुनवाई स्थगित कर दी थी। तब समझा जा रहा था कि अदालत शुक्रवार को फैसला सुना सकता है। वर्तमान में 70 वर्षीय खान अटक जेल में हैं, जहां उन्हें दोषी ठहराए जाने के बाद से रखा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री को पांच वर्ष तक कोई सरकारी पद संभालने के लिए भी अयोग्य करार दिया गया है। पांच अगस्त को इस्लामाबाद स्थित सत्र अदालत के न्यायाधीश हुमायूं दिलावर ने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा दायर मामले में 70 वर्षीय खान को दोषी ठहराया और तीन साल जेल की सजा सुनाई थी। ईएचसी के मुख्य न्यायाधीश आमिर फारूक और न्यायमूर्ति तारिक महमूद जहांगीरी की खंडपीठ ने शुक्रवार की सुनवाई की अध्यक्षता की। सुनवाई के दौरान, ईसीपी के वकील एडवोकेट अमजद परवेज से अपनी दलीलें खत्म करने की उम्मीद थी। हालांकि, वह बेहद अस्वस्थ होने के कारण उपस्थित होने में विफल रहे, जैसा कि उनकी टीम के एक सदस्य ने कहा, जिसके बाद आईएचसी ने सुनवाई 28 अगस्त (सोमवार) तक के लिए स्थगित कर दी। बचाव दल ने पहले ही बहस पूरी कर ली है। सुनवाई के दौरान, खान के वकील लतीफ खोसा ने दोषसिद्धि के खिलाफ अपनी दलील पेश की और कहा कि फैसला जल्दबाजी में दिया गया था और इसमें खामियां हैं। उन्होंने अदालत से सजा को रद्द करने का आग्रह किया लेकिन बचाव दल ने अपनी दलीलें पूरी करने के लिए और समय की मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने भी आईएचसी के फैसले तक खान की याचिका पर कार्यवाही रोकने का फैसला किया। शीर्ष अदालत ने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया क्योंकि उसने पाकिस्तान के अटॉर्नी-जनरल (एजीपी) मंसूर उस्मान अवान को 28 अगस्त तक खान की रहने की स्थिति के बारे में एक आधिकारिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया। तोशखाना मामला 2022 में ईसीपी में सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों द्वारा दायर किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि खान ने देश के उपहारों की बिक्री से प्राप्त आय को छुपाया था। ईसीपी ने पहले उन्हें अयोग्य ठहराया और फिर एक सत्र अदालत में आपराधिक कार्यवाही का मामला दायर किया, जिसने उन्हें दोषी ठहराया और बाद में खान को जेल भेज दिया गया। कई रिपोर्ट के अनुसार, खान को अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल के दौरान विश्वभर के कई नेताओं से 14.0 करोड़ रुपये से अधिक के 58 उपहार मिले थे और उन सभी को उन्होंने ना के बराबर राशि का भुगतान करके या बिना किसी भुगतान के अपने पास रखा। इस मामले में इमरान पर आरोप है कि उन्होंने वर्ष 2018 से 2022 तक प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान तोशाखाना से हासिल किए गए उपहारों और उनकी बिक्री से हुई आय के ब्योरे को 'जानबूझकर छिपाया'। तोशाखाना एक सरकारी भंडारण विभाग है जिसमें पाकिस्तानी अधिकारियों को विदेशी सरकारों से मिले उपहारों को रखा जाता है। गोपनीय दस्तावेज मामले में पूर्व पाक विदेश मंत्री कुरेशी की रिमांड तीन दिन बढ़ी पाकिस्तान की एक विशेष अदालत ने गोपनीय राजनयिक दस्तावेज (सिफर) के लीक होने के मामले में पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की रिमांड शुक्रवार को तीन दिन के लिए बढ़ा दी। कथित तौर पर पिछली इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा राजनीतिक उद्देश्यों के लिए सिफर (गोपनीय दस्तावेज) का दुरुपयोग किया गया था। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खान के करीबी सहयोगी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के उपाध्यक्ष 67 वर्षीय कुरैशी जब विदेश मंत्री थे तब अमेरिका में पाकिस्तानी दूतावास द्वारा विदेश कार्यालय को भेजे गए आधिकारिक दस्तावेज की गोपनीयता का उल्लंघन करने के लिए उन्हें 19 अगस्त को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें विशेष अदालत ने 25 अगस्त तक चार दिनों के लिए संघीय जांच एजेंसी की हिरासत में भेज दिया था। खान लंबे समय से लापता दस्तावेज का उल्लेख पिछले साल अप्रैल में उन्हें प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए विदेशी साजिश के सबूत के रूप में करते रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जज अबुअल हसनत ने शुक्रवार को विशेष अदालत में मामले की बंद कमरे में सुनवाई की। इस अदालत को हाल ही में सांसदों के भारी विरोध के बीच इस महीने की शुरुआत में संसद द्वारा अनुमोदित आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था। 20 अगस्त को संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद कुरेशी को फ्रंटियर कोर और इस्लामाबाद पुलिस 5यों 5 भारी सुरक्षा में न्यायिक परिसर में पेश किया गया था। उनका प्रतिनिधित्व उनके वकील शोएब शाहीन ने किया, जिन्होंने एफआईए द्वारा कुरेशी की शारीरिक रिमांड का विरोध किया। मामले के विशेष अभियोजक जुल्फिकार नकवी ने पीटीआई नेता की नौ दिन की रिमांड की मांग की थी। हालांकि, न्यायाधीश ने कुरैशी को तीन दिन के लिए एफआईए की हिरासत में भेज दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत सिफर मामले में पीटीआई अध्यक्ष इमरान खान और उनके डिप्टी कुरेशी का मुकदमा एक पखवाड़े के भीतर शुरू होने की उम्मीद है।

मन आहत हुआ हो तो साथी को जरूर बताएं

अपनी असहजता शेयर करें, साथ बैठकर विवाद की वजह तलाशें

वॉशिंगटन।
रिश्ते इंसान की जिंदगी का अहम हिस्सा होते हैं। इनमें पेचीदगियां भी होती हैं। खासकर जीवन साथी के साथ। एक्सपर्ट कहते हैं- कहासुनी, रूठना-मनाना आम बात है। पर छोटी-छोटी बातों पर या फिजूल मुद्दों पर अक्सर विवाद होने लगे तो इसकी वजह जानना जरूरी है। कपल काउंसलर तलाल अलसलीम कहते हैं कि बच्चों को संभालने और कपड़े धोने जैसी छोटी बातों पर झगड़ा होता है, तो साथी के साथ शांति से बैठें। पता लगाएं कि आखिर कौन सी चीज परेशान कर रही है। इससे समाधान तलाशना आसान होगा। कपल थेरेपिस्ट पेट्रीसिया अल्वारेज कहती है- खुद से पूछें, आपको क्या प्रेरित करता है, किन चीजों से खुशी मिलती है ये बातें साथी से साझा करें। इससे रिश्ते मजबूत होंगे। और क्या उपाय अपना सकते हैं।

साथी की बातें ध्यान से सुनें, उन्हें बेहतर महसूस कराएं - जब साथी परेशान हो तो उससे पूछें कि वे किस तरह की मदद चाहते हैं। उनकी बात ध्यान से सुनें, उन्हें गले लगाएं और भावनाएं व्यक्त करने में उनकी मदद करें। आपका यह व्यवहार सहानुभूति दिखाता है। मेंटल हेल्थ काउंसलर जैडा जैक्सन कहती हैं, आपको वास्तव में यह पूछना है कि आप साथी की जरूरतें कैसे पूरी कर सकते हैं। इससे वे बेहतर महसूस करेंगे। एक्सपर्ट जेंसी डन कहती हैं, 'यह तरीका हर रिश्ते में कारगर हो सकता है।

छोटी-छोटी बातें भी साझा करें ताकि संशय न रहे - जब भी साथी से टकराव बढ़ता है तो हम धारणा बना लेते हैं, और मन में ही थॉट बलून तैयार कर लेते हैं। अपनी सारी कल्पनाएं इसमें भर देते हैं। भले ही इसमें वास्तविकता नाममात्र भी न हो। रिलेशनशिप एक्सपर्ट टेरेंस रियल कहते हैं, 'ऐसा करना तर्क-वितर्क को बढ़ाने के साथ बिगाड़ भी सकता है। रियल लोगों को फीडबैक व्हील थेरेपी इस्तेमाल करने की सलाह देते हैं। इसमें छोटी-छोटी बातें साझा करने पर जोर रहता है, ताकि संशय दूर हो सके।

नासा का टेमपो मिशन

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने शेयर की अमेरिकी प्रदूषण-निगरानी उपकरण से पहली तस्वीर

वाशिंगटन।
अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इस साल की शुरुआत में अंतरिक्ष में लॉन्च किए गए अपने नए प्रदूषण-निगरानी उपकरण से पहला डेटा मैप जारी किया है। भूमध्य रेखा से 22,000 मील ऊपर अपनी ऑर्बिट से, नासा का टेमपो, या ट्रोपोस्फेरिक उत्सर्जन: प्रदूषण की निगरानी, पहला अंतरिक्ष-आधारित उपकरण है जिसे कुछ वर्ग मील के रिजॉल्यूशन के साथ उत्तरी अमेरिका के ऊपर हवा की गुणवत्ता को लगातार मापने के लिए डिजाइन किया गया है।

मैक्सार इंटेलसैट 40ई सैटेलाइट - अप्रैल में स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर मैक्सार इंटेलसैट 40ई सैटेलाइट पर लॉन्च किया गया। नासा का टैम्पो उत्तरी अमेरिका में अटलांटिक महासागर से प्रशांत तट तक और मैक्सिको सिटी से लेकर मध्य कनाडा तक निचले वायुमंडल का प्रति घंटा स्कैन करता है। प्राथमिक उपकरण एक एडवांस स्पेक्ट्रोमीटर है जो सामान्य रूप से परावर्तित सूर्य के प्रकाश के भीतर छिपे प्रदूषण का पता लगाता है। पहले प्रदूषण मानचित्र उत्तरी अमेरिका के शहरों और प्रमुख परिवहन धमनियों के आसपास प्रदूषण से नाइट्रोजन डाइऑक्साइड गैस की सांद्रता दर्शाते हैं। पहला डेटा 31 जुलाई से 2 अगस्त तक रहा है। एसएओ के वरिष्ठ भौतिक विज्ञानी और टेमपो के प्रमुख अन्वेषक केली चांस ने एक बयान में कहा, टेम्पो ने उत्तरी अमेरिका में प्रति घंटे वायु प्रदूषण को मापना शुरू कर दिया है।यह ओजोन, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, फॉर्मेल्डिहाइड, एरोसोल, जल वाष्प और कई ट्रेस गैसों को मापता है।

वायु गुणवत्ता में होगा सुधार - टेमपो डेटा वैज्ञानिकों को प्रदूषकों के स्वास्थ्य प्रभावों का मूल्यांकन करने में सहायता करेगा, जिससे एक समुदाय के भीतर वायु गुणवत्ता में असमानताओं की समझ में सुधार होगा। टेमपो उपकरण बॉल एयरोस्पेस द्वारा बनाया गया है और मैक्सार-निर्मित साथ तैयार किया गया है।

स्तन कैंसर से जुड़े चार नए जीनों की पहचान की, कनाडा और यूके के वैज्ञानिकों का दावा

टोरंटो।
कनाडा और यूके के वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने स्तन कैंसर से जुड़े चार नए जीनों की पहचान की है, जिन्हें बढ़ते जोखिम वाली महिलाओं की पहचान करने के लिए परीक्षणों में शामिल किया जा सकता है। एक ताजा अध्ययन में कम से कम चार नए स्तन कैंसर के जोखिम वाले जीनों के साक्ष्य मिले, जिनमें कई संकेत देने वाले साक्ष्य भी शामिल हैं। इन नए जीनों की पहचान स्तन कैंसर के आनुवांशिक जोखिम के बारे में हमारी समझ में योगदान देगी। यह शोध उन महिलाओं को इसे पहचानने में मदद करेगा, जिन्हें इस बीमारी का खतरा अधिक है। यह जीन स्तन जांच और जोखिम में कमी को उजागर करेंगे। इन नवीन जीनों की खोज से कैंसर के विकास पर महत्वपूर्ण जानकारी भी मिलती है, जिससे संभावित रूप से नए उपचारों की पहचान करने का रास्ता खुल जाता है।

इस शोध का उद्देश्य है कि इस जानकारी को वर्तमान में दुनियाभर में स्वास्थ्य पेशेवर इस्तेमाल में लाए, जिससे स्तन कैंसर के खतरे को भापा जा सके। कनाडा के क्यूबेक में यूनिवर्सिटी लावल के प्रोफेसर जैक्स सिमर्ड ने कहा कि इस शोध से उच्च जोखिम वाली महिलाओं के लिए जोखिम कम करने की रणनीतियों, स्क्रीनिंग और उपचार विकल्पों के निर्धारण के संबंध में साझा निर्णय लेने को बढ़ावा मिलेगा। सीएचयू डी क्यूबेक-यूनिवर्सिटी लावल रिसर्च सेंटर के जीनोमिक्स सेंटर के शोधकर्ता सिमर्ड ने कहा कि नए जीनों में पहचाने गए अधिकांश दुर्लभ हैं, लेकिन उन महिलाओं के लिए यह महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनमें यह पाए जाते हैं। उदाहरण के लिए नए जीनों में से एक एमएपी3के1 में परिवर्तन स्तन कैंसर को जन्म देता है। टीम ने स्तन कैंसर से पीड़ित 26,000 महिलाओं और बिना स्तन कैंसर वाली 217,000 महिलाओं के सभी जीनों में परिवर्तनों का अध्ययन किया।

इनमें यूरोप और एशिया के आठ देशों की महिलाएं शामिल थीं। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के कैंसर जेनेटिक महामारी विज्ञान केंद्र के निदेशक प्रो. डगलस ईस्टन ने कहा कि हमें इन जीनों में वेरिएंट से जुड़े कैंसर के खतरों को अधिक सटीक रूप से निर्धारित करने, ट्यूमर का अध्ययन करने और यह समझने के लिए अतिरिक्त डेटा की आवश्यकता है कि ये स्तन कैंसर के खतरों को प्रभावित करने वाले अन्य जीवनशैली कारकों के साथ कैसे जुड़ते हैं।

मालूम हो कि विश्व स्तर पर 2.3 मिलियन से अधिक महिलाएं स्तन कैंसर से पीड़ित हैं। महिलाओं में होने वाली मृत्यु का कैंसर दूसरा प्रमुख कारण है। स्तन कैंसर के लिए वर्तमान परीक्षण में केवल कुछ जीनों पर विचार किया गया, जिसमें बीआरसीए1, बीआरसीए2 और पीएएलबी2 शामिल हैं। हालांकि ये केवल स्तन कैंसर की पहचान करने के लिए काफी नहीं हैं। इसके लिए अभी भी अधिक जीनों की पहचान की जानी बाकी है।

मोदी-जिनपिंग मीटिंग पर भारत-चीन के अलग-अलग दावे : विदेश मंत्रालय ने कहा-

चीन की रिक्वेस्ट पर मुलाकात हुई; ड्रैगन बोला- भारत के कहने पर मिले लीडर्स

केप टाउन।
ब्रिक्स समिट के आखिरी दिन साउथ अफ्रीका में पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात हुई। चीनी विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि ये मीटिंग भारत की रिक्वेस्ट पर हुई है। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने चीन के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। फॉरेन मिनिस्ट्री ने बताया है कि चीन की तरफ से कई महीनों से बाइलेट्रल मीटिंग की रिक्वेस्ट पेंडिंग थी। इसके बाद ही दोनों नेताओं में बातचीत हुई। पीएम मोदी और शी जिनपिंग के बीच हुई बातचीत अनौपचारिक थी।

बॉर्डर विवाद पर चर्चा - चीन की फॉरेन मिनिस्ट्री ने कहा था कि मीटिंग के दौरान चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने दोनों देशों के बीच रिश्ते बेहतर करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा- दोनों नेताओं के बीच कैंडिड और इंडेप्थ बातचीत हुई। इस दौरान राष्ट्रपति जिनपिंग ने शांति और विकास के लिए अच्छे संबंधों को जरूरी बताया। साथ ही उन्होंने सीमा विवाद पर दोनों देशों की तरफ से सही अप्रोच होने की बात कही, जिससे शांति बनाई जा सके। वहीं पीएम मोदी ने लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर तनाव के मुद्दे को उठाया।

लद्दाख में सैनिकों की तैनाती कम करने पर सहमति बनी - शी जिनपिंग से चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि सीमा पर शांति जरूरी है, ताकि दोनों देशों के संबंध सामान्य रहें। दोनों नेताओं के बीच तनाव कम करने के लिए अधिकारियों के बीच चर्चा पर सहमति बनी। इससे पहले समिट के आखिरी दिन दोनों नेता प्रेस कॉन्फ्रेंस से ठीक पहले बातचीत करते नजर आए थे। कॉन्फ्रेंस के बाद मोदी और जिनपिंग ने हाथ भी मिलाया था। बाद में फॉरेन सेक्रेटरी विनय क्वात्रा ने बताया- मोदी और जिनपिंग इस बात पर सहमत हुए हैं कि लद्दाख में सैन्य तैनाती कम की जाएगी और तनाव कम किया जाएगा। इससे पहले नवंबर 2022 में पीएम मोदी और जिनपिंग ने इंडोनेशिया में हुई जी20 समिट में सीमा विवाद पर बात की थी, जिसकी जानकारी इस साल दी गई।

कांग्रेस का सवाल- किसकी शर्तों पर फैसला लिया - भारत-चीन के बीच लद्दाख में सैनिकों की तैनाती कम करने पर बनी सहमति पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 𝕏 (ट्विटर) पर पूछा है कि यह फैसला चीन की शर्तों पर लिया गया है या भारत की शर्तों पर। भारत की उस पोजिशन का क्या हुआ जिसमें हम अप्रैल 2020 के पहले वाले स्टेटस को बरकरार रखना चाहते थे। इसे बदलने पर हम कोई समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। अगले महीने होने वाली जी20 समिट का नाम लिए बगैर मनीष तिवारी ने लिखा कि हम ऐसे इंसान की मेजबानी करेंगे जिसने हमारे इलाके को हथिया लिया है।

14 अगस्त को हुई थी 19वीं कॉर्प्स कमांडर लेवल मीटिंग - इससे पहले 14 अगस्त को भारत और चीन के बीच मेजर जनरल और 19वीं कॉर्प्स कमांडर लेवल की बातचीत हुई थी। इस दौरान सीमा विवाद पर डिटेल में चर्चा की गई थी। मेजर जनरल पीके मिश्रा और मेजर जनरल हरिहरन ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था। बैठक में देपसांग प्लेन जंक्शन के मुद्दे का समाधान निकालने पर भी चर्चा हुई थी।

गलवान झड़प के बाद बढ़ा तनाव - भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी पर करीब 3 साल पहले 2020 में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 38 चीनी सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन इसे लगातार छिपाता रहा। गलवान घाटी पर दोनों देशों के बीच 40 साल बाद ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। गलवान पर हुई झड़प के पीछे की वजह यह थी कि गलवान नदी के एक सिरे पर भारतीय सैनिकों अस्थाई पुल बनाने का फैसला लिया था।

सुरजेवाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने को लेकर पुलिस में दी शिकायत

फरीदाबाद (हिंस)। राज्यसभा सांसद एवं कांग्रेसी नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा भाजपा के वोटरों और समर्थकों को राक्षस प्रवृति व लोगों को श्राप जैसे अपशब्द बोलने पर भाजपा कार्यकर्ता उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। शुक्रवार को भाजपा विधि प्रकोष्ठ के बैनर तले अधिवक्ता सेक्टर-12 सेंट्रल थाने पहुंचे। थाना प्रभारी को शिकायत देकर रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इस मौके पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ हरियाणा के सह संयोजक एडवोकेट प्रकाशवीर नागर, जिला संयोजक एडवोकेट राजकुमार तंवर मुख्य रूप से उपस्थित थे। थाना प्रभारी को शिकायत देने वाले अधिवक्ता अरुण कटोच ने अपनी शिकायत में बताया कि वह भारतीय जनता पार्टी का वोटर, समर्थक एवं कार्यकर्ता है तथा जिला एवं सत्र न्यायालय फरीदाबाद में प्रैक्टिस करते है। 13 अगस्त 2023 को कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने एक जनसभा कैथल में की थी। उस दौरान उन्होंने बोला कि भारतीय जनता पार्टी को जो वोट देते हैं और भारतीय जनता पार्टी के जो समर्थक हैं वो राक्षस प्रवृत्ति के व्यक्ति है। रणदीप सिंह सुरजेवाला ने जान-बुझकर अपने भाषण में भाजपा के वोटरों और समर्थकों को राक्षस प्रवृति व लोगों को श्राप जैसे अपशब्द बोलकर भाजपा के वोटर और समर्थकों का अन्य दलों के लोगों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्रजातंत्र देश है और यहां सभी लोगों को हक है कि वो किसी भी पार्टी के समर्थक हो सकते हैं। किसी को भी वोट दे सकते हैं और इस तरह के अपशब्द राक्षस प्रवृति के बोलने से सभी वर्ग के लोगो को मानसिक व सामाजिक क्षति हुई है। इसलिए रणदीप सिंह सुरजेवाला के खिलाफ भारतीय दण्ड सहिंता के आधीन मुकदमा दर्ज करके कानूनी कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर विपिन यादव, लक्षवर्धन सिंह, अरुण कटोच, मनीष चपराना, अमित कालरा, नरेश भाटी, कमल नागर, सी बी यादव, आमिर खान, राहुल, सहित सेंकड़ों अधिवक्ता मौजूद थे।

एनआईए ने पंजाब में खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह लांडा की जमीन जब्त की

चंडीगढ़ (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को पंजाब के तरनतारन क्षेत्र में खालिस्तानी आतंकवादी लखबीर सिंह लांडा की जमीन जब्त कर ली है। कुछ महीने पहले एनआईए ने कनाडा स्थित आतंकवादी लखबीर सिंह संधू उर्फ *लांडा* की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 15 लाख रुपए का नकद इनाम देने की घोषणा की थी, जो पंजाब में एक आतंकी मामले में वांछित है। मूल रूप से तरनतारन जिला निवासी लांडा की गिरफ्तारी का वारंट भी करीब छह माह पहले जारी किया गया था। लांडा के बारे में जानकारी है कि वह इस समय एडमॉन्टन, अल्बर्टा, कनाडा में रह रहा है। संधू 2022 में मोहाली में पंजाब पुलिस के खुफिया मुख्यालय पर हुए ग्रेनेड हमले के केस में वांछित है। एनआईए की जांच में पता चला है कि वह आतंकवादी समूह और विदेशी-आधारित आतंकवादी संगठन टारगेट कीलिंग और हिंसक अपराधों को अंजाम देने के लिए देश के उत्तरी राज्यों में सक्रिय संगठित अपराध गिरोहों के प्रमुखों और सदस्यों के साथ सहयोग कर रहा था। उसके खिलाफ पहली कार्रवाई दस साल से भी पहले आर्म्स एक्ट के तहत हुई थी। इससे पहले उस पर हत्या के प्रयास, हत्या और मादक पदार्थों की तस्करी सहित 18 आपराधिक मामले दर्ज हुए थे।

गन पॉइंट पर भाभी से चचेरे देवर ने किया रेप, 10 पर केस

पलवल (हिंस)। विवाहिता से दहेज में स्कॉर्पियो गाड़ी की मांग को लेकर मारपीट कर घर में बंधक बनाया गया। वहीं, गन पॉइंट पर देवर ने दुष्कर्म किया। विरोध करने व ससुरालजनों से शिकायत करने पर उल्टा उसके साथ ही मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। होडल थाना पुलिस ने शुक्रवार को विवाहिता की शिकायत पर उसके पति सहित दस के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार एक विवाहिता ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उसकी शादी 2011 में हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के पति, सास, ससुर व देवर दहेज में स्कॉर्पियो की मांग कर उसके साथ मारपीट करने लगे। शादी के बाद उसने एक बेटे व एक बेटी को जन्म दिया। बेटे के जन्म पर ससुरालजनों ने 10 लाख की मांग की, लेकिन नहीं देने पर उसे कमरे में बंधक बनाकर रखने लगे। उससे मोबाइल फोन लूट लिया व खाने को भी नहीं देते थे। इसी दौरान उसके सगे देवर ने उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने व ससुरालजनों से शिकायत करने पर उसके साथ ही यह कहकर मारपीट की कि तुम हमारे परिवार को बदनाम करना चाहती हो। पीड़िता का आरोप है कुछ दिन बाद उसके चचिया ससुर का बेटा (देवर) उसके घर आया। उसे अकेली देखकर हथियार के बल पर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने विरोध किया और ससुरालजनों को बताया तो उसके साथ ही मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया। वर्ष 2018 से वह अपने मायके में रह रही है। मायके में एक दिन उसका पति, ससुर व देवर आए और उसके साथ मारपीट कर धमकी देकर चले गए कि आज तो बच गई आइंदा जान से खत्म कर देंगे। कई बार पंच-पंचायत हुई, लेकिन आरोपी नहीं माने तो उसकी मां व मौसी उसे उसकी ससुराल छोड़ने गईं। उन्होंने घर में घुसते ही उसके साथ मारपीट की, उसकी मां व मौसी ने बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की की। ससुरालजनों की इन हरकतों से तंग आकर पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस से की।

किसान को समय पर बिजली ना मिलना सरकार की सबसे बड़ी नाकामी : विधायक बिहारीलाल

बीकानेर (हिंस)। जिले के नोखा से भाजपा विधायक बिहारीलाल ने शुक्रवार को बीकानेर में विद्युत निगम और राज्य सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कहां सरकार है! कहां विभाग है‌और कहां है मैन पॉवर। बीजेपी संभाग कार्यालय में हुए पत्रकार सम्मेलन में बिश्नोई राज्य सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि आज जब किसान को बिजली की सबसे ज्यादा जरुरत है, तब प्रदेशभर में बिजली का संकट खड़ा हो रखा है। यह सरकार की नाकामी का सबसे बड़ा उदाहरण है। विधायक ने कहा कि हालात यह है कि विद्युत निगम के अभियंता तक सरकार के रवैये से खफा है, उन्हें भी अपने हक के लिए जयपुर में विरोध प्रदर्शन करना पड़ा। तो गांवों में किसानों को बिजली के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। गांव-गांव में इन दिनों किसान विद्युत निगम के जीएसएस के आगे प्रदर्शन कर अपना रोष प्रकट कर रहे हैं। इसके बाद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। यह तब है जब ऊर्जा मंत्री बीकानेर जिले के है, पूर्व में भी यह विभाग बीकानेर के ही मंत्री के पास रहा है। किसानों की यह स्थिति केवल जिले में ही नहीं, प्रदेशभर के किसान बिजली की कमी से जूझ रहे है। विधायक ने रोष जताते कहा कि किसानों के आक्रोश की गूंज को विधानसभा तक ले गए है। लेकिन सरकार पर कोई असर नहीं है, वो तो कुंभकरणी नींद में सो रही है। विधायक बिहारी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने कृषि कनेक्शन के बहाने भी 1600 करोड़ का गड़बड़झाला हुआ है। विधानसभा में 23 हजार 309 मेगावाट विद्युत क्षमता के साथ राजस्थान को विद्युत की दृष्टि से आत्मनिर्भर करने की घोषणा करने वाली सरकार ने अब तक 6 बार विद्युत दरों में बढ़ोत्तरी की है। विधायक ने आरोप लगाया कि साढ़े चार साल तक औसतन 52 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल सरचार्ज वसूलने वाली सरकार की ओर से 100 यूनिट प्रतिमाह फ्री बिजली करने की घोषणा भी भ्रमित करने का प्रयास है। बिश्नोई ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों की वजह से प्रदेश के 1 करोड़ 39 लाख विद्युत उपभोक्ताओं को महंगी दरों पर बिजली देकर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया जा रहा है। वर्ष 2021 में 13 हजार 793 करोड़ तक की महंगी बिजली विद्युत कंपनियों से खरीदी। इसका परिणाम आज सामने है। विधायक बिहारी ने सीएम गहलोत को घेरते हुए कहा कि जब कोयले का संकट है, तो इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों को 6 प्रतिशत तक विदेश से कोयला खरीद करने की अनुमति दे रखी है। इसी की आड़ में प्रदेश की गहलोत सरकार फिर से महंगा कोयला खरीद रही है। पहले भी राज्य सरकार ने एक्ट की अवहेलना करते हुए अडानी समूह से करीब 1042 करोड़ का 5.79 लाख मीट्रिक टन कोयला 18 हजार रुपए प्रति मीट्रिक टन की लागत से एकल निविदा में खरीदा है। प्रेसवार्ता में देहात अध्यक्ष जालमसिंह भाटी व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पंजाब में राष्ट्रपति शासन के संकेत देकर राज्यपाल ने दी मुख्यमंत्री को चेतावनी

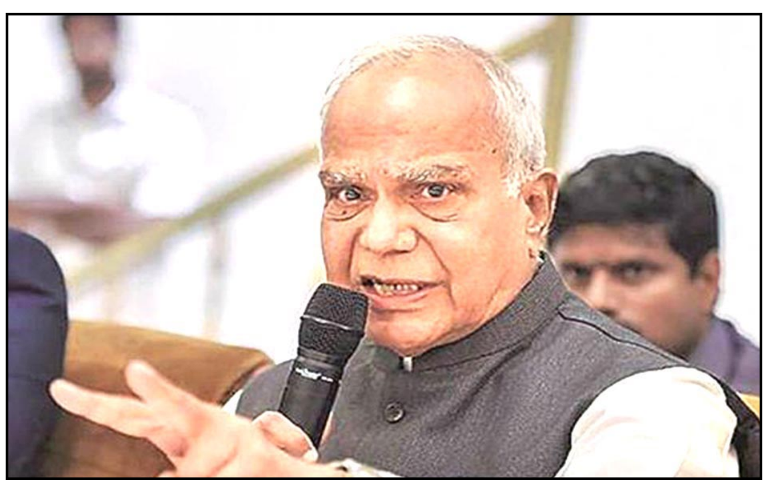

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच छिड़ा विवाद गहरा गया है। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने विभिन्न मुद्दों पर पत्र लिखकर मांगी गई जानकारी नहीं देने पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को अंतिम पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने पूरा मामला राष्ट्रपति के समक्ष उठाने तथा आपराधिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। राज्यपाल ने एक अगस्त को भी इसी तरह का पत्र लिखा था। प्रत्येक पत्र में उनकी भाषा बदल रही है और उनके संकेत राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की तरफ बढ़ रहे हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान को लिखे पत्र में राज्यपाल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 167 के स्पष्ट प्रावधानों के अंतर्गत मुख्यमंत्री के लिए राज्य के प्रशासनिक मामलों संबंधी मांगी गई सभी जानकारी उपलब्ध कराना अनिवार्य होता है। राज्यपाल ने कहा कि मांगी गई जानकारी देना तो दूर, सीएम ने अनावश्यक और अनुचित टिप्पणियां करके अशालीनता का प्रदर्शन किया है, जिसे न केवल मेरे व्यक्तिगत, बल्कि राज्यपाल कार्यालय के प्रति अत्यधिक शत्रुता और प्रहार के रूप में वर्णित किया जा सकता है। राज्यपाल ने कहा कि पंजाब में नशीले पदार्थों की बड़े पैमाने पर उपलब्धता और उपयोग के संबंध में विभिन्न एजेंसियों से रिपोर्ट मिली हैं। यह आम बात हो गई है कि वे दवा की दुकानों में उपलब्ध हैं और एक नया चलन अब यह देखा गया है कि वे सरकार नियंत्रित शराब की दुकानों में भी बेचे जा रहे हैं। हाल ही में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और चंडीगढ़ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए लुधियाना में ड्रग्स बेचने वाले 66 शराब के ठेकों को सील किया है। पंजाब में कानून व्यवस्था के चरमराने की ओर इस हद तक इशारा कर रहे हैं कि अब ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में सड़कों पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है और खुद को नशे से बचाने के लिए अपनी ग्राम रक्षा समितियां स्थापित करने का फैसला किया है। पत्र में उन्होंने कहा है कि राज्य में नशीले पदार्थों की समस्या के संबंध में सरकार की ओर से उठाए गए कदमों संबंधी जानकारी भेजी जाए। ऐसा न करने पर मेरे पास कानून और संविधान के अनुसार कार्रवाई करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं होगा।

जैन समाज करेगा आगामी माह में जैन महाकुंभ का आयोजन

जयपुर (हिंस)। जैन समाज की ओर से आगामी माह में जैन महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इस महाकुंभ में जैन समाज के कई बिंदुओं पर चर्चा करेंगे। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अध्यक्ष निर्मल सौगाणी ने बताया कि जैन समाज सामाजिक जागृति व समाज को सभी पार्टियों में उचित प्रतिनिधित्व देने व समाज को जागृत कर एक सूत्र में पिरोने के लिए जैन महाकुंभ का आयोजन करेगा। इस महाकुंभ में जैन समाज के सभी वर्गो को शामिल किया जायेगा। चाहे वह दिगंबर हो या श्वेताम्बर हो। इस महाकुंभ के जरिये समाज दोनों प्रमुख पार्टियों को बता देगा की किस प्रकार से समाज एक साथ है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को मिलेगी दो-दो सेट यूनीफॉर्म : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए यूनीफॉर्म खरीद के लिए 125.80 करोड़ रुपए के अतिरिक्त प्रावधान को स्वीकृति प्रदान की है। गहलोत की इस स्वीकृति से आंगनबाड़ी केंद्रों के तीन-छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को यूनीफॉर्म उपलब्ध हो सकेगी। गहलोत द्वारा दी गई स्वीकृति के अनुसार प्रत्येक बच्चे को 2 सेट रेडीमेड यूनिफॉर्म (दो टी-शर्ट एवं दो पेंट) उपलब्ध करवाई जाएगी। राज्य में 62 हजार से अधिक आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इनके लगभग 16.89 लाख बच्चों को यूनीफॉर्म उपलब्ध करवाई जाएगी। इस संबंध में ई-बिड जारी कर क्रय प्रक्रिया शुरु की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट वर्ष 2023-24 में इस संबंध में घोषणा की थी।

बकाया किराया व उधार दी गई राशि को लेने पहुंचे दंपति को बंधक बना बेरहमी से पीटा

जींद (हिंस)। गांव सरनाखेड़ी में बकाया किराया तथा उधार दी गई राशि को लेने पहुंचे दिल्ली के दंपत्ति को बंधक बना लिया गया और मारपीट की गई। किसी तरह पीड़ित परिवार ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दंपत्ति को चुंगल से छुड़ाया। सदर थाना सफीदों पुलिस ने घायल की शिकायत पर गांव के सरपंच समेत छह लोगों के खिलाफ मारपीट करने बंधक बनाने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बवाना दिल्ली निवासी अंजू ने सदर थाना सफीदों पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव सारनाखेड़ी निवासी कपिल वर्ष 2021 में उनके मकान में परिवार सहित दस हजार रुपए प्रतिमाह किराए पर रहा था। जिसका भुगतान कपिल ने नहीं किया। किरायेदार होने के नाते कपिल ने उनसे 4.50 लाख रुपए उधार भी लिए थे। जिसको भी कपिल ने वापस नहीं लौटाया था। फिर कपिल अचानक मकान को छोड़ कर अपने गांव आ गया। जब राशि नही दिए जाने पर वह अपने पति नवीन के साथ गाड़ी लेकर गांव सारनाखेड़ी पहुंचे तो कपिल तथा उसके परिजनों ने उन्हें मकान में बंधक बना लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने किसी तरह पुलिस को सूचना दी और आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया।

सब इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ने वाला भाजपा का मंडल अध्यक्ष गिरफ्तार

कैथल (हिंस)। दुकान को लेकर गुरुवार को हुए दो भाइयों के झगड़े के दौरान पूंडरी चौकी प्रभारी सब इंस्पेक्टर से हाथापाई कर वर्दी फाड़ने के मामले में पूंडरी पुलिस ने भाजपा के मंडल प्रभारी विनोद बंसल को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को भाजपा मंडल प्रभारी विनोद बंसल, उसकी पत्नी मोनिका व बेटे हिमांशु की पुलिस के सब चौकी पूंडरी प्रभारी एसआई शमशेर सिंह के साथ चौकी में तकरार हो गई थी। तीनों पर सब इंस्पेक्टर से हाथापाई करने और उसकी वर्दी फाड़ने का आरोप था। पूडरी पुलिस ने तीनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस चौकी पूंडरी प्रभारी एसआई शमशेर सिंह की शिकायत के अनुसार वीरवार को उनके पास फतेहपुर निवासी बलराज का फोन आया कि थाना पूंडरी के सामने उनकी दुकान है। जो उसके भाई भगवानदास के नाम है। वहां विनोद बंसल अपने परिवार को लेकर उस दुकान का ताला तोड़ने की कोशिश कर रहा है। इस सूचना पर वे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पर पारिवारिक सदस्यों का लड़ाई-झगड़ा चल रहा था। इसके बाद दोनों पक्ष थाने में आ गए और वहां बातचीत के दौरान विनोद बंसल, उसकी पत्नी और उसके बेटे ने पुलिस की कार्यवाही में दखल देते हुए न केवल उससे बदतमीजी की बल्कि उसकी वर्दी भी फाड़ दी और उन्हें देख लेने की धमकी दी। जिस बारे थाना पूंडरी में डयूटी में बाधा डालने व वर्दी फाड़ने का थाना पूंडरी में मामला दर्ज किया गया। इसी मामले की जांच करते हुए थाना पूंडरी प्रबंधक इंस्पेक्टर सुरेंद्र कुमार ने शुक्रवार को भाजपा मंडल प्रभारी विनोद बंसल को गिरफ्तार कर लिया। एसएचओ सुरेंद्र कुमार का कहना है कि उनकी पत्नी की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस कार्रवाई कर रही है।

बदला लेने की लिए की गई थी सुनारियां निवासी निकेतन की हत्या

रोहतक (हिंस)। गांव सुनारियां कलां निवासी निकेतन का मर्डर तीन साल पहले हुई हत्या का बदला लेने के लिए किया गया था। पुलिस मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकारा कि उन्होंने ही घर में घुसकर हत्याकांड को अजांम दिया था। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। शिवाजी कालोनी थाना प्रभारी निरीक्षक देशराज सिंह ने बताया कि 22 अगस्त को सूचना मिली थी कि गांव सुनारियां कलां में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी है। पुलिस ने इस मामले में मृतक के पिता के ब्यान पर केस दर्ज किया था। जांच में सामने आया कि सुनारियां निवासी निकेतन की हत्या को अंजाम में किसी जानकार का हाथ हो सकता है या फिर कोई रंजिश के चलते मर्डर हुआ है। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए अमृत कालोनी निवासी योगेश व सुनारियां कलां निवासी साहिल को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि निकेतन ने 2020 मे अपने ही गांव के लडके रोहित की पैसो के लेनदेन के चलते हत्या कर दी थी और इस मामले में निकेतन को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। हाल ही में कुछ दिन पहले ही निकेतन जमानत पर आया हुआ था और आरोपियों ने रोहित की हत्या का बदला लेने के लिए निकेतन का मर्डर किया था। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

बाजार एसोसिएशन आरएस पुरा सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने जम्मू बंद को दिया समर्थन

आरएस पुरा (हिंस)। बाजार एसोसिएशन आरएस पुरा की तरफ से क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर शुक्रवार को एक पत्रकार वार्ता का आयोजन कर जानकारी दी गई कि चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा कल यानि शनिवार को जम्मू बंद का पूरा समर्थन किया जाएगा और आरएस पुरा कस्बे के मुख्य बाजार की सभी दुकानें बंद रखी जाएंगी। इसके अलावा कस्बे में सरकार के खिलाफ आक्रोश रैली निकालने के साथ-साथ विरोध प्रदर्शन भी किए जाएंगे। आरएस पुरा में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान बाजार एसोसिएशन आरएस पुरा के प्रधान सचिन चोपड़ा, मुंसिफ कोर्ट बाजार संगठन के प्रधान मनदेव सिंह, एप्पल गुप्ता, सरपंच सुखदेव सिंह काला आदि ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सरोर टोल प्लाजा को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे युवा राजपूत सभा के सदस्यों की जल्द रिहाई करने तथा सरोर टोल प्लाजा को जल्द वहां से हटाने की मांग को लेकर चैंबर आफ कॉमर्स द्वारा शनिवार को जम्मू बंद की कॉल दी गई है और आरएस पुरा में भी दुकानदारों के साथ-साथ सभी सामाजिक संगठनों द्वारा इस बंद का पूरा सहयोग किया जाएगा। कस्बे में सभी दुकानों को बंद रखने के साथ-साथ कस्बे में शनिवार को विरोध प्रदर्शन भी किए जाएंगे। उन्होंने क्षेत्र के सभी गांव के लोगों से भी अपील करते हुए कहा कि वह एकजुट होकर सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन करें ताकि सरकार गिरफ्तार किए गए युवा राजपूत सभा के सदस्यों को रिहा करे। इसके अलावा टोल प्लाजा को हटाने के साथ-साथ स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया को भी जम्मू संभाग में पूरी तरह से बंद करें। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों को लेकर जम्मू के डोगरे पिछले कई दिनों से सड़कों पर हैं लेकिन हैरान करने वाली बात है कि सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा रही है और शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने पर भी लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंदोलन अब रुकने वाला नहीं है और अगर सरकार ने जल्द मांगों को पूरा नहीं किया तो आने वाले दिनों में भी आंदोलन जारी रखा जाएगा।

पश्चिमी हवा का असर बढ़ने और ट्रफलाइन खिसकने से बढ़ा बारिश का सूखा

राजस्थान में अब बरसात पर ब्रेक

जयपुर (हिंस)। मानसून का दूसरा चरण भी लगभग खत्म हो चुका है। मानसून पर एक बार फिर से ब्रेक लग गया है। अगले दो सप्ताह तक यह ब्रेक जारी रहेगा। खास बात यह है कि मानसून के दूसरे चरण से पहले प्रदेश के 8 जिलों में 20 प्रतिशत से अधिक बरसात कम हुई थी। दूसरा फेज भी इन जिलों में यह कमी पूरी नहीं कर पाया है। कुछ जिलों में अभी भी बरसात का आंकड़ा सामान्य से 20 फीसदी से ज्यादा कम है। बांसवाड़ा, बारां, बूंदी, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, झालावाड़, कोटा, प्रतापगढ़ में अभी भी औसत के मुकाबले कम बरसात हुई है। सबसे ज्यादा कमी बारां में 39 प्रतिशत व डूंगरपुर में 33 प्रतिशत है। राजस्थान में पिछले एक सप्ताह से पूर्वी हिस्सों में लगातार हो रही अच्छी बरसात का दौर शुक्रवार शाम से थम जाएगा। अगले एक सप्ताह तक राज्य में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान में अगले एक सप्ताह तक मानसून की अच्छी बारिश का कोई बड़ा मौसमी सिस्टम सक्रिय होने की संभावना नहीं है। हालांकि, पूर्वी हिस्सों में कहीं-कहीं नमी होने के कारण स्थानीय स्तर पर बादल बनने से हल्की बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मानसून ट्रफ लाइन अब वापस खिसककर उत्तर दिशा में हिमालय की पहाड़ियों पर आ गई है। इसके साथ ही राजस्थान में पश्चिमी हवा का असर बढ़ गया है। इस कारण एक अब राजस्थान में अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क बना रहेगा। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के जिलों में मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहेगा। यहां आज से धूप निकलेगी और स्थानीय स्तर पर सुबह-शाम हल्की ठंडी हवाएं चल सकती है। पिछले 24 घंटे में पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर, जयपुर, दौसा के अलावा दक्षिणी राजस्थान में डूंगरपुर, उदयपुर एरिया में कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी हुई। जबकि शेष राज्य में मौसम शुष्क रहा। राजधानी जयपुर में दिनभर आसमान में बादल छाए और ग्रामीण इलाकों में कुछ जगह बूंदाबांदी हुई। बादल छाने और हवाएं चलने से जयपुर में लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली। पश्चिमी राजस्थान में जून-जुलाई में खूब बरसात हुई मगर अगस्त लगभग पूरा ही सूखा बीता है। बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जालोर में न के बराबर बरसात हुई है। वहीं पूर्वी राजस्थान के कुछ जिलों में दूसरे चरण में अच्छी बरसात से अभी बढ़त का कोटा बना हुआ है।

भारत की विकास यात्रा तय करेगी दुनिया का भविष्य : चंद्रशेखरन बोले इंडिया 10 साल में 7प्रतिशत की एवरेज ग्रोथ हासिल करने की राह पर

नई दिल्ली।
टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार (25 अगस्त) को जी20 समिट इंडिया 2023 में कहा कि भारत 10 साल में 7प्रतिशत की एवरेज ग्रोथ हासिल करने की राह पर है। ग्लोबल वैल्यू चैन में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए भारत बहुत अच्छी स्थिति में है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि भारत की विकास यात्रा ही दुनिया का भविष्य तय करेगी। नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा, भारत में ऐसी कई चीजें हैं जो उसके पक्ष में जाती हैं। पीएम गति शक्ति, पीएलआई स्कीम्स, कॉर्पोरेट टैक्सों में कटौती, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टार्टअप्स भारत को जी20 देशों के बीच सबसे बेस्ट बनाए रखने में मदद कर रहे हैं। हम सभी स्थिरता और इनोवेशन के लिए प्रतिबद्ध हैं। भारत की विकास यात्रा यानी ग्रोथ जर्नी दुनिया के भविष्य (फ्यूचर) को आकार (शेप) देगी।

अगले 10 सालों में 7प्रतिशत की एवरेज ग्रोथ हासिल करने की राह पर भारत - चंद्रशेखरन ने कहा, भारत अगले 10 सालों में 7प्रतिशत की एवरेज ग्रोथ हासिल करने की राह पर है। दुनिया तीन महत्वपूर्ण बदलावों डिजिटल और इंटेलिजेंस ट्रांजिशन, एनर्जी ट्रांजिशन और ग्लोबल वैल्यू एंड सप्लाई चैन ट्रांजिशन से गुजर रही है। ग्लोबल वैल्यू चैन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भारत बहुत अच्छी स्थिति में है। सरकारी रियायतों और टैक्स में कटौती से जी-20 में भारत का कद बढ़ रहा है। टाटा ग्रुप के चेयरमैन ने आगे कहा, हमारे पास लगभग 110 पॉलिसी एडवोकेसी सेशन हैं। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि हमारे पास रिकमेंडेशंस यानी सिफारिशों का एक बहुत मजबूत सेट है - 54 रिकमेंडेशंस, 9 टीमों में 172 पॉलिसी एक्शंस। उन्होंने कहा, रिकमेंडेशंस पर सबसे पहले जो विषय के रूप में सामने आया वो कॉन्सेप्ट ऑफ इंक्लूजन था, जिसमें फाइनेंस, इक्विटेबल डेवलपमेंट और एजुकेशन तक पहुंच शामिल है। हम जेंडर डायवर्सिटी पर उल्लेखनीय प्रगति देखना चाहते हैं। हमने ग्लोबल रिकवरी के लिए फाइनेंसिंग की सिफारिश की है, एमएसएमई को सहायता प्रदान की है ताकि वे ग्लोबल ग्रोथ में योगदान दे सकें।

चंद्रयान-3 की सफलता और ईसरो की उपलब्धि पर क्या बोले चंद्रशेखरन - चंद्रयान-3 की सफलता और ईसरो की उपलब्धि का जिक्र करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा, चंद्रमा लंबे समय से सिंबल ऑफ एस्पिरेशन यानी आकांक्षा का प्रतीक रहा है। आज हम चंद्रमा को एक अलग रोशनी में देखते हैं।

न्यूज ब्रीफ

अगले 17 साल में 1150प्रतिशत बढ़ेगी हमारी स्पेस इकोनॉमी: अभी यह 66,400 करोड़ रुपए, रूस-चीन से दूर हो रही दुनिया

नई दिल्ली। भारत का चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना असाधारण घटना है। तमाम जोखिमों के बावजूद यहां लैंडिंग ने इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन को वैश्विक अंतरिक्ष दौड़ में उभरता हुआ सितारा बना दिया है। रूस के ताजा मिशन के फेल होने से भी इसरो का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष बाजार में दबदबा बढ़ गया है। मल्टीनेशनल मैनेजमेंट कंसल्टेंसी आर्थर डी लिटिल की ताजा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ग्लोबल स्पेश इंडस्ट्री महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है। सरकार के नेतृत्व वाले कार्यक्रमों से लेकर निजी क्षेत्र इसका नेतृत्व कर रहे हैं। भारत में उभरता हुआ स्पेसटेक स्टार्टअप इस बदलाव का एक उदाहरण है। एडीएल की स्पेश में भारत: 2040 तक 100 अरब डॉलर की इंडस्ट्री' शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार, 2040 तक भारत की अंतरिक्ष इकोनॉमी 8 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है, जो अभी लगभग 66,400 करोड़ रुपए है, यानी 17 साल में 1150प्रतिशत का जबर्दस्त उछाल आने की उम्मीद है। रूस और चीन लंबे समय से लॉन्च के लिए कम लागत वाले विकल्प उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन यूक्रेन युद्ध ने रूस की भूमिका खत्म कर दी है। बीते साल सितंबर में रूस ने ब्रिटिश सैटेलाइट स्टार्टअप वनवेब के 36 अंतरिक्ष यान जब्त कर लिए। इससे उसे 230 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ। इसके बाद वनवेब ने अपने उपग्रह भेजने के लिए इसरो का रुख किया। ऐसे ही, अमेरिकी सरकार द्वारा चीन की तुलना में भारत के जरिए किसी भी यूरोपीय व अमेरिकी कंपनी को सैन्य-ग्रेड तकनीक भेजने के लिए मंजूरी देने की अधिक संभावना होगी।

28 साल का हो गया माइक्रोसॉफ्ट का विंडोज 95: फाउंडर बिल गेट्स ने कहा हैप्पी बर्थडे; कुछ यादें हमेशा तुम्हारे साथ रहती हैं

नई दिल्ली। 24 अगस्त को माइक्रोसॉफ्ट का विंडोज-95, 28 साल का हो गया। इस मौके पर फाउंडर बिल गेट्स ने लगभग तीन दशक पहले इसके लॉन्च पार्टी की एक जीआईएफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर शेयर किया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। अपनी पोस्ट में उन्होंने ने लिखा- हैप्पी बर्थडे विंडोज कुछ यादें हमेशा तुम्हारे साथ रहती हैं, 28 सालों से लोग तुम्हें इंटरनेट पर फॉलो कर रहे हैं। इस जीआईएफ में बिल गेट्स कंपनी के पूर्व सीईओ स्टीव बाल्मर के साथ डांस करते नजर आ रहें हैं। उनके साथ स्टेज पर तब के कई फेमस स्टार्स भी मस्ती करते नजर आ रहें है। विंडोज का पहला यूजर वर्जन विंडोज1.0 20 नवंबर 1985 में लॉन्च हुआ था। तब से अब तक माइक्रोसॉफ्ट विंडो के कई वर्जन रिलीज हो चूके हैं। इनमें से विंडोज 11 सबसे नया है, जिसे कंपनी ने अक्टूबर 2021 में लॉन्च किया था। फिलहाल कंपनी इसके अगले वर्जन विंडोज 12 पर काम कर रही है। 24 अगस्त 1983 को माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स ने विंडो 1.0 लॉन्च करने का ऐलान किया था। हालांकि इसके पहले विंडो की शुरुआत हो चुकी थी, लेकिन यूजर्स के लिए यह अवेलेबल नहीं था। पहले इसका नाम एमएस विन्डोज या माइक्रोसॉफ्ट डिस्क ऑपरेटिंग सिस्टम था। इसे करीब 2 साल बाद 1985 में लॉन्च कर दिया गया था। विन्डोज के फाउंडर बिल गेट्स इसका नाम इंटरफेस मैनेजर रखना चाहते थे। लेकिन, कंपनी के मार्केटिंग ऑफिसर रोलैंड हैंसन ने इसका नाम विंडोज दिया।

200 की जगह अब 500 रुपये तक कर सकेंगे ऑफलाइन भुगतान, आरबीआई ने जारी किया सर्कुलर

मुंबई। इंटरनेट से वंचित या कमजोर सिग्नल वाले इलाकों में भी लोग अब यूपीआई लाइट वॉलेट के जरिये 500 रुपये तक ऑफलाइन भुगतान कर सकेंगे। इसके लिए आरबीआई ने बृहस्पतिवार को यूपीआई लाइट वॉलेट के जरिये ऑफलाइन भुगतान की अधिकतम राशि को 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया। हालांकि, किसी भुगतान मंच पर इस सुविधा के जरिये अब भी कुल 2,000 रुपये तक ही लेनदेन किया जा सकता है। केंद्रीय बैंक ने ऑफलाइन माध्यम से छोटी राशि वाले डिजिटल भुगतान की सीमा बढ़ाने संबंधी परिपत्र में कहा, छोटे मूल्य के लेनदेन को बढ़ाने के लिए ऑफलाइन भुगतान की ऊपरी सीमा को बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है।

सबसे शक्तिशाली रॉकेट के पीछे ईसरो चेयरमैन सोमनाथ का हाथ

अवॉर्ड मनी तक दान कर चुके हैं, आज तक किसी भी मीटिंग में देर से नहीं पहुंचे

नई दिल्ली।
अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी दुनिया में इस समय केवल भारत के चंद्रयान मिशन-3 की ही चर्चा है। बुधवार को इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन के चंद्रयान के चांद पर सफलता पूर्वक पहुंचते ही इसके चेयरमैन एस सोमनाथ भी सुर्खियों में आ गए हैं। स्वभाव से बेहद ही सरल सोमनाथ आज भी अपनी जड़ों से जुड़े हैं। उन्होंने केरल के वलमंगलम में पैतृक संपत्ति पर घर बना रखा है जहां आज भी वे अक्सर जाते रहते हैं। यहां वे मुंडू (धोती) और शर्ट पहनकर जाते हैं। एपीजे अब्दुल कलाम टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस चांसलर और सोमनाथ के जूनियर डॉ. एस अयूब बताते हैं कि वे किसी भी मीटिंग में आज तक देरी से नहीं पहुंचे। पुरानी बात को याद करते हुए अयूब बताते हैं कि टीकेएम कॉलेज की तरफ से सोमनाथ को पहला थंगल कुंजू मुसलियार लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया था, जिसकी अवॉर्ड मनी भी उन्होंने दान कर दी थी। कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सीखने के लिए संस्कृत काफी फायदेमंद सोमनाथ इसी साल उज्जैन की महर्षि पाणिनी संस्कृत और वैदिक यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए थे। वहां उन्होंने कहा था संस्कृत भाषा वैज्ञानिक विचारों को आगे बढ़ाने में इस्तेमाल की जाती थी। कंप्यूटर की भाषा भी संस्कृत है। जो लोग कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सीखना चाहते हैं, उनके लिए संस्कृत काफी फायदेमंद हो सकती है। शुरुआती जीवन : सूरज, चांद के प्रति बचपन से ही था आकर्षण एस सोमनाथ का पूरा नाम श्रीधर पणिक्कर सोमनाथ है। उनका

जन्म केरल के अलापुझा जिले में हिंदी भाषा के शिक्षक वेदमपराम्बिल श्रीधर सोमनाथ के घर हुआ था। इनकी माता थैंकम्मा गृहिणी थीं। उनकी शुरुआती शिक्षा स्थानीय स्कूल में हुई। उसके बाद सोमनाथ ने केरल के कोल्लम स्थित टीकेएम कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और बेंगलुरु के इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस से पोस्ट ग्रेजुएशन किया। वो यहां गोल्ड मेडलिस्ट रहे। सोमनाथ ने बताया, जब मैं स्कूल में था तो दूसरों की तरह मैं भी स्पेस के प्रति बहुत आकर्षित था। सूरज, चांद और तारों को लेकर मेरी भी बहुत सी जिज्ञासाएं थीं। हिंदी टीचर होने के बावजूद पिता की साइंस में बहुत रुचि थी। वे एस्ट्रोनॉमी से जुड़ी किताबें लाकर मुझे देते। मैंने उस समय वो किताबें पढ़ीं।

करियर : स्पेस सेंटर से की शुरुआत, इसरो चीफ के पद तक पहुंचे

1985 में एस सोमनाथ विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर से जुड़े। यह इसरो का प्रमुख केंद्र है जो लॉन्च व्हीकल के डिजाइन तैयार करता है। उस समय (पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल) प्रोग्राम शुरू हो रहा था। इंजीनियर की भर्ती चल रही थी। वे फाइनल ईयर के छात्र थे। अपने कुछ साथियों के साथ उन्होंने अप्लाय किया, जिसमें उनका चयन हो गया। वे कई विषयों के एक्सपर्ट हैं। लॉन्च व्हीकल डिजाइनिंग जानते हैं, उन्होंने लॉन्च व्हीकल सिस्टम इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल डिजाइन, स्ट्रक्चरल डायनेमिक्स, मैकेनिज्म डिजाइन और पायरोटेक्नीक में विशेषज्ञता हासिल की है। वो देश के सबसे शक्तिशाली स्पेस रॉकेट जीएसएलवी एमके-3 लॉन्चर को डेवलप करने वाले वैज्ञानिकों की टीम की अगुआई कर चुके हैं। वे 2010 से 2014 तक सोमनाथ जीएसएलवी एमके-3 प्रोजेक्ट के निदेशक रहे। इस स्पेस क्राफ्ट से सैटलाइट लॉन्च की जाती है। 2015 में वे लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर में डायरेक्टर बने जो कि लॉन्च व्हीकल और स्पेस कार्यक्रम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने लगभग सभी महत्वपूर्ण परियोजनाओं जैसे चंद्रयान-1, चंद्रयान-2 और भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन- गगनयान के लिए काम किया है। 14 जनवरी 2022 से वे इसरो चीफ हैं।

वेदों से मिले हैं अंतरिक्ष विज्ञान के सिद्धांत

एस सोमनाथ सिनेमा के बड़े प्रसंशक हैं। फिल्म सोसायटी ऑफ तिरुअनंतपुरम के मेंबर रहे हैं। उज्जैन में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि अलजेबरा, समय के सिद्धांत, आर्किटेक्चर और यहां तक कि अंतरिक्ष विज्ञान के सिद्धांत भी वेदों से मिले थे। 1994 में, रॉकेट में समस्या के कारण बहुप्रतीक्षित लॉन्च में देरी हो रही थी। तब युवा सोमनाथ ने कुछ मिनट में ही उसे ठीक कर तैयार कर दिया था।

2022 में पद्मश्री से सम्मानित किए जा चुके हैं

2014 में परफॉर्मेंस एक्सिलेंस अवार्ड और टीम एक्सिलेंस अवार्ड मिल चुका है। एस्ट्रोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया उन्हें स्पेस गोल्ड मेडल से सम्मानित कर चुकी है।

लेक्ट्रिक्स ईवी का एलएक्सएस मूनशाइन लिमिटेड एडिशन स्कूटर लॉन्च

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए ईसरो को दिया ट्रिब्यूट, कीमत 97,999

नई दिल्ली।
भारतीय स्टार्टअप कंपनी लेक्ट्रिक्स ईवी ने एलएक्सएस इलेक्ट्रिक स्कूटर का मूनशाइन लिमिटेड एडिशन लॉन्च किया है। कंपनी ने इस ईवी की लॉन्चिंग के साथ चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग को ट्रिब्यूट दिया है। कंपनी एलएक्सएस मूनशाइन लिमिटेड एडिशन की सिर्फ 384 यूनिट का प्रोडक्शन करेगी। ईवी के इस स्पेशल एडिशन की एक्स-शोरूम कीमत 97,999 रुपए है। एलएक्सएस मूनशाइन लिमिटेड एडिशन : डिजाइन और कंफर्ट फीचर्स एलएक्सएस मूनशाइन लिमिटेड एडिशन अपने स्टैंडर्ड लेक्ट्रिक्स एलएक्सएस 2.0 पर बेस्ड है और इसमें सिर्फ कुछ कॉस्मेटिक चेंजेस किए गए हैं। इलेक्ट्रिक स्कूटर के मैकेनिज्म में कोई बदलाव नहीं किए गए हैं। कंफर्ट राइडिंग के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर में टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में कॉइल स्प्रिंग सस्पेंशन दिए गए हैं। ब्रेकिंग के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर में फ्रंट और रियर में ड्रम ब्रेक मिलते हैं, जो कॉम्बी-ब्रेकिंग सिस्टम के साथ कनेक्ट किए गए हैं। एलएक्सएस मूनशाइन लिमिटेड एडिशन : परफॉर्मेंस लेक्ट्रिक्स एलएक्सएस मूनशाइन लिमिटेड एडिशन में 1200 की इलेक्ट्रिक मोटर दी गई है। कंपनी का दावा है कि एलएक्सएस मूनशाइन 5 सेकेंड में 0-25 की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है। इसकी टॉप स्पीड 50 है। एलएक्सएस मूनशाइन लिमिटेड एडिशन : बैटरी और रेंज 48 वोल्ट की लीथियम-आयन बैयरी दी गई है। कंपनी का दावा है कि इलेक्ट्रिक स्कूटर फुल चार्ज पर 89 किमी की रेंज देता है और इसे 3 से 4 घंटे में पूरी तरह चार्ज किया जा सकता है। भारत में ये इलेक्ट्रिक स्कूटर एक लाख रुपए से कम कीमत वाले सेगमेंट में ओला, प्योर ईवी, हीरो इलेक्ट्रिक, ओकिनावा, ओकाया और जॉय की इलेक्ट्रिक स्कूटरों को टक्कर देगा। ओला और हीरो की गाड़ियों से मुकाबला भारत में ये इलेक्ट्रिक स्कूटर एक लाख रुपए से कम कीमत वाले सेगमेंट में ओला, प्योर ईवी, हीरो इलेक्ट्रिक, ओकिनावा, ओकाया और जॉय की इलेक्ट्रिक स्कूटरों को टक्कर देगा।

शेयर बाजार में निवेश बढ़ाना चाहता है ईपीएफओ : ईटीएफ से हुई कमाई को फिर से बाजार में निवेश करेगा, वित्त मंत्रालय के साथ शुरू की बातचीत

नई दिल्ली।
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड से होने वाली इनकम को फिर से शेयर बाजार में निवेश करना चाहता है। इसके लिए ईपीएफओ ने वित्त मंत्रालय के साथ बातचीत शुरू कर दी है। एक रिपोर्ट में इसके बारे में जानकारी दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईपीएफओ ने मार्केट की अस्थिरता का लाभ उठाते हुए रिटर्न बढ़ाने के लिए यह सुझाव दिया है। इससे पहले मार्च के अंतिम हफ्ते में हुई मीटिंग के दौरान सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने ईपीएफओ के इस कदम को मंजूरी दी थी। वर्तमान में ईपीएफओ अपनी इनकम का 5-15प्रतिशत तक का पैसा ईटीएफ के जरिए शेयर बाजार में निवेश कर सकता है।

क्या-क्या बदलाव चाहता है ईपीएफओ

ईपीएफओ एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड से डेली यूनिट्स रिडीम करने की अनुमति चाहता है, जिससे जरूरत होने पर वह कभी शेयर बाजार से पैसा निकाल सके। अभी निश्चित पीरियड के बाद ही पैसा निकालने की अनुमति है। अभी ईटीएफ के रिटर्न को सेंसेक्स के औसत 4 साल के रिटर्न के मुकाबले बेंचमार्क किया जाता है, लेकिन संगठन ने इस अवधि को 5 साल तक बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है।

ईटीएफ क्या होता है

एक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड अलग-अलग सिक्योरिटीज का एक बंडल होता है, जिसमें स्टॉक्स, बॉन्ड, करेंसी, इंडेक्स, सेक्टर और कोमोडिटीज सहित अन्य निवेश के ऑप्शन शामिल होते हैं। ईटीएफ का उद्देश्य निवेशकों को कम लागत में मल्टीपल प्रॉपर्टी में निवेश करने का ऑप्शन देना है। एक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड एक म्यूचुअल फंड की तरह है, लेकिन म्यूचुअल फंड के विपरीत, ईटीएफ को ट्रेडिंग अवधि के दौरान किसी भी समय बेचा जा सकता है। ईपीएफओ अगस्त 2015 से ईटीएफ में निवेश कर रहा है। संगठन वर्तमान में करीब 1.25 लाख करोड़ रुपए शेयर मार्केट में निवेश किया है।

हीरो ग्लैमर 82 हजार की शुरुआती कीमत में लॉन्च: 63केएमपीएल के माइलेज का दावा, होंडा एसपी125 और शाइन को देगी टक्कर

नई दिल्ली।
हीरो मोटोकॉर्प ने नई 125 बाइक हीरो ग्लैमर को लॉन्च किया। कंपनी ने नई ग्लैमर को डिजाइन अपडेट, नए फीचर्स और अपडेटेड इंजन के साथ पेश किया है। भारतीय बाजार में बाइक अपने सेगमेंट में होंडा एसपी 125, होंडा शाइन, राइडर और बजाज पल्सर 125 को टक्कर देगी। भारतीय टू-व्हीलर मैन्युफैक्चर्र का दावा है कि बाइक एक लीटर ई-20 पेट्रोल में 63 किलोमीटर चल सकती है। नई ग्लैमर दो वैरिएंट ड्रम और डिस्क में पेश की गई है। ड्रम वैरिएंट की कीमत 82,348 रुपए और डिस्क वैरिएंट की कीमत 86,348 रुपए (दोनों एक्स-शोरूम) हैं।

न्यू ग्लैमर 125 : परफॉर्मेंस

नई हीरो ग्लैमर में परफॉर्मेंस के लिए 125 का सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है जो 7500 आरपीएम पर 10.6 की पावर और 6000 आरपीएम पर 10.6 का

टॉर्क जनरेट करता है। ये इंजन 2 नॉर्म्स के अनुसार ई20 पेट्रोल कंपेटेबल है। इंजन को 5 स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स के साथ ट्यून किया गया है। कंपनी का दावा है कि बाइक 63केएमपीएल का माइलेज देती है। बाइक में (आइडल स्टॉप-स्टार्ट सिस्टम) भी मिलता है।

न्यू ग्लैमर 125 : डिजाइन और कलर ऑप्शन

नई ग्लैमर अपने मौजूदा मॉडल के जैसी ही दिखती है। इसमें कलर ग्राफिक्स और कुछ कॉस्मैटिक चेंजेस नजर आते हैं। बाइक में श्राउड्स के साथ मस्क्यूलर फ्यूल टैंक और सिंगल-पॉड रिफ्लेक्टर हेडलाइट सेटअप दिया गया है। बाइक में सिंगल पीस ग्रैल रेल के साथ सिंगल पीस सीट और न्यू डिजाइन अलॉय व्हील मिलते हैं। बाइक के साथ तीन नए कलर ऑप्शन- कैंडी ब्लेजिंग रेड, टेक्नो ब्लू-ब्लैक और स्पोर्ट्स रेड-ब्लैक मिलते हैं।

न्यू ग्लैमर 125 : कंफर्ट फीचर

कंफर्ट राइडिंग के लिए बाइक में टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और रियर में ट्विन रियर स्प्रिंग्स सस्पेंशन दिए गए हैं। ब्रेकिंग के लिए बाइक के फ्रंट में ड्रम और डिस्क ब्रेक का ऑप्शन मिलता है। वहीं रियर में सिर्फ ड्रम ब्रेक यूनिट दी गई है।

हीरो का कहना है कि उसने बाइक पर आसानी से बैठने के लिए राइडर की सिटिंग पॉजीशन की हाइट को 8 और रियर सीट पॉजीशन को 17 कम किया है। इसमें 170 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस मिलता है।

29 अगस्त को आएगी 100प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाली कार

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी टोयोटा की कार करेंगे अनवील

नई दिल्ली।
केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 29 अगस्त को 100प्रतिशत एथेनॉल फ्यूल पर चलने वाली कार अनवील करेंगे। कार की डिटेल्स फिलहाल सामने नहीं आईं हैं, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ये टोयोटा की इनोवा या कैमरी हो सकती हैं। गडकरी ने दिल्ली में हुए एक इवेंट में कहा, 29 अगस्त को मैं फ्लेक्स फ्यूल पर बेस्ड टोयोटा की कार लॉन्च करुंगा। ये 100प्रतिशत बायोएथेनॉल पर चलने वाली कार होगी। इस फ्यूल से कार हाइब्रिड सिस्टम के लिए 40प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी जनरेट कर सकती है। उन्होंने बताया कि यह कार दुनिया की पहली बीएस6 फेज-2 इलेक्ट्रिफाइड फ्लेक्स-फ्यूल कार होगी। ऑयल इम्पोर्ट पर 16 लाख करोड़ रुपए खर्च होता है गडकरी ने कहा यह फ्यूल पेट्रोलियम के इम्पोर्ट पर होने वाले खर्च को बचा सकता है। अगर हमें आत्मनिर्भर बनना है तो ऑयल इम्पोर्ट को जीरो पर लाना ही होगा। फिलहाल देश इस पर 16 लाख करोड़ रुपए खर्च करता है, जो हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा नुकसान है।

पेट्रोल से आधी कीमत है एथेनॉल की - गडकरी ने कहा, एथेनॉल की कीमत 60 रुपए प्रति लीटर है और यह कार 15 से 20 केएमपीएल का माइलेज दे सकती है। इससे यह पेट्रोल की तुलना में कहीं अधिक किफायती है, जो वर्तमान में लगभग 120 रुपए प्रति लीटर पर बिकता है।

हाइड्रोजन से चलने वाली टोयोटा मिराई की थी लॉन्च - गडकरी लगातार ऑप्शनल फ्यूल और ग्रीन एनर्जी से चलने वाली गाड़ियों को बढ़ावा दे रहे हैं। नितिन गडकरी ने पिछले साल टोयोटा के फ्लेक्स-फ्यूल पायलट प्रोजेक्ट को हरी झंडी दिखाई थी, तब कंपनी ने टोयोटा कोरोला हाइब्रिड को पेश किया था। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने हाइड्रोजन से

चलने वाली कार टोयोटा मिराई को भी लॉन्च किया था।

मारुति भी फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल पर काम कर रही - टोयोटा के अलावा मारुति भी फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों पर काम कर रही है। कंपनी ने इस साल जनवरी में ऑटो एक्सपो में वैगन आर प्रोटोटाइप को पेश किया था। ये कार 85प्रतिशत एथेनॉल मिक्स फ्यूल पर चल सकती है।

क्या होता है एथेनॉल - एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है, जो स्टार्च और शुगर के फर्मेंटेशन से बनाया जाता है। इसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में इको-फ्रैंडली फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने के रस से होता है, लेकिन स्टार्च कॉन्टेनिंग मटेरियल्स जैसे मक्का, सड़े आलू, कसावा और सड़ी सब्जियों से भी एथेनॉल तैयार किया जा सकता है।

1जी एथेनॉल : फर्स्ट जनरेशन एथेनॉल गन्ने के रस, मीठे चुकंदर, सड़े आलू, मीठा ज्वार और मक्का से बनाया जाता है।

2जी एथेनॉल : सेकंड जनरेशन एथेनॉल सेल्युलोज और लिग्नोसेल्यूलोसिक मटेरियल जैसे - चावल की भूसी, गेहूं की भूसी, कॉर्नकॉब (भुट्टा), बांस और वुडी बायोमास से बनाया जाता है।

3जी बायोफ्यूल : थर्ड जनरेशन बायोफ्यूल को एलगी से बनाया जाएगा। अभी इस पर काम चल रहा है।

एथेनॉल मिलाने से क्या फायदा है - पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने से पेट्रोल के उपयोग से होने वाले प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी। इसके इस्तेमाल से गाड़ियां 35प्रतिशत कम कार्बन मोनोऑक्साइड का उत्सर्जन करती है। सल्फर डाइऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन का उत्सर्जन भी एथेनॉल कम करता है। एथेनॉल में मौजूद 35प्रतिशत ऑक्सीजन के चलते ये फ्यूल नाइट्रोजन ऑक्साइड के उत्सर्जन को भी कम करता है।

आम आदमी को क्या फायदा : एथेनॉल मिलावट वाले पेट्रोल से चलने वाली गाड़ी पेट्रोल के मुकाबले बहुत कम गर्म होती हैं। एथेनॉल में अल्कोहल जल्दी उड़ जाता है, जिसके चलते इंजन जल्द गर्म नहीं होता है। इसके अलावा ये कच्चे तेल के मुकाबले काफी सस्ता पड़ेगा। इससे भी महंगाई से राहत मिलने की उम्मीद है।

किसानों को फायदा : एथेनॉल का इस्तेमाल बढ़ने से किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी। क्योंकि एथेनॉल गन्ने, मक्का और कई दूसरी फसलों से बनाया जाता है। चीनी मिलों को कमाई का एक नया जरिया मिलेगा और कमाई बढ़ेगी।

टेलीविजन पर क्या करना चाहिए मैंने सीख लिया : डेजी शाह

अभिनेत्री डेजी शाह रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में प्रतिभागी हैं। रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में प्रतिभागी डेजी शाह को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि खतरों के खिलाड़ी करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म जय हो से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेत्री को शिव ठाकरे और स-उंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया। अभिनेत्री ने शो खतरों के खिलाड़ी में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था। शो में अपने विभिन्न स्टंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, स्टंट शुरू करने से ठीक पहले एक तितली जैसा एहसास होता है लेकिन फिर आपको रोहित सर की आवाज सुनाई देती है कि आप यह कर सकते हैं। यह आपको स्टंट करने के लिए प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने इस शो के साथ बहुत अच्छी यादें और दोस्त बनाए हैं।

दीपिका पादुकोण के प्रशंसक हैं दुलकर सलमान

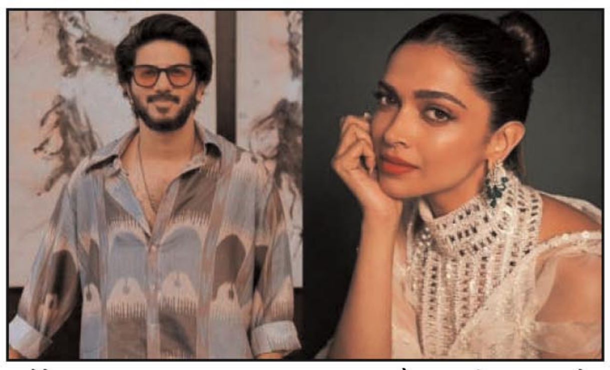

बालीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को लेकर दक्षिण के अभिनेता दुलकर सलमान ने बडा खुलासा किया। दुलकर ने कहा कि वह दीपिका के बहुत बड़े प्रशंसक हैं। वहीं यह पूछे जाने पर कि मिलने पर वह दीपिका को क्या देंगे, उन्होंने खुलासा किया, गुलाब, क्योंकि वह मेरे लिए गुलाब की तरह है। मैं ओम शांति ओम के बाद से दीपिका का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। मुझे याद है जब मैं दुबई में काम कर रहा था तो वह कार्तिक कॉलिंग कार्तिक (2010) के प्रीमियर के लिए वहां आ रही थी। मैं किसी तरह प्रीमियर के लिए टिकट पाने में कामयाब रहा। मैं रेड कार्पेट के किनारे खड़ा था, जहां मैंने उन्हें पहली बार व्यक्तिगत रूप से देखा था। यह मेरे लिए एक (ओम शांति ओम) पल था! जहां उन्होंने दीपिका के प्रति अपने प्यार के बारे में बात की, वहीं उन्होंने शाहरुख खान, सलमान खान, अमिताभ बच्चन, अल्लू अर्जुन जैसे सितारों को एक गुलाब दिया, जबकि, उन्होंने रजनीकांत को एक गन दी। जब उनसे यह भी पूछा गया कि क्या उनके साथ कभी कोई अजीब वाकया पेश आया है, तो उन्होंने बताया, मैं अपने सभी प्रशंसकों से प्यार करता हूं। मैं उस वक्त टेंशन में आ जाता हूं जब युवा फैन अपनी बाइक पर मेरा पीछा करते हैं। यह बहुत डरावना है और उनके लिए सुरक्षित नहीं है। प्लेटफॉर्म पर लाइव शो के दौरान दुलकर ने रश्मिका मंदाना के सामी सामी, राम चरण के नाटू नाटू, कैटरीना कैफ के चिकनी चमेली जैसे स्टार्स के हुक स्टेप्स भी किए और बातें भी की।

शाहरुख की जवान के लिए 6 सबसे बड़े एक्शन निर्देशक साथ आए

बहुप्रतीक्षित फिल्म जवान के साथ अभिनेता शाहरुख खान दुनिया भर के अपने फैन्स और दर्शकों को एक बड़ा सरप्राइज देने जा रहे हैं। जबकि फिल्म के शानदान प्रीव्यू और गानों को पहले ही लोगों के दिलों में खास जगह मिल गई है, फिल्म के एक्शन सीक्वेंस भी यादगार होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि मेकर्स ने जवान के धमाकेदार एक्शन सीन्स को ग्रैंड बनाने के लिए टॉप क्लास एक्शन निर्देशकों की एक पूरी फौज हायर की थी जिसमें 6 बड़े एक्शन डायरेक्टर्स शुमार है। इन नामों में स्पिरो रजाटोस, यानिक बेन, क्रेग मैक्रे केचा खम्फाकडी, सुनील रोड्रिग्स और अनल अरासु शामिल हैं जिन्होंने विश्व स्तर पर कुछ बेहतरीन एक्शन फिल्मों पर काम किया हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक, जवान के एक्शन को 6 सबसे बड़े एक्शन निर्देशकों, स्पाइरो रजाटोस, यानिक बेन, क्रेग मैक्रे, केचा खम्फक-डी, सुनील रोड्रिग्स और अनल अरासु ने कोरियोग्राफ किया हैं। उन्होंने विश्व स्तर पर कुछ बेहतरीन फिल्मों के लिए एक्शन कोरियोग्राफ किया है। जवान में एक्शन प्रारूपों की एक विस्तृत रेंज शामिल है, जिसमें हैंड टू हैंड कॉम्बैट, रोमांचक बाइक सीक्वेंस, दिल दहला देने वाले ट्रक और कार चेस जैसे कई सीक्वेंस शामिल है। पूरी सावधानी से डिजाइन किए गए ये एक्शन सीक्वेंस फिल्म की कहानी का अभिन्न हिस्सा हैं, जो फिल्म में गहराई और रियलिज्म जोड़ते है। इन छह असाधारण एक्शन निर्देशकों की संयुक्त प्रतिभा के साथ, जवान एक बेहतरीन एक्शन एंटरटेनर फिल्म बनने के लिए तैयार है। द फास्ट एंड द फ्यूरियस, कैप्टन अमेरिका, टीनएज म्यूटेंट निंजा टर्टल जैसी कई हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर फिल्मों में अपने काम के लिए मशहूर स्पिरो रजाटोस, फिल्म में हाई-ऑक्टेन एक्शन में अपनी महारत लाते हैं।

अपने समय से आगे की फिल्म रा वन के साथ उनकी पिछले काम को उसके अभूतपूर्व वीएफएक्स और एक्शन के लिए सराहा गया है, जो उनकी असाधारण विशेषज्ञता को प्रमाणित करता है। प्रोफेशनल पार्कौर ट्यूटर यानिक बेन को न केवल हॉलीवुड में, बल्कि तेलुगु और हिंदी फिल्मों में भी एक्शन कोरियोग्राफर के रूप में पहचाना जाता है। ट्रांसपोर्टर 3, डनकर्क, और इंसेप्शन के साथ-साथ उनकी लोकप्रिय तेलुगु और हिंदी फिल्मों में भी कोरियोग्राफी का काम है, जैसे कि रईस, टाइगर ज़िंदा है, अट्टारिंटिकी, डेरेडी, नेनोक्कडाइन, और और भी कई। उनके अलग-अलग स्किल सेट उन्हें अलग दिश-ाओं में ऊंचे स्तर पर पंहुचा रहे हैं, जिसमें फिल्म के एक्शन सीक्वेंस शामिल हैं। मैड मैक्सः फ्यूरी रोड और एवेंजर्सः एज ऑफ अल्ट्रॉन जैसी पॉपुलर फिल्मों में आने वाले एक्शन सीन्स के पीछे की विजनरी, क्रेग मैक्रे ने जवान फिल्म में उनकी एक्सपेटीर्स का प्रदर्शन किया है। वॉर जैसी फिल्मों में भी उनके सहयोग से, उनकी अनोखे क्षमता ने हैरान करने वाले एक्शन मोमेंट्स को उजागर किया है। केचा खम्फकडी एक अंग्रेजी स्टंट निर्देशक हैं जिन्होंने कन्नड़, मलयालम, हिंदी, तमिल, अंग्रेजी और तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में प्रमुख काम किया है। उन्होंने ब्लॉकबस्टर फिल्मों में भी अपने एक्शन के लिए पहचान बनाई है, जैसे कि थुप्पाक्की, बाहुबली 2ः द कन्क्लूजन, और बागी 2। उन्होंने 2018 में बाहुबली 2ः द कन्क्लूजन के लिए सर्वश्रेष्ठ एक्शन निर्देशन के राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड भी जीता है। सुनील रोड्रिग्स एक्शन सीन्स के निर्माण, तकनीकी डिजाइन, निर्देशन और उत्पादन में माहिर हैं। उन्हें शेरश-ाह, सूर्यवंशी, और पठान जैसी सुपर्रा-हट फिल्मों में शानदार एक्शन सीन्स के निर्देशन के लिए जाना जाता है। अनल अरासु भारतीय एक्शन मास्टर/कोरियोग्राफर हैं, जो तमिल, तेलुगु, मलयालम और हिंदी फिल्म इंडस्ट्रीज में काम करते हैं। उन्हें सुल्तान, कत्थी, और किक जैसी फिल्मों में एक्शन निर्देशन के लिए पॉपुलैरिटी हासिल है। जवान एटली द्वारा निर्देशित, गौरी खान द्वारा निर्मित और गौरव वर्मा द्वारा सह-निर्मित रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति है। यह फिल्म 7 सितंबर, 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

दिशा पटानी निर्देशन जगत में उतरीं

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पटानी आने वाले दिनों में दो पैन इंडिया फिल्मों, कल्कि 2898 एडी और कंगुवा में दिखाई देंगी। इसके अलावा, वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ योद्धा का भी हिस्सा हैं। इसी बीच दिशा ने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा है और अपना म्यूजिक वीडियो क्यूं करु फिकर जारी किया है। इस गाने ने प्रशंसकों और दर्शकों का दिल जीत लिया है। वैसे इस म्यूजिक वीडियो को निर्देशित करने के साथ-साथ दिशा इसमें नजर भी आई हैं और हमेशा की तरह बहुत खूबसूरत लग रही हैं। वीडियो में उनका लुक बेहद ट्रेंडी हैं और उनके द्वारा पहने गए सभी आउटफिट्स भी शानदार है। जहां तक म्यूजिक वीडियो के संदेश की बात है तो इसमें बताया है कि कि कैसे किसी को दुनिया के सभी फैसलों से बेफिक्र रहना चाहिए और सिर्फ खुद पर ध्यान देना चाहिए और इस बात से परेशान नहीं होना चाहिए कि दूसरे आपको नीचा दिखाने के लिए क्या कहते हैं। यह एक बहुत ही शानदार गाना है और ये इंटरनेशनल पॉप वाला फील देता है, साथ ही यह हमें प्रमुख के-पॉप वाइब्स भी देता है। दिशा ने कहां ,आ-खरकार क्यूं करू फिकर के साथ अपना एक हिस्सा सामने लाकर मुझे बहुत संतुष्टि और खुशी महसूस हो रही है। इसने मुझे एक निर्देशक की भूमिका निभाकर इस बार खुद को बहुत अलग तरीके से एक्प्रेस करने में मदद की है। कैमरे के सामने होने से लेकर कैमरे के पीछे रहने तक के नजरिए को बदलना एक रोमांचक चुनौती थी। मैं पूरी टीम की बहुत आभारी हूं जो इसका हिस्सा थी और मेरे नजरिए पर विश्वास करती थी। मुझे आशा है कि लोग दुनिया की धारणा से आजाद होने और सेल्फ लव पर ध्यान देने वाले संदेश से कनेक्ट करेंगे। यह गाना वास्तव में युवाओं से जुड़ा हुआ है और ऐसा है जिसे आप सुबह की सैर करते समय, लंबी ड्राइव पर या जब भी आप उदास महसूस कर रहे हों तो सुनना चाहेंगे। यानी ये एक ऐसा गाना है जो आपको मजबूती का अनुभव कराएगा। इस गाने का वीडियो और वाइब बहुत शानदार है। वहीं दिशा ने वीडियो को निर्देशित करने और गाने के संदेश को दर्शकों तक सटीक ढंग से पहुंचाने में वास्तव में कमाल का काम किया हैं। ऐसे में अब सभी बतौर निर्देशक दिशा के डायरेक्टोरियल स्किल्स को और ज्यादा देखने का इंतजार नहीं कर सकते।

थ्रिलर द फ्रीलांसर में डॉक्टर खान की भूमिका है अनुपम खेर

दिलचस्प थ्रिलर द फ्रीलांसर में डॉक्टर खान की भूमिका निभा रहे अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी तैयारी के सबसे मुश्किल हिस्से के बारे में खुलासा किया है। इस फिल्म में कश्मीरा परदेशी के साथ एक्टर मोहित रैना और अनुपम खेर भी लीड रोल में है। अनुपम ने कहा कि मुझे इसमें बहुत सारी लाइन्स और बहुत सारे टेक्निकल एक्सप्रेशन और शब्द सीखने पड़े। नीरज पांडे के डायलॉग्स बहुत ही क्रिस्प और प्वाइंटिड हैं। यह खुशी भी है और कठिन बात भी, क्योंकि इसमें इनोशन्स कम होते हैं। मुझे डायलॉग तब याद आते हैं जब उसमें इमोशन्स शामिल होते हैं। यह कठिन था लेकिन यह फायदेमंद भी था। द फ्रीलांसर में सुशांत सिंह, जॉन कोककेन, गौरी बालाजी और नवनीत मलिक, मंजिरी फडनिस, सारा जेन डायस सहित अन्य कलाकार हैं। एक्ट्रेस कश्मीरा परदेशी आलिया की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। यह 1 सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित होगी। बता दें कि यह सीरीज शिरीष थोराट की किताब- ए टिकट टू सीरिया पर आधारित है। यह भाव धूलिया द्वारा निर्देशित है, फ्राइडे स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित है और नीरज पांडे निमार्ता और शोरनर हैं।

सुष्मिता की ताली की रवीना ने की प्रशंसा

मशहूर बालीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन ने सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज ताली के एक सीन का जिक्र करते हुए प्रशंसा करते हुए कहा, बात में दम है बॉस। रवीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक सीन का स्नैपशॉट शेयर किया, जिसमें स्क्रीन पर सुष्मिता दिख रही हैं और उनका डायलॉग फ्लैश हो रहा है, इस देश को ज्यादा पालक मां की जरूरत है मोहरा फेम एक्ट्रेस ने शो की निमार्ता अफीफा नाडियाडवाला सईद को बधाई दी और कहा, बधाई हो अफीफा सुलेमान नाडियाडवाला! बात में दम है बॉस! अफीफा ने रवीना के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, लव यू सो मच अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी निशानदार द्वारा निर्मित और रवि जाधव द्वारा निर्देशित, ताली साहस और बदलाव की कहानी है। यह जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रवीना आखिरी बार वन फ्राइडे नाइट में नजर आई थीं। उनकी अगली फिल्म घुड़चढ़ी है।

आमिर की दोनों पत्नियों नजर आई एकसाथ

फैंस को एक्टर आमिर खान की पर्सनल लाइफ में भी काफी दिलचस्पी रहती है। आमिर ने दो शादियां की हैं। पहली शादी उन्होंने रीना दत्ता और दूसरी शादी किरण राव के साथ की थी। हालांकि आमिर का दोनों पत्नियों से तलाक हो चुका है, लेकिन इस बीच वे दोनों एक साथ नजर आईं। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में किरण और रीना हंसते-खिलखिलाते नजर आईं। ये मौका था आमिर के भाई मंसूर खान की बुक वन : द स्टोरी ऑफ द अल्टीमेट मिथ की लॉन्चिंग का। दोनों ने पैपराजी के सामने पोज दिए। इस दौरान रीना ब्लू और व्हाइट कलर के कुर्ते में थीं। उन्होंने एक ग्रीन बैग कैरी किया हुआ था। किरण ने हल्के ग्रीन कुर्ते के ऊपर ब्लू जैकेट पहना था। आमिर खान तीन दशक से भी ज्यादा समय से लोगों का मनोरंजन कर रहे हैं। वे बॉलीवुड को एक से बढ़कर एक फिल्में दे चुके हैं। हर काम को पूरी शिद्दत के साथ अंजाम देने के कारण उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट नाम दे दिया गया।

टेस्ट में अहम भूमिका निभाएंगे माधवन

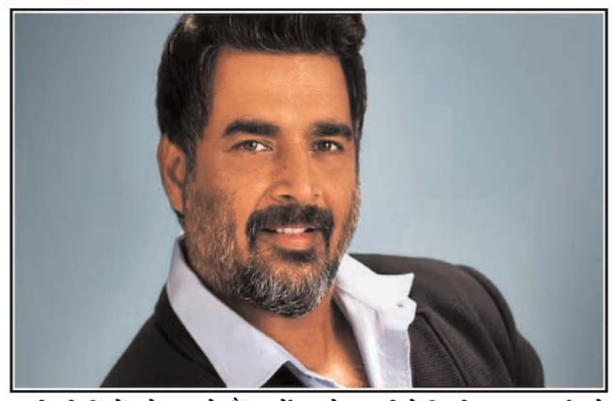

अभिनेता आर माधवन जल्द ही शशि-शकांत की आगामी क्रिकेट ड्रामा फिल्म टेस्ट में नयनतारा, सिद्दार्थ और मीरा जैस्मीन के साथ दिखाई देंगे। हम यह अनुभव करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि वह अपने अगले किरदार में किन इमोशंस को स्क्रीन पर दशाएँगे। अभिनेता की फिल्मोग्राफी बतौर एक्टर उनकी अदभुत क्षमता को दशार्ती है, जो बहुत रोचक और स-राहनीय है। रहना है तेरे दिल में से लेकर तनु वेड्स मनु और रंग दे बसंती जैसी फिल्मों में माधवन की प्रतिभा न केवल उनके अभिनय कौशल बल्कि अपने को-स्टार के साथ एक उल्लेखनीय केमिस्ट्री बनाने की उनकी क्षमता को बयान करती है। उनके ऑन-स्क्रीन रोमांस वास्तविक और प्रामाणिक लगते हैं, जो अक्सर दर्शकों को उनके द्वारा व्यक्त की गई भावनाओं में सराबोर कर देते हैं। फिल्म के गाने, मेलोडियस ट्यून्स और अद्भुत गीत के साथ प्यार और लालसा की भावनाओं को दशार्ते हुए अभी भी दिलों को लुभाते हैं। वर्षों बाद भी इन गानों का क्रेज फैंस के बीच देखने को मिलता है, जो फिल्म के आकर्षण और उनके किरदार का एक जीता जागता प्रमाण है। चाहे वह रहना है तेरे दिल में में दीया मिर्जा के साथ उनकी रोमांटिक केमिस्ट्री हो, तनु वेड्स मनु में कंगना रनौत के साथ साझा की गई आग लगाने वाली केमिस्ट्री हो, या अलाई पेयुथे में शालिनी के साथ आकर्षक उपस्थिति हो उनकी केमिस्ट्री महज प्रदर्शन से उठकर नजर आती है, जो हर कहानी को शानदार बना देती है। अपने सहयोगी स्टारों के साथ उनकी केमिस्ट्री से प्रेरित होकर उन्होंने आज तक महिला प्रशंसकों और युवाओं सहित दर्शकों पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं। एक ऑन-स्क्रीन लवर के रूप में उनकी छवि आज भी लोगों को उन्हें रोमांटिक किरदारों में देखने के लिए उत्साहित करता है।

दर्शकों का प्यार सबसे अच्छा अहसास : यामी गौतम

नवोदित एक्ट्रेस यामी गौतम ने कहा कि मैं इस बात पर विश्वास करती हूं कि एक अभिनेता का काम खुद बोलता है। वह इसी प्रकार की स्वीकृति चाहती हैं। यामी की फिल्मोग्राफी में 100 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्में बाला, उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक और अक्षय कुमार स्टाटर लेटेस्ट फिल्म ओह माय गॉड 2 शामिल हैं। एक्ट्रेस ने कहा, अपनी फिल्म को दर्शकों से इतना प्यार मिलता देखना सबसे अच्छा एहसास होता है। सारी मेहनत और समर्पण रंग लाती है। इससे बड़ी कोई अनुभूति नहीं है। मैं अपनी फिल्मों को लगातार मिल रहे प्यार और समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं। मैंने हमेशा कहा है कि एक अभिनेता का काम खुद बोलता है, और मैं कई और फिल्मों और बॉक्स ऑफिस की सफलता के लिए इसी तरह की स्वीकृति चाहती हूं। ओएमजी 2 भारतीय स्कूलों में यौन शिक्षा के बारे में एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे अमित राय ने लिखा और निर्देशित किया है। यह 2012 में रिलीज हुई ओएमजी- ओह माय गॉड का आध्यात्मिक सीक्वल है और इसमें अक्षय कुमार, पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम हैं।

कंटेंट के महत्व पर जोर देता है ओटीटी : अदिति राव

-कलाकारों को क्रिएटिव करने की देता है आजादी

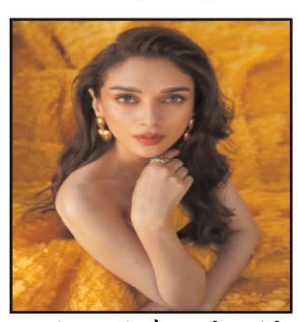

मुंबई (ईएमएस) । एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी को लगता है कि ओटीटी कंटेंट के महत्व पर जोर देता है और कलाकारों को क्रिएटिव करने की आजादी देता है। अदिति ने पीरियड ड्रामा ताज : डिवाइडेड बाय ब्लड में अनारकली के रूप में अपने परफॉर्मेंस से दिल जीता। एक्ट्रेस ने हाल ही में कतर, दुबई और अबू धाबी में अपने फैंस के साथ मुलाकात की। आइकॉनिक किरदार निभाने के अपने एक्सपीरियंस साझा करते हुए अदिति ने कहा, ओटीटी के बारे में एक बात जो मुझे पसंद है, वह यह है कि यह राइटर्स, एक्टर्स और डायरेक्टर्स के लिए ज्यादा क्रिएटिविटी प्रदान करता है। यह कंटेंट के महत्व को समझता है। यही कारण है, मैंने ताज : डिवा-इडेड बाय ब्लड पर काम करने का फैसला किया। अनारकली की भूमिका के लिए प्रसिद्ध एक्ट्रेस मधुबाला से तुलना की जाने वाली स्टार ने यह भी उल्लेख किया कि इसके लिए साइन अप करते समय उन्हें पता था कि ये बड़ी जिम्मेदारियां हैं।

एक्ट्रेस के पास वर्तमान में जी5 ग्लोबल पर टाइटल्स की एक रोमांचक लाइब्रेरी है, जिसमें रोमांस ड्रामा दास देव, मलयालम थ्रिलर सा-इको और रणबीर कपूर-स्टारर ट्रैजेडी रोमांस रॉकस्टार जैसी फिल्में शामिल हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अदिति राव हैदरी दिल्ली 6, जुबली, भूमि, ताज : डिवाइडेड बाय ब्लड और कई अन्य फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय का लोहा मनवाया है।

सूडोकु नवताल- 6533

★★★✯☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6532 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7280

अ	चि	न्ना	स्वा	मी	शि	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	आ	वा	ग्री	द	इ	ह	फि
वा	व	ना	पू	ने	जी	थ	न	ग	क	रो
न	ची	न	ते	श	ज	का	म	पा	त	ज
खे	त	ई	ड	न	गा	र्ड	न	ग	र्क	शा
ड़े	अ	म	सु	ल	अ	पू	न	मो	र	ह
ती	जं	सी	मे	ता	प	नु	श	हा	ज	को
क	ल	ग	रि	वि	ल	नी	प	ली	न	ट
ब्रे	बो	र्न	य	या	चि	क	री	म	प	ला
ज	ग	त	न	ज	ज	त्र	टो	जी	र्य	त
बे	बी	लो	नि	या	ल	ज	र	रा	त	थ

शब्दजाल में 10 'खेल स्टेडियम' के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

ईडन गार्डन, शिवाजी, वानखेड़े, ग्रीनपार्क, फिरोजशाह कोटला, चिन्नास्वामी, मोहाली, नेशनल, ब्रेबोर्न, तालकटोरा

शब्दजाल - 7279 का हल

मि	म	मा	गौ	त	म	बु	द्ध	गु	क	वि
हो	हा	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	को	ज
त्मा	वी	रा	द	अं	त	त	र	मो	ल	अ
गां	र	दा	णा	ल	क	वा	दा	ह	व	र
धी	स्वा	न	ष	प्र	म	डे	र	म्म	सी	विं
दि	मी	य	स	जि	ता	क	प	द	गु	दो
ने	ह	बु	मां	या	म	प	टे	र	रु	घो
टी	पू	सु	ल्ता	न	पं.	सौ	ल	ट	ना	ष
मों	रे	त	सू	ह	रे	ने	ने	जे.	न	र
गि	ल	च	त्त	र	ट	क	ह	न	क	थ
या	अ	क	ब	र	बा	इ	र	रू	ह	धी

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग- 6233

1	3			5	2	
	32		40		28	7
4		7		6		
	35		37		32	6
7			2	3		1
2	30	1	28	4	29	
6			7		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6232 का हल

2	4	7	5	3	6	1
6	38	6	32	1	30	7
7	5	1	3	6	4	2
1	25	2	32	4	34	5
5	1	3	6	7	2	4
3	26	4	38	5	36	6
4	1	5	6	2	7	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

नीरज चोपड़ा पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई : वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 88.77 मीटर जेवलिन थ्रो किया; टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली । भारत के स्टार जेवलिन थ्रोवर नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2023 के क्वालिफाइंग राउंड में 88.77 मीटर थ्रो किया। इसके साथ ही उन्होंने पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाई कर लिया। नीरज ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के फाइनल में भी अपनी जगह पक्की कर ली है। पेरिस ओलिंपिक की शुरुआत 26 जुलाई 2024 से होगी। हंगरी के बुडापेस्ट में जारी वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नीरज ने क्वालिफाइंग राउंड के अपने पहले प्रयास में ही 88.77 मीटर थ्रो किया, जो उनका सीजन का बेस्ट भी है। ओलिंपिक, एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने के अलावा 25 साल के नीरज चोपड़ा डायमंड लीग चैंपियन भी हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में सिल्वर जीत चुके हैं नीरज

नीरज चोपड़ा के फाइनल के लिए क्वालिफाई होने के साथ ही भारत को इस चैंपियनशिप में पदक की उम्मीद भी बढ़ गई है, क्योंकि अब तक किसी भारतीय खिलाड़ी ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में गोल्ड नहीं जीता है हालांकि नीरज चोपड़ा ने ही पिछले साल ओरेगॉन में हुई वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2022 में सिल्वर मेडल जीता था। इसी के साथ मेडल के लिए भारत के 19 साल के लंबे इंतजार को समाप्त कर दिया था।

मौजूदा वर्ल्ड चैम्पियन एंडरसन पीटर्स भी ले रहे हिस्सा

चैम्पियनशिप में नीरज के आलावा मौजूदा वर्ल्ड चैम्पियन एंडरसन पीटर्स, लंदन 2012 ओलिंपिक चैम्पियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट, जर्मनी के वर्ल्ड नंबर 2 जूलियन वेबर और पाकिस्तान के अरशद नदीम शामिल हैं।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की शुरुआत 1983 से हुई। भारतीय एथलीटों ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में अब तक केवल दो पदक जीते हैं। अंजू बॉबी जॉर्ज पेरिस 2003 में महिलाओं की लॉन्ग जंप में कांस्य पदक के साथ वर्ल्ड चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं थीं।

न्यूज ब्रीफ

राजेश्वरी ने भारत को दिलाया ओलिंपिक-2024 का 7वां शूटिंग कोटा: वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रही, भारत का ओवरऑल 13 कोटा

बाकू। भारत की ट्रैप शूटर राजेश्वरी कुमारी ने बाकू में चल रहे वर्ल्ड चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहकर देश को पेरिस ओलिंपिक के लिए सातवां शूटिंग कोटा दिलाया। राजेश्वरी ने दिग्गज प्रतिद्वंद्वियों के बीच फाइनल में जगह बनाई, लेकिन पदक से चूक गईं। फाइनल में वह 30 शॉट में 19 अंक ही हासिल कर सकीं। वह विमेंस की ट्रैप इवेंट में ओलिंपिक कोटा हासिल करने वाली शगुन चौधरी के बाद दूसरी भारतीय बनीं। फाइनल के बाद उन्होंने कहा, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। आखिर कोटा मिल गया। काश मैं पदक भी जीत पाती लेकिन अच्छा लग रहा है। पांचों क्वालिफिकेशन दौर में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करके 125 में से 120 अंक लेकर छह निशानेबाजों के फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की मनीषा कीर और प्रीति रजक क्रमशः 23वें और 58वें स्थान पर रहीं। यह पेरिस गेम्स के लिए भारत का ओवरऑल 13वां कोटा है। अब तक शूटिंग से 7 और एथलेटिक्स से 6 कोटा मिल चुके हैं। भारत की नेशनल ओलिंपिक कमिटी के पास ओलिंपिक गेम्स में अपने एथलीट भेजने का अधिकार होता है। ऐसे में पेरिस ओलंपिक्स में में एथलीटों की भागीदारी पूरी तरह एनओसी पर निर्भर होती है। पूरे कोटा मिल जाने के बाद एनओसी ओलिंपिक में जाने के लिए भारतीय शूटर्स चुनेगी। इस चैंपियनशिप में शूटिंग के अलग-अलग इवेंट के एक दर्जन कोटा दांव पर हैं। प्रतियोगिता में भारत का 53 सदस्यीय दल हिस्सा ले रहा है।

एशिया कप में भारत-पाक दोनो ही टीमों को जीत का दावेदार मानते हैं गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि एशिया कप में भाग ले

ही भारत और पाकिस्तान की टीमें काफी अच्छी हैं। इसलिए वह किसी को भी जीत के लिए अपनी पसंदीदा टीम नहीं मानते। एशिया कप 2023 में भारत और पाक के बीच 2 सितंबर को कैंडी के पल्लेकेले अंतर्राष्टीय क्रिकेट स्टेडियम में मुकाबला होगा। इसी को लेकर गांगुली ने कहा, दोनो ही टीम अच्छा खेलती हैं, इसलिए उस दिन जो अच्छा खेलेगी जीत उसी को मिलेगी। इसलिए मैं किसी को भी अपना पसंदीदा नहीं मानता हूं। इस मैच में भारतीय टीम में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी से गेंदबाजी आक्रमक बेहतर होगा। साथ ही कहा कि टीम के पास तीन स्पिनर हैं जिसमें अक्षर पटेल बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। इससे भारतीय टीम को लाभ मिलेगा। इससे पहले उन्होंने कहा था कि इस मुकाबले को लेकर मीडिया में हाइप रहती है पर अब दोनो ही टीमों के बीच पहले जैसी टक्कर नहीं रही। इसका कारण उन्होंने खेल के स्तर में आई गिरावट को बताया। वहीं इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। इसमें भारतीय टीम को कुछ मामलों में लाभ मिल सकता है। टीम में एक साल से अधिक समय के बाद वापसी कर रहे बुमराह ने आयरलैंड दौरे पर अच्छा पदर्शन कर लय हासिल कर ली है। अब वह एशिया कप से विश्व कप के लिए अपनी फिटनेस दिखाएंगे। उन्हें युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज से सहायोग मिलेगा। गेंदबाजी ऑलराउंडर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल भी टीम के लिए लाभ दायक रहेंगे। इसके साथ ही ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और रवींद्र जडेजा से सभी को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। गौरतलब है कि एशिया कप में पाकिस्तान, भारत और नेपाल ग्रुप ए में हैं जबकि बांग्लादेश, अफगानिस्तान और श्रीलंका ग्रुप बी में।

यूएस ओपन के बाद टेनिस से संन्यास लेंगे इस्नर,सबसे लंबा मैच जीतने का है रिकॉर्ड

वाशिंगटन। टेनिस इतिहास में सबसे लंबा मैच जीतने का रिकार्ड रखने वाले जान इस्नर यूएस ओपन के बाद इस खेल से संन्यास ले लेंगे।अमेरिका के छह फुट 10 इंच लंबे इस्नर ने पत्नी और चार बच्चों के साथ तस्वीर साझा करते हुए इंटरनेट मीडिया पर लिखा,यह बदलाव आसान नहीं होगा लेकिन मैं अपने परिवार के साथ प्रत्येक पल बिताने को लेकर उत्साहित हूं। अमेरिका का यह 38 वर्षीय खिलाड़ी 2018 में विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ आठवीं रैंकग पर पहुंचा था। उन्होंने अपने करियर में 16 सिगल्स खिताब जीते। इस्नर ने अपने करियर में 14 हजार से अधिक ऐस लगाए जो एटीपी रिकार्ड है। इनमें से 113 ऐस उन्होंने निकोलस माहूट के खिलाफ 2010 में विंबलडन के पहले दौर के मैच में लगाए थे। यह मैच तीन दिन में समाप्त हुआ था और कुल 11 घंटे पांच मिनट तक चला था। इस्नर ने इस मैच के पांचवें सेट में 70-68 से जीत दर्ज की थी।

दूसरे वनडे में 1 विकेट से जीता पाकिस्तान

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में 2-0 की बढ़त ली, गुरबाज का शतक काम न आया

हंबनटोटा। पाकिस्तान ने वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में अफगानिस्तान को एक विकेट से हराया। इस जीत से टीम ने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 26 अगस्त को कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका के हंबनटोटा में अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान को 301 रन का टारगेट दिया। जवाब में पाकिस्तान ने 9 विकेट पर 49.5 ओवर में 9 विकेट पर जीत हासिल कर ली। नसीम शाह ने आखिरी ओवर की 5वी बॉल पर चौका लगाकर अपनी टीम को मैच जिताया।

ओपनर्स के बीच हुई 227 रन की पार्टनरशिप

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे अफगानिस्तान के ओपनर रहमानुल्लाह गुरबाज (151 रन) ने शतकीय पारी खेली। उन्होंने इब्राहिम जादरान के साथ 227 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। जादरान 80 रन बना कर आउट हुए। मोहम्मद नबी ने 29 रन और राशिद खान ने 2 रन बनाए। शहीदुल्लाह 1 रन बनाकर आउट हुए। टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शहीदी 15 रन और अब्दुल रहमान 4 रन बना कर नॉटआउट रहे। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी ने सबसे ज्यादा 2 विकेट झटके।

पाकिस्तान की गेंदबाजी फेल

इस मुकाबले में पाकिस्तान के गेंदबाज खास कमाल नहीं कर सके। टीम 40 ओवरों तक अफगानिस्तान का एक भी विकेट नहीं ले सकी। पहली सफलता उसामा मीर को मिली। उन्होंने इब्राहिम जादरान का विकेट लिया। शाहीन अफरीदी को 2, उसामा मीर और नसीम शाह को 1-1 विकेट मिला।

बाबर ने लगाया अर्धशतक

पाकिस्तान की पारी की शुरुआत फखर जमान और इमाम उल हक ने की। फखर ने 30 रन बना कर आउट हो

गए। तीसरे नंबर पर बाबर आजम आए और इमाम के साथ 118 रन की साझेदारी की। इमाम उल हक शतक से चूक गए। उन्होंने 105 बॉल में 91 रन की पारी खेली। दूसरी ओर कप्तान बाबर आजम ने 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। बाबर आजम के आउट होने के बाद विकेट गिरते ही चले गए। मोहम्मद रिजवान 2 रन, आघा सलमान 14 रन, उसामा मीर 0 रन और इफ्तिखार अहमद 17 रन बना कर आउट हो गए। आखिर में सातवें नंबर पर शादाब खान आए और मैच का रुख बदल दिया। शादाब खान ने 66 बॉल पर 51 रन की पारी खेली। शादाब मैच को करीब ले आए थे, लेकिन आखिरी ओवर की दूसरी बॉल पर रनआउट हो गए। इसके बाद नसीम शाह ने 4 बॉल में ही 7 रन बना कर मैच जिता दिया। अफगानिस्तान की ओर से स्पिनर फजल हक फारूकी को 3 विकेट मिले। मोहम्मद नबी को 2 सफलताएं मिली। वहीं, मुजीब उर रहमान और अब्दुल रहमान 1-1 विकेट मिला।

पाकिस्तान के खिलाफ अफगानिस्तान का सबसे बड़ा स्कोर

आज के मुकाबले में अफगानिस्तान ने वनडे में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर दर्ज किया। इससे पहले सबसे स्कोर 257 का था जो कि टीम ने 2018 में अबू धाबी ने बनाया था।

पहले मुकाबले में पाकिस्तान जीता

पाकिस्तान ने तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में अफगानिस्तान को 142 रन से हराया था। पाकिस्तान टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 47.1 ओवर में 201 रन बनाए। वहीं, अफगानिस्तान टीम 19.2 ओवर में महज 59 रन पर ऑल आउट हो गया था।

रोहित सभी को अपने को साबित करने अवसर देते हैं : शुभमन

नई दिल्ली । भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल हाल के दिनों में कप्तान रोहित शर्मा के सलामी जोड़ीदार के तौर पर सबकी पसंद बने हैं। शुभमन ने पिछले कुछ समय के अंदर रोहित के साथ सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतरकर काफी रन बनाये हैं। अभी तक 9 पारियों में 76.11 की औसत से इस जोड़ी ने 685 रन बनाए हैं। शुभमन ने इस साल की शुरुआत से ही सभी प्रारुपों में अच्छी बल्लेबाजी की है। इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि रोहित दूसरे खिलाड़ियों को भी अपने को साबित करने का अवसर देते हैं। आगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए टीम को एक अच्छी सलामी जोड़ी की जरुरत थी जो ये जोड़ी पूरी कर रही है। शुभमन ने कहा, कप्तान के साथ पारी शुरु करना काफी शानदार अनुभव होता है। खासकर ये जानते हुए कि सारा ध्यान उनके ही ऊपर रहने वाला है। वो एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो दूसरे बल्लेबाजों को भी खेलने का अवसर देते हैं जिससे कि वह प्रभावित कर सके और अपने तरीके से बल्लेबाजी करे इस जोड़ी ने अब तक 8 मैचों में 6 बार 50 से अधिक रनों की साझेदारी की है। इसके साथ ही इस जोड़ी ने गुवाहाटी में श्रीलंका के खिलाफ 143 और इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ 212 रन की बड़ी साझेदारी निभाई थी।

रोहित सहित सभी खिलाड़ी यो-यो टेस्ट में पास

कोहली टॉप पर रहे; बुमराह और आयरलैंड दौरे में पर गए तीन खिलाड़ियों को मिली छूट

बेंगलुरु। एशिया कप के लिए टीम इंडिया का कैम्प बेंगलुरु में शुरू हो गया। कैम्प के पहले दिन खिलाड़ियों का यो-यो टेस्ट हुआ। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा, वाइस कैप्टन हार्दिक पंड्या और विराट कोहली सहित सभी खिलाड़ियों ने यो-यो टेस्ट पास कर लिया है। टीम इंडिया के सबसे फिट कहे जाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली सबसे ज्यादा अंक हासिल कर टॉप पर रहे। उन्होंने 17.2 अंक हासिल किए। हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से आधिकारिक रूप से यो-यो टेस्ट को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। एजेंसी ने एक सूत्र के हवाले से कहा कि पहले दिन कैम्प में शामिल खिलाड़ियों का यो-यो टेस्ट रखा गया। बीसीसीआई ने फिटनेस पैरामीटर 16.5 रखा। विराट ने सबसे ज्यादा 17.2 हासिल किए। सभी खिलाड़ियों की यो-यो रिपोर्ट जल्द ही बीसीसीआई को सौंप दी जाएगी। विराट ने भी इंस्टाग्राम पर यो-यो टेस्ट की स्टोरी पोस्ट की थी और लिखा था कि उन्होंने 17.2 अंक हासिल कर लिए हैं। दरअसल 30 सितंबर से पाकिस्तान और श्रीलंका में शुरू हो रहे एशिया कप के लिए बेंगलुरु में कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन की क्रिकेट एकेडमी में खिलाड़ियों का कैंप शुरू हुआ है। भारत को एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 2 सितंबर से श्रीलंका में पाकिस्तान के खिलाफ करना है।6 दिन चलने वाले इस कैंप में एशिया कप में शामिल 18 खिलाड़ियों में से 14 खिलाड़ी ही पहले दिन कैंप में शामिल हुए। वहीं तीन खिलाड़ी आयरलैंड दौरे से देर रात बेंगलुरु पहुंचे। आयरलैंड दौरे पर टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया के कप्तान रहे जसप्रीत बुमराह, दौरे में शामिल प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन और तिलक वर्मा को यो-यो टेस्ट से राहत दी गई है। हालांकि, ये सभी चारों खिलाड़ी कैम्प के अभ्यास सत्र में भाग लेंगे। बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा की आयरलैंड दौरे से टीम में वापसी हुई।

पोल वॉल्ट में कैटी और नीना ने बांटा गोल्ड मेडल, खेल भावना से जीता दिल

हंगरी । ये पदक की नहीं खेल भावना की हिस्सेदारी थी। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अमेरिका की कैटी मून और ऑस्ट्रेलिया की नीना केनेडी ने पोलवॉल्ट में स्वर्ण पदक को आपस में बांटने का फैसला किया। दोनों पुरानी दोस्त हैं। इस घटना ने 2020 टोक्यो ओलंपिक के ऊंची कूद के फाइनल की याद दिला दी, जब कतर के मुताज बारशिम और इटली के गियानमार्को थाम्बेरी ने ऐसा किया था, जिसे मानवता का मेडल कहा गया। मून के कॅरिअर का विश्व चैंपियनशिप में यह दूसरा स्वर्ण है। उन्होंने पिछले साल इयूगने में स्वर्णिम सफलता हासिल की थी लेकिन गत ओलंपिक चैंपियन ने ऐसा पदक कभी नहीं जीता था। पिछले साल की 4.85 सेंटीमीटर की ऊंचाई से बार पांच सेंटीमीटर ऊपर रखा गया। दोनों ने 4.90 अंतिम प्रयास में पार कर लिया लेकिन 4.95 के प्रयास को दोनों ही लांघ नहीं सकी। कैटी ने संयुक्त स्वर्ण का प्रस्ताव रखा। यह सुनकर नीना की आंखों में आंसू आ गए कि उन्होंने भी स्वर्ण जीता है। पिछली चैंपियनशिप में वह कांस्य पदक ही जीत सकी थी। मून दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप से स्वर्ण लेकर जाएंगी लेकिन यह स्वर्ण उन्हें ताउम्र याद रहेगा। विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में पहली बार किसी पदक की हिस्सेदारी हुई है। मून ने कहा कि हम दोनों ने एकसमान अच्छा प्रदर्शन किया। दरअसल हम दोनों ही जीते हैं और यही सही निर्णय है। फिनलैंड की विलमा मुरटो ने 4.80 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। मैंने सोचा नहीं था वो

इसे बांटने की बात कहेंगी। लग रहा था कि हमें लगातार कूदते रहना होगा। मैंने उसकी तरफ देखा और पूछा क्या आप यह कहना चाह रही है कि हम स्वर्ण बांट लें। यह कहते हुए उनके चेहरे पर राहत थी और आप मेरे चेहरे पर यह देख सकते हैं। यह आपसी सहमति से हुआ है। हम दोनों पुरानी दोस्त हैं। कैटी के साथ स्वर्ण बांटना अविश्वसनीय है। टोक्यो ओलंपिक में ऊंची कूद के एथलीट मुताज बारशिम और इटली के गियानमार्को थाम्बेरी ने एक समान 2.37 मीटर की छलांग लगाई। दोनों को तीन-तीन जंप और लगाने को कहा गया लेकिन इसमें भी फैसला नहीं हो सका। तब एक-एक अतिरिक्त जंप लगाने को कहा गया लेकिन इस दौरान इटली का खिलाड़ी चोटिल हो गया तो बारशिम के पास एक जंप लगाकर स्वर्ण जीतने का मौका था लेकिन उन्होंने अधिकारियों से पूछा कि अगर वह भी जंप नहीं लगाते हैं तो क्या होगा। जवाब मिला, स्वर्ण पदक दोनों में बांट दिया जाएगा, इस पर उन्होंने जंप से नाम वापस ले लिया और दोनों स्वर्ण पदक के संयुक्त विजेता रहे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी बीडब्लूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में पहुंची इंडोनेशियाई जोड़ी को 2-1 से हराया; एचएस प्रणय भी मेंस सिंगल्स में जीते

कोपेनहेगन (डेनमार्क)। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय मेंस डबल्स जोड़ी ने डेनमार्क के कोपेनहेगन में खेली जा रही वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सात्विक-चिराग ने मेंस डबल्स में इंडोनेशिया के लियो रोली कारनांडो और डैनियल मार्थिन पर तीन गेम में 2-1 से हराया। मुकाबला एक घंटे से कुछ अधिक समय तक चला। जोड़ी का अगला मुकाबला डेनमार्क के 11वीं वरीयता प्राप्त किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कारुप रासमुसेन से होगा। दूसरी ओर मेंस सिंगल्स में एच एस प्रणय भी राउंड ऑफ 16 में जीत गए। क्वार्टर फाइनल के लिए लड़ाई में नौवीं वरीयता प्राप्त एच एस प्रणय ने वर्ल्ड रैंकिंग में सातवें नंबर के सिंगापुर के खिलाड़ी लोह कीन यू को तीन गेम में 18-21, 21-15 और 19-21 से दो गेम हरा कर जीत हासिल की।

पहले सेट में वापसी कर जीते सात्विक-चिराग

सात्विक और चिराग ने एग्रेसिव गेम दिखाने के लिए बहुत सावधानी से गेम को आगे बढ़ाया । चिराग ने बहुत शानदार तौर पर प्रदर्शन किया और अटैक को बचाया। साथ ही ऑप्पोनेन्ट की गलती का फायदा उठाते हुए पॉइंट्स भी निकाले। सात्विक-चिराग की शुरुआत धीमी रही लेकिन दोनों ने जल्द ही आगे बढ़कर गेम पर कंट्रोल कर लिया। जोड़ी ने पूरे समय क्रॉस कोर्ट गेम खेला। इसमें कोर्ट की दोनों तरफ शटलर्स ने शॉट लगाए। इंडोनेशियाई जोड़ी ने कुछ पॉइंट्स के साथ वापसी करने की कोशिश की, लेकिन भारतीयों के डिफेन्स को नहीं तोड़ सके। जल्दी ही सात्विक-चिराग 15-10 से आगे हो गए। तेजी से बढ़ते बैकहैंड ने भारतीयों को 6 गेम पॉइंट दिए और 21-15 से जीत मिल गई। दूसरे गेम में सात्विक-चिराग ने पहले अच्छी शुरुआत की, लेकिन चिराग को अपने दाहिने घुटने के पास असुविधा महसूस होने लगी। जोड़ी 21-19 से हार गई। तीसरे गेम में सात्विक-चिराग ने आसानी से गेम जीत लिया। पहले स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद जोड़ी ने वापसी करते हुए आसानी से गेम 21-9 से जीत लिया। इसके साथ ही जोड़ी को क्वार्टरफाइनल का टिकट भी मिल गया। दूसरी ओर भारतीय स्टार शटलर लक्ष्य सेन का अभियान प्री क्वार्टर फाइनल में ही खत्म हो गया। उन्हें थाईलैंड के कुनालवुत वितिदसार्न से हार का सामना करना पड़ा।

चेस वर्ल्ड कप का फाइनल हारे प्रगनानंदा

वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराया

बाकू। भारत के युवा चेस खिलाड़ी रमेशबाबू प्रगनानंदा का एफआईडीई वर्ल्ड कप जीतने का सपना टूट गया है। उन्हें 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने फाइनल के टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराया। टाईब्रेकर का पहला रैपिड गेम नॉर्वे के खिलाड़ी ने 47 मूव के बाद जीता था। दूसरा गेम ड्रॉ रहा और कार्लसन चैंपियन बन गए। इससे पहले, दोनों ने क्लासिकल राउंड के दोनों गेम ड्रॉ खेले थे।

प्रगनानंदा अगर यह मुकाबला जीत जाते तो 21 साल बाद कोई भारतीय यह टाइटल जीतता। इससे पहले विश्वनाथन आनंद ने 2002 में इस चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। तब प्रगनानंदा पैदा भी नहीं हुए थे। प्रगनानंदा भले ही फाइनल में जीत हासिल नहीं कर सके, लेकिन उनका अब तक का सफर काफी इंस्पायरिंग रहा है।

पहली बार चैंपियन बने कार्लसन - मैग्नस कार्लसन एफआईडीई वर्ल्ड कप में पहली बार चैंपियन बने हैं। भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद और लेवोन एरोनियन ने 2-2 खिताब जीते हैं। एफआईडीई वर्ल्ड कप 2000 में शुरू हुआ था। पहले 2 सीजन वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप से लिंक नहीं थे और टूर्नामेंट राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेला जा रहा था। फिर 2003 और 2004 में प्रतियोगिता आयोजित नहीं हुई। उसके बाद से इस प्रतियोगिता का नियमित आयोजन हो रहा है। 2005 के बाद से वर्ल्ड कप नॉकआउट फॉर्मेट में हो रहा है। इतना ही नहीं, इसे वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा भी बनाया गया है।

टाईब्रेकर मैच-दर-मैच - टाईब्रेकर की शुरुआत रैपिड गेम के साथ हुई। इसके तहत दोनों खिलाड़ियों को 15-15 मिनट के दो रैपिड गेम खेलने थे।

पहला गेम: 47 मूव के बाद जीते कार्लसन, स्कोर 1-0 - फाइनल टाईब्रेक के पहले रैपिड गेम में वर्ल्ड चैंपियन कार्लसन ने काले रंग के साथ जीत हासिल की। कार्लसन ने यह रैपिड गेम 47 मूव के साथ जीता। इस जीत के साथ उन्होंने टाईब्रेकर में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। ऐसे में

भारतीय स्टार का दूसरा गेम जीतना जरूरी हो गया।

दूसरा गेम : 22 मूव के बाद ड्रॉ रहा गेम - पहला रैपिड गेम हारने के बाद प्रगनानंदा पर हर हाल में जीतने का दवाब था, हालांकि कि यह मुकाबला 22 मूव के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ, क्योंकि दोनों खिलाड़ी इस पर सहमत थे। इसी के साथ कार्लसन ने इस चैंपियनशिप का पहला खिताब जीत लिया।

क्लासिकल गेम-1 : वर्ल्ड नंबर-1 को ड्रॉ पर रोका - भारत के युवा स्टार प्रागननंदा वर्ल्ड नंबर-1 के खिलाफ सफेद मोहरों के साथ उतरे और संतुलित शुरुआत की। समय की भारी कमी के बीच प्रगनानंदा कार्लसन को बराबरी की स्थिति में रोकने में सफल रहे। भारतीय ने दमदार खेल दिखाया। आखिरकार में नॉर्वे के दिग्गज को युवा ग्रैंडमास्टर के साथ 35 चालों के बाद ड्रॉ पर सहमत होना पड़ा।

क्लासिकल गेम-2 : 30 चालों पर ड्रॉ पर सहमत हुए चैंपियन - सेकेंड क्लासिकल गेम में मोहरें का रंग बदला हुआ था। इस बार कार्लसन सफेद और प्रगनानंदा काली मोहरों के साथ खेल रहे थे। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लसन ने भारतीय युवा के सामने अच्छा खेल खेला, हालांकि इससे प्रगनानंदा को किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। यह मुकाबला तय 90 मिनट के बाद 30 चालों के बाद खिलाड़ी ड्रॉ पर सहमत हो गए।

पिता बैंक में काम करते हैं, मां हाउस वाइफ - प्रगनानंदा का जन्म 10 अगस्त, 2005 को चेन्नई में हुआ। उनके पिता स्टेट कॉर्पोरेशन बैंक में काम करते हैं, जबकि मां नागलक्ष्मी एक हाउसवाइफ हैं। उनकी एक बड़ी बहन वैशाली आर हैं। वैशाली भी शतरंज खेलती हैं। प्रगनानंदा का नाम पहली बार चर्चा में तब आया, जब उन्होंने 7 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चैंपियनशिप जीत ली। तब उन्हें फेडरेशन इंटरनेशनल डेस एचेक्स मास्टर की उपाधि मिली। वे 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर बन गए और सबसे कम उम्र में यह उपाधि हासिल करने वाले भारतीय बने। इस मामले में प्रगनानंदा ने भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद का रिकॉर्ड तोड़ा। इससे पहले, वे 2016 में यंगेस्ट इंटरनेशनल मास्टर बनने का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं। तब वे 10 साल के ही थे। चेस में ग्रैंडमास्टर सबसे ऊंची कैटेगरी वाले खिलाड़ियों को कहा जाता है। इससे नीचे की कैटेगरी इंटरनेशनल मास्टर की होती है। प्रगनानंदा की सफलता के पीछे मां का बड़ा हाथ है। उनकी हर जरूरत का ध्यान मां खुद रखती हैं। बात चाहे खाने-पीने की हो या फिर ट्रेनिंग की। प्रगनानंदा की मां हमेशा उनके साथ रहती हैं। वे जहां भी खेलने जाते हैं, मां उनके साथ जाती हैं।

सत्यमेव जयते
असम सरकार

नागरिक - केन्द्रित शासन में
एक उल्लेखनीय मील का पत्थर

100वीं कैबिनेट बैठक 27 महीने में

"साहस, कड़ी मेहनत और नए विचारों से हम नए असम की नींव तैयार कर सकते हैं"

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, असम

-- Janasanyog /D/9385/ 23

डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम कैबिनेट की
एक अभूतपूर्व यात्रा

मई 11, 2023

कैबिनेट की पहुँचः
राज्य के विभिन्न हिस्सों में आयोजित बैठक

धेमाजी	30 सितम्बर 2021
बंगाईगांव	24 नवम्बर 2021
हाफलोंग	19 जनवरी 2022
तेजपुर	11 जून 2022
कोकराझाड़	6 सितम्बर 2022
सिलचर	29 नवम्बर 2022
जोरहाट	15 दिसम्बर 2022
डिब्रूगढ़	30 जनवरी 2023
उदालगुड़ी	2 अप्रैल 2023

नई दिल्ली ▸ 23 नवम्बर 2022/ 31 दिसम्बर 2022 / 9 अगस्त 2023

अगस्त 25, 2023

लिए गए निर्णयः 1,238

निर्णय कार्यान्वित : 1,217

रिकॉर्ड 98% कार्यान्वयन

01 प्रशासनिक सुधार, प्रशिक्षण एवं पीपीजी
लिए गए निर्णयः 27
निर्णय क्रियान्वितः 26
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 96

02 कृषि एवं बागवानी
लिए गए निर्णयः 22
निर्णय क्रियान्वितः 20
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 91

03 मुख्यमंत्री सचिवालय
लिए गए निर्णयः 19
निर्णय क्रियान्वितः 19
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

04 सांस्कृतिक मामले
लिए गए निर्णयः 15
निर्णय क्रियान्वितः 15
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

05 आवास और शहरी मामले
लिए गए निर्णयः 67
निर्णय क्रियान्वितः 65
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 97

06 जनजातीय मामले (मैदानी)
लिए गए निर्णयः 11
निर्णय क्रियान्वितः 11
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

07 शिक्षा (स्कूल एवं उच्चतर)
लिए गए निर्णयः 108
निर्णय क्रियान्वितः 108
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

08 पर्यावरण एवं वन
लिए गए निर्णयः 36
निर्णय क्रियान्वितः 34
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 94

09 वित्त
लिए गए निर्णयः 120
निर्णय क्रियान्वितः 113
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 94

10 खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं सी.ए.
लिए गए निर्णयः 16
निर्णय क्रियान्वितः 15
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 94

11 सामान्य प्रशासन और एसएडी का विलय
लिए गए निर्णयः 49
निर्णय क्रियान्वितः 49
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

12 स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण
लिए गए निर्णयः 26
निर्णय क्रियान्वितः 26
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

13 गृह एवं राजनीतिक
लिए गए निर्णयः 65
निर्णय क्रियान्वितः 64
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 98

14 उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम
लिए गए निर्णयः 57
निर्णय क्रियान्वितः 57
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

15 सूचना प्रौद्योगिकी
लिए गए निर्णयः 5
निर्णय क्रियान्वितः 3
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 60

16 चिकित्सा, शिक्षा एवं अनुसंधान
लिए गए निर्णयः 40
निर्णय क्रियान्वितः 40
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

17 पंचायत एवं ग्रामीण विकास
लिए गए निर्णयः 21
निर्णय क्रियान्वितः 21
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

18 कार्मिक
लिए गए निर्णयः 36
निर्णय क्रियान्वितः 36
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

19 शक्ति
लिए गए निर्णयः 50
निर्णय क्रियान्वितः 46
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 92

20 लोक निर्माण (भवन एवं एनएच)
लिए गए निर्णयः 37
निर्णय क्रियान्वितः 37
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

21 लोक निर्माण सड़कें
लिए गए निर्णयः 27
निर्णय क्रियान्वितः 27
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

22 राजस्व एवं आपदा प्रबंधन
लिए गए निर्णयः 119
निर्णय क्रियान्वितः 119
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

23 खेल एवं युवा कल्याण
लिए गए निर्णयः 31
निर्णय क्रियान्वितः 30
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 97

24 पर्यटन
लिए गए निर्णयः 16
निर्णय क्रियान्वितः 16
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

25 परिवहन
लिए गए निर्णयः 35
निर्णय क्रियान्वितः 35
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

26 जल संसाधन
लिए गए निर्णयः 10
निर्णय क्रियान्वितः 10
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

27 अल्पसंख्यकों का कल्याण एवं विकास
लिए गए निर्णयः 5
निर्णय क्रियान्वितः 5
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

28 सामान्य जनजातियों और बी.सी. कल्याण
लिए गए निर्णयः 19
निर्णय क्रियान्वितः 19
कार्यान्वयन का प्रतिशतः 100

साप्ताहिक कैबिनेट ● तेजी से फैसले ● शीघ्र निष्पादन ● प्रभावी निगरानी

सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशालय, असम द्वारा प्रकाशित हमसे जुड़ें @diprassam dipr.assam.gov.in

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)